हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11 खेल

नीतीश राजस्थान के लिए पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

Page 10 देश

हरियाणा भाजपा का बदलने जा रहा पता, अब रोहतक में नहीं बदलेगा मुख्यालय

शुक्ल पक्ष, कृतिका, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • मंगलवार • 01 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 110 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 91,910	₹1,04,000

आज का इतिहास

1897 : भारतीय आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। उनका वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था।

1936 : भारत के उड़ीसा राज्य की स्थापना हुई, जो कि पहले कलिंग या उत्कल के नाम से जाना जाता था।

न्यूज बाइट्स

निधि तिवारी बनी पीएम मोदी की निजी सचिव

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की अधिकारी निधि तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक विद्यालय का किया जाएगा मूल्यांकन

औरंगाबाद समेत 38 जिलों में अफसरों को मिली कमान नए सत्र में सरकारी विद्यालयों का होगा निरीक्षण

अधिकारी विद्यालयों में बच्चों के पठन-पाठन और अन्य गतिविधियों की करेंगे सही निगरानी

- सरकारी विद्यालयों में राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान शुरू होगा। शिक्षा विभाग ने इस बार सभी विद्यालयों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने का फैसला किया है।

निज संवाददाता | पटना

पहली अप्रैल से राज्य के 71 हजार प्रारंभिक और 9360 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र आरंभ होगा। इस बार शिक्षा विभाग ने इस सत्र की शुरुआत से ही सभी सरकारी विद्यालयों में राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान शुरू करने का फैसला किया है, ताकि बच्चों के पठन-पाठन की सही निगरानी हो सके। इसके लिए विभाग के स्तर से विद्यालयों के निरीक्षण को मुख्यालय के 38 अधिकारी तैनात किए गए हैं। शिक्षा विभाग ने तय किया है कि प्रत्येक विद्यालय का मूल्यांकन अफसरों के निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए जिलों में तैनात अफसरों को आगाह किया गया है कि प्रत्येक विद्यालय में जाकर निरीक्षण करें और बच्चों के पठन-पाठन, शिक्षकों की हाजिरी, बच्चों में शैक्षणिक प्रगति और विद्यालय में होने वाली तमाम गतिविधियों के बारे में जांच रिपोर्ट तैयार करें।

रिपोर्ट को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक है। विभाग ने हर अफसर को तीन माह के लिए जिला आवंटित किया है ताकि हर विद्यालय की कमियों को खंगाल सकें। कौन-सा दिन, किस विद्यालय का कब निरीक्षण करना है, इसे विभाग के अपर मुख्य सचिव के स्तर से तय किया जाएगा।

शिक्षा विभाग के मुताबिक विभाग के अवर सचिव उपेंद्र कुमार को जमुई, अवर सचिव विनोद कुमार पाण्डेय को अररिया, उप सचिव अजय सतीश भंगरा को सुपौल, अवर सचिव ललन मंडल को कैमूर, जन शिक्षा की सहायक निदेशक प्रिया भारती को औरंगाबाद, अवकाश रक्षित पदाधिकारी आभा रानी को मुंगेर, संविदा पर नियोजित माध्यमिक शिक्षा के शिवनाथ प्रसाद को खगड़िया।

संविदा पर नियोजित मध्याह्न भोजन योजना के रूपेंद्र कुमार सिंह को सहरसा, संविदा पर नियोजित मध्याह्न भोजन योजना के ही बालेश्वर प्रसाद यादव को पूर्णिया एवं योजना-अनुश्रवण के सहायक निदेशक मिहिर झा को बांका का जिम्मा दिया गया है। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा के विशेष निदेशक सचिंद्र कुमार को बक्सर, प्राथमिक शिक्षा के संयुक्त निदेशक अमर कुमार को सीवान, उच्च शिक्षा के उप निदेशक नसीम अहमद को लखीसराय।

उच्च शिक्षा के उप निदेशक दीपक कुमार सिंह को शिवहर, माध्यमिक शिक्षा के उपनिदेशक अब्दुस सलाम अंसारी को पश्चिम चंपारण, प्राथमिक शिक्षा के उप निदेशक उर्मिला कुमारी को मधुबनी, प्राथमिक शिक्षा के उप निदेशक नीरज कुमार को शेखपुरा।

प्राथमिक शिक्षा के उप निदेशक संजय कुमार चौधरी को पूर्वी चंपारण, माध्यमिक शिक्षा के उप निदेशक नरेंद्र कुमार को कटिहार, उच्च शिक्षा के उप निदेशक दिवेश कुमार चौधरी को किशनगंज, अवर सचिव बाल्मीकि कुमार को नालंदा, अवर सचिव सियाराम केशरी को दरभंगा, अवर.

तहत शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव को भोजपुर, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक सज्जन आर को गोपालगंज, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक नवदीप शुक्ला को जहानाबाद, प्राथमिक शिक्षा निदेशक साहिला को मुजफ्फरपुर, विशेष सचिव-सह-निदेशक (प्रशासन) सुबोध कुमार चौधरी को वैशाली, विशेष सचिव-सह-जन शिक्षा निदेशक अनिल कुमार को सारण।

विशेष सचिव सुनील कुमार को अरवल, संयुक्त सचिव अमरेश कुमार मिश्र को सीतामढ़ी, संयुक्त सचिव संजू कुमारी को भागलपुर, संयुक्त सचिव शाहजहां को समस्तीपुर, उप निदेशक (प्रशासन) जावेद अहसन अंसारी को बेगूसराय, विशेष कार्य पदाधिकारी सुश्री विनीता को पटना, उप सचिव अजीत शरण को नवादा, उप सचिव अमित कुमार पुष्पक को मधेपुरा की जिम्मेदारी दी गई है।

गांधी मैदान में मुख्यमंत्री ने नमाजियों को दी ईद की बधाई, कई धार्मिक स्थलों का किया दौरा

- आरक्षण नीति एवं रोस्टर प्रणाली की समीक्षा
- कार्यालय सुविधाओं में सुधार

निज संवाददाता | पटना

सोमवार को ईद-उल-फितर के मौके पर राजधानी पटना के गांधी मैदान में बड़ी संख्या में नमाजियों ने ईद की विशेष नमाज अदा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद गांधी मैदान पहुंचे और इमाम इदैन हजरत मौलाना महसूद अहमद कादरी नदवी से मुलाकात कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद अन्य धर्मगुरुओं और गणमान्य लोगों से भी मुलाकात की और प्रदेशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दीं। गांधी मैदान में नमाज अदा करने के बाद इमाम इदैन हजरत मौलाना महसूद अहमद कादरी नदवी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और राज्य में शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। इस मौके पर इदैन कमेटी के सदर महमूद आलम ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया और उन्हें पारंपरिक साफा भी पहनाया। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद सभी नमाजियों, मुस्लिम भाई-बहनों और समस्त बिहारवासियों को ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मो. इर्शादुल्लाह, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबड़े, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह और वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। एदार-ए-शरिया के सदस्यों ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए राज्य के विकास के लिए किए गए उनके प्रयासों के प्रति आभार प्रकट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री मित्तन घाट, पटना सिटी स्थित खानकाह-ए-मुनएमिया पहुंचे, जहां उन्होंने सज्जादा नशीं हजरत सैयद शाह शमीमुद्दीन अहमद मुनअमी से मुलाकात की और बिहार की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए दुआ मांगी। इसके बाद मुख्यमंत्री तकिया शरीफ, मित्तन घाट, पटना सिटी स्थित खानकाह बारगाहे इश्क पहुंचे, जहां उन्होंने सज्जादा नशीं सैयद शाह ख्वाजा आमिर शाहिद से मिलकर ईद की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने ईद के मौके पर कई प्रमुख लोगों के घर जाकर उनसे मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एग्जीबिशन रोड स्थित डॉ. अहमद अब्दुल हई, आशियाना दीघा रोड स्थित डॉ. ग्यासुद्दीन रई, पूर्व सांसद अहमद अशफाक करीम, दानापुर छावनी स्थित हाजी मोहम्मद इलियास उर्फ सोनू बाबू, बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैय्यद अफजल अब्बास और बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष इर्शादुल्लाह से भी मुलाकात की और उन्हें ईद की मुबारकबाद दी।

मुख्यमंत्री ने खानकाह-मुजीबिया में मांगी दुआ

गांधी मैदान में ईद की नमाज के बाद मुख्यमंत्री फुलवारीशरीफ स्थित खानकाह-मुजीबिया पहुंचे, जहां उन्होंने सज्जादा नशीं हजरत सैयद शाह आयतुल्ला कादरी से मुलाकात कर उनकी दुआएं लीं और उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सुल्तानगंज स्थित एदार-ए-शरिया पहुंचकर वहां के प्रमुख सदस्य डॉ. फरीद अमानुल्लाह और पूर्व विधान पार्षद गुलाम रसूल बलियावी से मुलाकात कर ईद की मुबारकबाद दी।

PR. No. 349590/IPRD/2024-25

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 673 मरीजों की हुई जांच

गया। बेलागंज प्रखंड के धनावां गांव में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 673 मरीजों का इलाज किया गया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वर्णलता और मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपशिखा काव्या ने मरीजों को देखा। सभी मरीजों को मुफ्त दवा दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत कांग्रेस महासचिव कुमार ओंकार शक्ति ने की। शिविर में गांव के युवा कुणाल शर्मा, राहुल शर्मा, अंबुज शर्मा, लड्डू शर्मा और गौरव शर्मा मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना की।

प्रभावशाली व्यक्तियों में ललन सिंह का 54वां स्थान सूबे के लिए गौरवपूर्ण क्षण

गया। केंद्रीय मंत्री और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को देश के प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में 54वां स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर जदयू के प्रदेश महासचिव और मुख्यालय प्रभारी (स्थापना) चंदन कुमार सिंह ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि यह सम्मान पार्टी और बिहार के लिए गर्व की बात है। चंदन सिंह ने कहा कि ललन सिंह का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं में नया जोश भरता है। केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्होंने कार्यकुशलता की मिसाल पेश की है। उन्होंने जनकल्याण को हमेशा प्राथमिकता दी। उनके दूरदर्शी फैसलों और विकासपरक नीतियों से बिहार सहित देश को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि ललन सिंह की सक्रियता और मजबूत नेतृत्व से पार्टी को मजबूती मिली। इससे जनता का भरोसा और गहरा हुआ है। इस उपलब्धि से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा आई है।

फर्नीचर फैक्ट्री में लगी आग, 7 लाख की संपत्ति जलकर राख

मानपुर। मानपुर नौरंगा रोड स्थित मुस्कान पैलेस के पास रविवार देर शाम वर्ल्ड फर्नीचर कारखाने में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि लाखों रुपये की प्लाई और लकड़ी जलकर राख हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी भयानक थीं कि सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। आग लगने की वजह को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि चांद के दीदार के बाद लोग आतिशबाजी कर रहे थे। आशंका है कि जलता हुआ पटाखा दुकान में गिर गया, जिससे आग लग गई। पीड़ित रंजन कुमार, जो सुधा टॉकीज के पास रहते हैं, ने बताया कि घटना रात करीब 8 बजे की है। करीब छह से सात लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

तीन को बांकेबाजार में होंगे प्रो. लक्ष्मण

गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक व सामाजिक चिंतक प्रोफेसर लक्ष्मण यादव तीन अप्रैल को बांकेबाजार आएंगे। गुरुवार को सीके मैरिज हॉल के सभागार में आयोजित परिचर्चा में वे मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम का आयोजन वंचित वर्ग मोर्चा कर रहा है। विषय भारत की बुनियाद पर मंडराता खतरा हैं। आयोजनकर्ता अजय दांगी और संयोजक सुभाष यादव ने बताया कि देश में साधनों और संसाधनों का असमान वितरण बढ़ रहा है। सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में अवसरों की गैर बराबरी से हालात बिगड़ रहे हैं। इससे देश का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। परिचर्चा का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है। उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना है।

जेपी नड्डा व किरण रिजिजू संसद से सड़क तक बोल रहे झूठ : कांग्रेस

गया। गया बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता प्रो. विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मो. खान अली, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, मिथिलेश सिंह, प्रद्युम्न दुबे, दामोदर गोस्वामी, शिव कुमार चौरसिया, श्रीकांत शर्मा, टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, रामाश्रय सिंह ने भाजपा नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेताओं ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू संसद से लेकर सड़क तक लगातार झूठ बोल रहे हैं। नेताओं ने कहा कि दोनों नेताओं ने संसद में कहा कि कांग्रेस कर्नाटक में धर्म के आधार पर आरक्षण दे रही है, जो पूरी तरह गलत है। भाजपा इस तरह के मुद्दे उठाकर अपनी सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार को छिपाना चाहती है। हाल ही में न्यायपालिका से जुड़ा मामला सामने आया है, जिस पर भाजपा नहीं चाहती कि विपक्ष चर्चा करे। नेताओं ने बताया कि कर्नाटक में 1994 में जो आरक्षण शुरू हुआ था, उसे कांग्रेस, भाजपा, जेडीएस और उस समय की सभी पार्टियों ने स्वीकार किया था। अब भाजपा उसी पर झूठ फैला रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संसद में जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार में पिछले दस वर्षों में 157 मेडिकल कॉलेज खोले हैं। यह दावा पूरी तरह झूठा और हास्यास्पद है। नेताओं ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इन झूठों को उजागर किया है। कांग्रेस पार्टी इस पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। नेताओं ने कहा कि बिहार में कुछ महीने बाद चुनाव हैं। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लगातार बिहार का दौरा करेंगे और जुमलों की बरसात करेंगे।

पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर सड़क किनारे पलटा, लगी आग

नालंदा। नालंदा में रविवार को पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर में आग लग गई। टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया था। चालक ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा कि पटना से टैंकर कतरीसराय स्थित पेट्रोल पंप जा रहा था। इसी बीच सकरी पुल के पास सामने से आ रही गाड़ी की वजह से टैंकर अनियंत्रित हो गया। चालक और स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कतरीसराय पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर पहुंची नवादा और नालंदा की दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब 1 घंटे के बाद आग पर काबू पाया। तब तक टैंकर पूरी तरह से जलकर खाक हो चुका है। हादसा गिरियक शाहपुर रोड के कतरीसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत रानी बीघा गांव के पास की है।

30 लाख के नुकसान की आशंका: गनीमत रही की घटना के दौरान मौके पर कोई अन्य वाहन या आबादी नहीं थी। नहीं तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता था। इस घटना में करीब 30 लाख रुपए का नुकसान है। कतरीसराय थाना अध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आग पर काबू पा लिया गया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

खाजा व्यवसायी को मिला BIB एक्सीलेंस अवार्ड

नालंदा। नालंदा जिले के सिलाव का मशहूर खाजा एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। सिलाव के प्रसिद्ध श्री काली साह खाजा दुकान के मालिक संजीव कुमार सोनी गुप्ता को राजधानी पटना में आयोजित बीआईबी एक्सीलेंस अवार्ड 2025 में प्रतिष्ठित 'बिहारी हीरो अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री जया प्रदा ने प्रदान किया। इस गौरवशाली अवसर पर संजीव कुमार और उनकी पत्नी सोनी गुप्ता ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "यह सम्मान मुझे बी आई बी कार्यक्रम के माध्यम से मिला है। यह पुरस्कार हमें व्यवसाय को और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारा उद्देश्य है कि सिलाव के खाजे को देश-विदेश में और अधिक प्रसिद्धि मिले।" सिलाव का खाजा बिहार की मिठाई परंपरा का एक अनमोल हिस्सा है, जिसका इतिहास सदियों पुराना माना जाता है। इस स्वादिष्ट मिठाई ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। इससे पहले भी संजीव कुमार को अंतर्राष्ट्रीय सागर महोत्सव में सम्मानित किया जा चुका है।

एक्ट्रेस जयाप्रदा से अवॉर्ड मिलना सौभाग्य की बात: समारोह में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। ऐसा लगता है कि हमारा व्यवसाय सराहा जा रहा है और लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। इससे हमें आगे बढ़ने का और प्रेरणा मिलती है।

स्थापना की प्रथम वर्षगाँठ पर शब्दवीणा द्वारा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं संगोष्ठी का आयोजन

निज संवाददाता। गया

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में शब्दवीणा की 14 प्रदेश समितियों से जुड़े शब्दवीणा रचनाकार

राष्ट्रीय साहित्यिक-सह-सांस्कृतिक संस्था 'शब्दवीणा' की स्थापना की प्रथम वर्षगाँठ पर शब्दवीणा की राष्ट्रीय समिति की ओर से "शब्दवीणा वार्षिकोत्सव 2025' के तहत 'शब्दवीणा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं संगोष्ठी' का आयोजन किया गया, जिसमें शब्दवीणा की बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड एवं गोवा प्रदेश समितियों से शब्दवीणा रचनाकारों ने भाग लिया एवं नववर्ष, नवरात्रि, मातृशक्ति, देशप्रेम एवं हिन्दी को समर्पित रचनाएँ प्रस्तुत कीं एवं अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन एवं सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय साहित्य मंत्री वंदना चौधरी द्वारा किया गया। शब्दवीणा की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने शब्दवीणा गीत प्रस्तुत करने के उपरांत, नये वर्ष में शब्दवीणा परिवार की ओर से साहित्य, संगीत, कला एवं समाज के हित में और भी बेहतर ढंग से कार्य करते हुए आगे बढ़ते रहने के संकल्प को दुहराया। डॉ रश्मि ने शब्दवीणा के राष्ट्रीय संरक्षक व पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता महावीर बजाज एवं राष्ट्रीय परामर्शदाता प्रख्यात साहित्यकार डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी द्वारा शब्दवीणा के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेषित शुभकामनाएं साझा कीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कोलकाता, पश्चिम बंगाल से जुड़े शब्दवीणा के राष्ट्रीय परामर्शदाता मंडल के सदस्य पुरुषोत्तम तिवारी ने भी शब्दवीणा की उत्तरोत्तर बेहतर होती सांगठनिक सुदृढ़ता एवं साहित्यिक सक्रियता हेतु शुभकामनाएँ दीं। कहा कि साहित्य और संगीत के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में उत्तराखंड से जुड़े मुक्तक सम्राट राष्ट्रीय सचिव महावीर सिंह वीर, पटना से राष्ट्रीय उप सचिव राजमणि मिश्र, नेपाल से डॉ आनंद कुमार त्रिपाठी, हरियाणा से डॉ संतोष संप्रीति, सरोज कुमार एवं विकास शुक्ला, मध्य प्रदेश से कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ कवि अनंगपाल सिंह भदौरिया एवं अरुण अपेक्षित, बिहार से जैनेन्द्र कुमार मालवीय, डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी, अनामिका अनु, अजय कुमार वैद्य, डॉ रवि प्रकाश एवं पंकज मिश्र, बेगूसराय से गोविंद कुमार एवं हिमांशु कुमार, महाराष्ट्र से डॉ कनक लता तिवारी, कर्नाटक से सुनीता सैनी गुड्डी, विजयेन्द्र सैनी, निगम राज, मथुरा, गोवा से वंदना चौधरी, दिल्ली से शिव चाहर, उत्तर प्रदेश से फतेहपाल सिंह सारंग, फरुखाबाद, उत्तर प्रदेश से अनुराग दीक्षित, गुजरात से सुमित मानधना, राजस्थान से अशोक राय वत्स, राम पंचाल भारतीय, पश्चिम बंगाल से पुरुषोत्तम तिवारी, छत्तीसगढ़ से आशा मेहर किरण एवं झारखंड से प्रतिभा प्रसाद एवं पूनम शर्मा स्नेहिल ने एक से बढ़कर एक स्वरचित गज़ल, दोहे, कुंडलिया छंद, गीत एवं मुक्तक रचनाएँ पढ़ीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दवीणा मध्य प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ कवि अनंग पाल सिंह भदौरिया 'अनंग' ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में काठमांडू, नेपाल से जुड़े शब्दवीणा के राष्ट्रीय उप साहित्य मंत्री डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी एवं महाराष्ट्र प्रदेश संरक्षक डॉ कनक लता तिवारी की उपस्थिति रही। चार घंटे से अधिक देर तक चले शब्दवीणा वार्षिकोत्सव 2025 का सीधा प्रसारण फेसबुक पर शब्दवीणा केन्द्रीय पेज से किया गया, जिससे प्रो. सुबोध कुमार झा, डॉ वीरेन्द्र कुमार, डॉ विभा जोशी, प्रदीप शुक्ल, अजीत अग्रवाल, डॉ रामसिंहासन सिंह, रजनीबाला, डॉ रवि प्रकाश, पी के मोहन, डॉ गोपाल निर्दोष, ललित शंकर, डॉ रविशंकर राकेश, मणिलाल बारिक, दिनेश कुमार, सुरेश विद्यार्थी, टुन्नू दांगी, प्रो.सुनील कुमार उपाध्याय, अरुण अपेक्षित सहित सैंकड़ों दर्शक एवं श्रोताओं ने प्रतिभागी रचनाकारों का अपनी टिप्पणियों द्वारा उत्साहवर्द्धन किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कुंडलिया छंद विशेषज्ञ कार्यक्रम अध्यक्ष अनंग पाल सिंह भदौरिया ने नये वर्ष में शब्दवीणा के श्रेष्ठतर प्रचार, प्रसार, विस्तार एवं प्रशंसनीय आयोजनों के अंबार हेतु आशा जताते हुए शुभकामनाएं दीं। धन्यवाद ज्ञापन निगम राज ने किया।

पुलिस व होमगार्ड की तैयारी कर रहे युवाओं को समाजसेवी विकास ने भेंट किया मैट्रेस

निज संवाददाता। गया

नगर प्रखंड चंदौती के ग्राम पंचायत धनसीर अंतर्गत ग्राम गुलरिया चक व खुरार के युवाओं व महिलाओं द्वारा बिहार पुलिस और होमगार्ड भर्ती की शारीरिक परीक्षा की तैयारी के लिए हाई जम्प का अभ्यास शुरू किया है। अभ्यास के दौरान चोट लगने की समस्या को देखते हुए युवा समाजसेवी सह वार्ड सचिव विकास कुमार ने अपनी ओर से 24 हजार रुपये का मैट्रेस खरीदकर युवाओं को भेंट किया है। इससे अब वे सुरक्षित तरीके से हाई जम्प का अभ्यास कर सकेंगे और भर्ती परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। मैट्रेस मिलने पर तैयारी कर रहे युवाओं ने कहा कि हाई जंप के दौरान आ रही समस्या को लेकर एक बार विकास कुमार से बात की गई थी। उनके एक ही बार आग्रह पर उन्होंने हमारी जरूरत को समझा और तुरंत मैट्रेस उपलब्ध करा दिया। ऐसे मददगार समाजसेवी धनसीर पंचायत में एक मिसाल रूप में कायम हैं। बता दें कि पंचायत के गांव में बीते 5 वर्षों से विकास कुमार ग्रामीणों और युवाओं को हर संभव मदद कर रहे हैं। उनके द्वारा समय-समय पर जरुरतंदों को कुछ न कुछ सहायता दी जाती है। इस पर विकास कुमार ने कहा कि अगर मेरे गांव और पंचायत के 2-4 युवा भी इस मैट्रेस की मदद से नौकरी हासिल कर लेते हैं, तो मेरा यह छोटा-सा योगदान सफल होगा। समाजसेवा के जरिए पंचायत के विकास में योगदान देना ही मेरा लक्ष्य है।

अनुपम ने राष्ट्रीय बधिर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में किया कमाल

निज संवाददाता। नालंदा

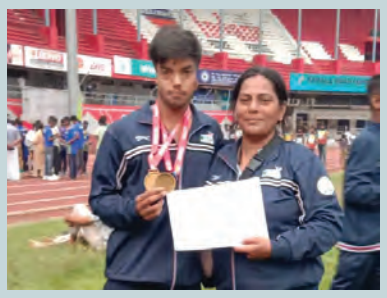

♦ चार पदक जीतकर बिहार का नाम किया रोशन, केरल में आयोजित हो रही है प्रतियोगिता

नालंदा जिले के एक छोटे से गांव से आने वाले युवा एथलीट अनुपम कुमार ने केरल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार पदक हासिल किए हैं। चंद्रशेखरन नायर स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में 28 से 31 मार्च 2025 के बीच आयोजित 9वीं राष्ट्रीय बधिर जूनियर एवं सब-जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप और 26वीं राष्ट्रीय बधिर सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अनुपम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर न सिर्फ अपने जिले बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है। हरनौत बाजार के नियामतपुर गांव निवासी पप्पू कुमार के पुत्र अनुपम ने 800 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ और 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 4×100 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि अनुपम ने 400 मीटर की दौड़ मात्र 54 सेकंड में पूरी करके एक बेहतरीन समय दर्ज किया।

कोच ने उज्जवल भविष्य की कामना की है: अनुपम के कोच कुंदन कुमार पांडे ने कहा की अनुपम के पास असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और निरंतर कड़ी मेहनत की। यह पदक उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।" अनुपम की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों की टीम में शामिल किशोरी जाजोदिया, प्रमोद कुमार, सत्यनाम कबीर, जूनियर कोच रासबिहारी पांडे, रवि कुमार, विनय कुमार, अमित कुमार, गौतम सिंह और प्रकाश कुमार ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण भारत से आए विशेष क्षमता वाले युवा एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें अनुपम का प्रदर्शन सबसे उल्लेखनीय रहा। यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिहार जैसे राज्य से आने वाले एथलीटों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

हीरो एशिया कप राजगीर बिहार 2025 का आयोजन

निज संवाददाता। नालंदा

ऐतिहासिक शहर राजगीर, बिहार 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। आज हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के बाद इस आयोजन की आधिकारिक घोषणा की गई। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। जो भारत के खेल बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और बिहार को वैश्विक खेल हब के रूप में उभरने का संकेत है। यह राजगीर द्वारा आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले, नवंबर 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने विजेता का खिताब जीता था। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में आठ टीमें भाग लेंगी, जिनमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया शामिल हैं। शेष दो टीमें क्वालिफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के माध्यम से अपनी जगह सुनिश्चित करेंगी। पुरुषों के एशिया कप के इतिहास में दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने पांच खिताब (1994, 1999, 2009, 2013 और 2022) जीते हैं। इसके बाद भारत (2003, 2007 और 2017) और पाकिस्तान (1982, 1985 और 1989) हैं, जिन्होंने तीन-तीन बार यह टूर्नामेंट जीता है। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का महत्व इस वजह से भी बढ़ जाता है क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट होगा, जिसे बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित किया जाना है। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में सीधा स्थान प्राप्त करेगा, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो जाएगी, क्योंकि सभी टीमें ट्रॉफी उठाने और अपनी योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी। राजगीर में इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी पर बात करते हुए बिहार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ. बी. राजेंद्र ने कहा, "हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर, बिहार को एक प्रमुख खेल गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है, और हम टूर्नामेंट के सुचारू आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम बिहार के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे का प्रमाण है, और हमें पूरे एशिया की शीर्ष टीमों का स्वागत करने की खुशी है। यह आयोजन न केवल अंतरराष्ट्रीय खेलों में बिहार की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा बल्कि क्षेत्र में हॉकी के नए खिलाड़ियों को प्रेरित भी करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियन हॉकी फेडरेशन का समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं और हमें इस टूर्नामेंट को विश्व स्तरीय बनाने की उम्मीद है।

उत्साही हॉकी संस्कृति बनाएगी टूर्नामेंट को शानदार: इस अवसर पर, एशियन हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, "हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025, एशियाई हॉकी के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है। भारत हमेशा हमारे महाद्वीप में हॉकी के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है, और राजगीर को मेजबान शहर के रूप में चुनना इस खेल को पारंपरिक केंद्रों से आगे ले जाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिहार में नया बुनियादी ढांचा और उत्साही हॉकी संस्कृति इस टूर्नामेंट को शानदार बनाएगी। चूंकि यह टूर्नामेंट विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, इसलिए मुकाबले अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, और हम एएचएफ में उच्च स्तरीय हॉकी देखने के लिए उत्साहित हैं।

पुलिस-प्रशासन अलर्ट : 24 घंटे चालू रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

निज संवाददाता। गया

रामनवमी, चैती छठ और रमजान को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन सतर्क है। शुक्रवार को डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम और एसएसपी आनंद कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और समिति सदस्य शामिल हुए।डीएम ने कहा कि रामनवमी गया में धूमधाम से मनाई जाती है। इसको लेकर प्रशासन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है। वहां लगातार निगरानी हो रही है। उन्होंने होली पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जुलूस केवल प्रशासन द्वारा तय रूट से ही निकलेगा। बिना लाइसेंस के कोई जुलूस नहीं निकलेगा। शोभायात्रा रात 12 बजे तक हर हाल में समाप्त होनी चाहिए। हथियार प्रदर्शन पर विशेष नजर रखी जाएगी। जुलूस में शामिल वोलेंटियर्स को पहचान पत्र जारी कर शांतिपूर्वक भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी दी जाए। त्योहारों के दौरान चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर सख्ती से नियमों का पालन होगा। शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलावासियों से अपील की गई है कि सभी समुदाय मिलकर भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। चालू रहेगा नियंत्रण कक्ष डीएम ने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष 24 घंटे चालू रहेगा। किसी भी परेशानी पर 0631-2222253 या 0631-2222259 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने सभी एसडीओ और एसडीपीओ को निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र के संवेदनशील स्थलों की पहचान कर बैरिकेडिंग कराएं।

गया जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन की धूमधाम से मनाई गई 76वीं वर्षगांठ

निज संवाददाता। गया

शहर के आजाद पार्क में हिंदी साहित्य सम्मेलन की 76 वीं वर्षगांठ रविवार को मनी। वर्षगांठ पर सम्मेलन द्वारा एक सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। बता दें कि सम्मेलन की स्थापना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा वर्ष 1949 को हुई थी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. विजय कुमार करण शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह सुरेंद्र ने की। संचालन सहज कुमार ने किया। सर्वप्रथम सम्मेलन की ओर से दिया जाने वाला वार्षिक बागेश्वरी सम्मान इस बार वरिष्ठ कवि मिथिलेश कुमार मिश्र दर्द को प्रदान किया गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उनका नाम समाज के दर्द को दर्शाता है, जो कविता के रूप में सामने आता है। वहीं डॉ. विजय कुमार करण ने कहा कि दर्द की कविताओं में जीवन की सच्ची अनुभूति झलकती है। सुरेंद्र सिंह सुरेंद्र ने सम्मेलन के गौरवशाली इतिहास को साझा किया। उन्होंने गया शहर की साहित्यिक गरिमा बढ़ाने में सम्मेलन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। संयुक्त सचिव डॉ. राकेश कुमार सिन्हा रवि ने उनकी कविताओं में समाज, जल, जीवन और जमीन से जुड़े सरोकारों पर विशेष चर्चा की। महामंत्री सुमंत ने कहा कि श्री मिश्र को सम्मानित कर सम्मेलन स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहा है। मौके पर अरुण हरलीवाल, उदय सिंह, अंजू कुमारी, डॉ. राम परिखा सिंह, मुन्द्रिका सिंह, गजेंद्र लाल अधीर, धर्मेंद्र शर्मा, नंदकिशोर सिंह, डॉ. निरंजन श्रीवास्तव, आशीष कुमार, उपेंद्र सिंह सहित कई साहित्यकार मौजूद थे।

ईद-उल-फितर पर बिहारशरीफ में लागू होंगे यातायात प्रतिबंध

निज संवाददाता। नालंदा

♦ जानें वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग स्थल, बड़े वाहनों के एंट्री पर रोक

ईद-उल-फितर 2025 के अवसर पर बिहारशरीफ शहर में आज से सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने एक विस्तृत यातायात नियंत्रण योजना जारी की है। चांद के दिखने की स्थिति अनुसार 31 मार्च 2025 को ईद मनाई जा रही है। इस अवसर पर एक विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। सुबह से शाम तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

प्रतिबंधित मार्ग : यातायात पुलिस उपाधीक्षक, नालंदा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शहर के निम्नलिखित मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा: 1. शहर के अंदर सभी प्रकार के बड़े व्यावसायिक/सवारी वाहन जैसे - बस, ट्रक, ट्रैक्टर और पिक-अप का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। 2. खंदकपुर से महलपुर होते हुए मणिराम अखाड़ा तक तीन पहिया और चार पहिया वाहनों का आवागमन निषिद्ध रहेगा। 3. सोगरा कॉलेज से नदी मोड़ की तरफ सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। 4. कुमार सिनेमा तिराहा से पुलपर चौक, पोस्ट ऑफिस रोड, गांधी मैदान होते हुए भरावपुर तक सभी वाहनों का आवागमन रोका जाएगा। 5. एलिट होटल से सोहसराय चौक होते हुए मोगलकुआं तक तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। 6. कचहरी चौक से नईसराय और बरादरी मोड़ तक तीन पहिया और चार पहिया वाहनों का आवागमन नहीं होगा।

वैकल्पिक मार्ग : यात्रियों की सुविधा के लिए निम्नलिखित वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं: 1. छोटे वाहन जैसे - तीन पहिया, चार पहिया और मोटरसाइकिल मामू भगिना मोड़ से अस्पताल चौक होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे। 2. पचासा मोड़ से रहुई रोड होल्ट से शेखाना होकर अम्बेर मोड़/एतवारी बाजार/कचहरी चौक की ओर छोटे वाहन जा सकेंगे। 3. देवीसराय से रामचंद्रपुर, मछली मंडी और बी-2 मॉल होते हुए भी शहर में प्रवेश किया जा सकेगा। 4. कारगिल चौक से गगनदीवान होते हुए लहेरी थाना से सोहनकुआं के रास्ते से मछली मंडी होते हुए शहर की ओर छोटे वाहन जा सकेंगे। 5. रेलवे गुमटी से खंदकपुर चौक, कॉलेज मोड़ और शिव मंदिर के पास से होते हुए कचहरी चौक की तरफ भी यात्री आ सकेंगे।

ड्रॉप गेट और पार्किंग व्यवस्था: प्रशासन ने सवारियों के उतरने के लिए निम्न स्थानों पर ड्रॉप गेट की व्यवस्था की है इनमें: 1. कारगिल बस स्टैंड के पास तीनमुहानी। 2. सोगरा कॉलेज मोड़।

भारतीय नववर्ष उत्सव कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल समेत केंद्रीय मंत्री और कद्दावर नेता होंगे शामिल

डीएम और एसपी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

भारतीय नव वर्ष उत्सव को लेकर बिक्रमगंज में तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। इस भव्य आयोजन में बिहार के राज्यपाल के साथ दो केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के कई कद्दावर नेता शामिल होंगे। इस आयोजन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। सोमवार को जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भारतीय नव वर्ष उत्सव 1 अप्रैल 2025 को बिक्रमगंज अनुमंडल के एक निजी शिक्षण संस्थान डीपीएस, धावां के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव में बिहार के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के साथ ही भाजपा और संघ से जुड़े कई बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए विशेष रूप से तैयारियां की जा रही हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी पूरी मुस्तैदी से व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। इस मौके पर जिला पदाधिकारी रोहतास उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार, एसडीएम अनिल बसाक, एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय, पूर्व विधायक काराकाट राजेश्वर राज, अखिलेश कुमार सिंह और दिनेश कुमार सिंह कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। उन्होंने पूरे आयोजन स्थल का गहन निरीक्षण किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चल रही तैयारियों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले अतिथियों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। खासतौर पर बिक्रमगंज इंटर स्कूल के मैदान में निर्मित हो रहे हेलीपैड का भी गहन निरीक्षण किया गया, जहां राज्यपाल समेत अन्य गणमान्य अतिथियों का हेलीकॉप्टर लैंड करेगा। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। भारतीय नव वर्ष उत्सव को लेकर कई दिनों से तैयारियां चल रही हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना है। पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कारों और मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का एक माध्यम है। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी, जिनमें भारतीय परंपराओं को दर्शाने वाले नृत्य, गीत और अन्य कलात्मक कार्यक्रम शामिल होंगे। इस आयोजन में भाजपा और संघ से जुड़े कई महत्वपूर्ण नेता शामिल होंगे, जिनमें इंद्रेश, जैन आचार्य लोकेश, पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी, अवधेश नारायण सिंह, दिलीप जायसवाल और नंदकिशोर यादव जैसे दिग्गजों के नाम प्रमुख हैं। इनके साथ ही अन्य कई मंत्रियों और नेताओं के आने की भी संभावना जताई जा रही है। बिक्रमगंज में होने वाला यह आयोजन क्षेत्र के लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

इस कार्यक्रम के जरिए जहां लोगों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का मौका मिलेगा, वहीं सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी इसे अहम माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता और इसी कारण डीएम उदिता सिंह समेत सभी उच्च अधिकारी व्यक्तिगत रूप से व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। आयोजन स्थल पर साज-सज्जा से लेकर मंच निर्माण, वीआईपी गैलरी, आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध और यातायात नियंत्रण जैसी तमाम चीजों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल के आसपास भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। जिला प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय पुलिस बल भी पूरी तरह सक्रिय है और सुरक्षा को लेकर हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के लोगों के लिए गर्व का विषय है और इसे पूरी भव्यता के साथ मनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय नव वर्ष उत्सव को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखा जा रहा है। यह पहली बार होगा जब इस तरह के बड़े स्तर पर नव वर्ष समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राज्यपाल सहित कई दिग्गज नेताओं की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के तैयारियों में जुटे लोगों का कहना है कि इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि यह कार्यक्रम पूरे क्षेत्र के लिए यादगार बनेगा।

एसडीएम ने जन वितरण प्रणाली दुकान का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | डिहरी-आन-सोन (रोहतास)

जन वितरण प्रणाली की सुचारू व्यवस्था और खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से डिहरी अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने सोमवार को नौहट्टा प्रखंड में स्थित सी.एम.आर. गोदाम और जन वितरण प्रणाली की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खाद्यान्न भंडारण, वितरण प्रक्रिया, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी दुकानदार यह सुनिश्चित करें कि खाद्यान्न का वितरण ससमय और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए, ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों पर अनियमितताएं पाई गईं, जिन्हें देखते हुए एसडीएम ने संबंधित दुकानदारों और अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लाभुकों को मिलने वाले अनाज की मात्रा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खासतौर पर उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि गरीब और जरूरतमंदों को उचित मात्रा में अनाज समय पर मिले और किसी भी दुकानदार द्वारा इसमें हेरफेर या मनमानी न की जाए। साथ ही, एसडीएम ने गोदामों की स्थिति का भी जायजा लिया और वहां मौजूद खाद्यान्न की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि गोदामों में अनाज के रखरखाव और भंडारण की उचित व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि अनाज खराब न हो और समय पर उचित मात्रा में वितरण किया जा सके। उन्होंने गोदाम प्रबंधकों को भी आगाह किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने साफ-सफाई की स्थिति को लेकर भी असंतोष जाहिर किया और इस संबंध में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि किसी दुकान या गोदाम में गंदगी पाई जाती है या फिर खाद्यान्न के रखरखाव में लापरवाही होती है, तो संबंधित अधिकारी व दुकानदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी डिहरी को निर्देश दिया कि जिन दुकानों या गोदामों में खामियां पाई गई हैं, उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और तय समय के भीतर सुधार किया जाए। इसके अलावा, एसडीएम ने आम जनता से भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं पर खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी या किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है, तो वे तुरंत प्रशासन को इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक पहुंचे, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अनियमितता को सहन नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने अपनी समस्याएं एसडीएम के समक्ष रखीं। कुछ लोगों ने शिकायत की कि कई दुकानदार समय पर खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराते और कभी-कभी मात्रा में भी कटौती कर देते हैं। इस पर एसडीएम ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस तरह की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें और सुनिश्चित करें कि किसी भी लाभुक को उसका हक मिलने में कोई परेशानी न हो।

करंट लगने से ट्रक चालक की मौत कपड़े सुखाने के दौरान हुआ हादसा

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

सासाराम जिले के करवंदिया थाना क्षेत्र के सीता बिगहा गांव में रविवार की अहले सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक ट्रक चालक की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान भागलपुर जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के बनगांवाडीह अखंड नगर निवासी मयबोध यादव के पुत्र राम सहाय यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राम सहाय यादव अपने ट्रक से यात्रा कर रहे थे और सफर के दौरान सीता बिगहा गांव के समीप रुके थे। सुबह लगभग आठ बजे वे एक चापाकल के पास नहाने के लिए गए। नहाने के बाद उन्होंने अपने भीगे हुए कपड़े सुखाने के लिए पास ही लगे एक तार का सहारा लिया, लेकिन दुर्भाग्यवश वह तार करंट प्रवाहित था। जैसे ही राम सहाय यादव ने तार पर कपड़े डाले, उन्हें तेज झटका लगा और वे तुरंत जमीन पर गिर पड़े। वहां मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने यह देखा तो वे दौड़कर आए और उन्हें तुरंत उठाकर अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। आनन-फानन में लोग उन्हें सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से स्थानीय लोगों में भी गहरा दुःख है। लोग इस बात से चिंतित हैं कि आखिर वह तार किसके द्वारा लगाया गया था और उसमें करंट कैसे प्रवाहित हो रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही करवंदिया थानाध्यक्ष विकास कुमार ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक चालक की करंट लगने से मौत हो गई है।

इसके बाद नगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई और शव को सुरक्षित शवगृह में रखवा दिया। हालांकि, अभी तक मृतक के परिजनों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई आवेदन प्राप्त होता है, तो मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर दुखी हैं और उन्होंने प्रशासन से यह मांग की है कि इलाके में लगे बिजली के तारों की जांच कराई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। करंट लगने की इस घटना ने एक बार फिर बिजली व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर कर दिया है। लोग यह भी कह रहे हैं कि यदि समय रहते बिजली के तारों की नियमित जांच की जाती तो शायद इस दर्दनाक हादसे को रोका जा सकता था। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग इस घटना को लेकर गहरे सदमे में हैं और उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा कि एक छोटी सी गलती ने उनके घर का चिराग हमेशा के लिए बुझा दिया। राम सहाय यादव अपने परिवार के लिए अकेले कमाने वाले व्यक्ति थे, जिससे उनके निधन के बाद उनके घर पर संकट का पहाड़ टूट पड़ा है। अब सभी की निगाहें प्रशासन पर टिकी हुई हैं कि वह इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस व्यवस्था की जाती है।

चोरी की बाइक के साथ एक युवक गिरफ्तार

सूर्यपुरा (रोहतास) (नि.सं.)। पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई रात्रि गश्ती के दौरान की गई, जब थाना क्षेत्र के लखनपुरा गांव के समीप सड़क पर पुलिस पदाधिकारी और उनकी टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक संदिग्ध रूप से वहां से गुजर रहा था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे रोका और उसकी बाइक की जांच की। प्रारंभिक जांच में ही बाइक की स्थिति संदिग्ध प्रतीत हुई, जिसके बाद पुलिस ने युवक को बाइक समेत थाने ले जाकर गहन पूछताछ शुरू की। थाने में बाइक के कागजातों की जांच की गई, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि यह वाहन चोरी का है। जैसे ही चोरी की पुष्टि हुई, पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक की पहचान लखनपुरा निवासी 21 वर्षीय विकास कुमार के रूप में हुई है। इस मामले को लेकर सूर्यपुरा थाना अध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस गिरफ्तारी से इलाके के लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और बढ़ा है, क्योंकि चोरी की घटनाएं इन दिनों बढ़ रही थीं और लोग चिंतित थे। पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्ती कर रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है, जिससे असामाजिक तत्वों पर लगाम कसी जा सके। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों पर और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पंचमहाभूत के मिश्रण से ही बनती है समष्टि व प्रकृति : जीयर स्वामी

निज संवाददाता | राजपुर (रोहतास)

पंचमहाभूतों के समुच्चय से ही समष्टि और प्रकृति का निर्माण होता है। धर्म और संस्कृति के प्रति उदासीनता किसी भी समाज के लिए उचित नहीं है। जब भगवान श्रीकृष्ण का परिवार भी धर्म और संस्कृति के प्रति उदासीन हुआ, तो धन-धान्य से संपन्न द्वारिकापुरी के लोग भी दुखी हो गए। इसका परिणाम यह हुआ कि स्वयं द्वारिकापुरी भी उदास हो गई। उक्त बातें रविवार को अमाडी गांव में आयोजित ज्ञान यज्ञ में अपने प्रवचन के दौरान श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने कही। उन्होंने कहा कि देवताओं के चरित्र भी कुछ को सुख देते हैं और कुछ को दुख। जैसे सूर्य का ताप हमें गर्मी में असहनीय प्रतीत होता है, लेकिन बद्रिकाश्रम में यही ताप अधिक हो जाए, तो आनंद की अनुभूति होती है। स्वामी जी ने बताया कि इंद्र को हमेशा दूसरे के ऐश्वर्य से असहजता होती थी, यही कारण था कि जब राजा पृथु ने यज्ञ करना प्रारंभ किया, तो इंद्र ने उसे भंग करने का प्रयास किया। जब कोई व्यक्ति तपस्या आरंभ करता है, तो इंद्र को अपने इंद्रासन की चिंता सताने लगती है, और फिर वह उस तपस्या को भंग करने के कुचक्र में लग जाता है। स्वामी जी ने धर्म और संस्कृति की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आ जाएं, लेकिन धर्म और संस्कृति का पालन कभी नहीं छोड़ना चाहिए। यही महान व्यक्तित्व की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्म करने से पीछे नहीं हटना चाहिए और धर्म हमेशा सत्य के अनुरूप होना चाहिए। संतों का चरित्र मंगलकारी होता है। केवल दाढ़ी-मूंछ और कमंडल धारण कर लेना साधु होने की पहचान नहीं है, बल्कि जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो, वही सच्चा साधु है। विपत्ति में भी अच्छे कर्मों से पीछे नहीं हटना चाहिए और व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होनी चाहिए, न कि उसके बाहरी स्वरूप से। जीयर स्वामी ने बताया कि पहले केवल पक्षी ही नहीं, बल्कि साधन-संपन्न और साधना-संपन्न लोग भी उड़ते थे। विभीषण, जो पापी रावण के भाई थे, वे भी अपने सहयोगियों के साथ आकाश मार्ग से भगवान श्रीराम से मिलने की इच्छा रखते थे। जब सुग्रीव की सेना ने उन्हें आते देखा, तो उन्हें पकड़ने की कोशिश की। विभीषण ने राम से मिलने की सूचना देने को कहा। जब यह सूचना लक्ष्मण ने दी, तो श्रीराम ने तुरंत आदेश दिया कि उन्हें शीघ्र लाया जाए और उनके राज्याभिषेक की तैयारी की जाए। इस पर सुग्रीव ने आपत्ति जताई कि पहले विभीषण की नीयत की परख कर ली जाए, कहीं वह भेद लेने तो नहीं आया। तब राम ने कहा कि मेरा भेद जो जान गया, वह किसी का नहीं होता।

आग की लपटों में जलकर नल जल योजना का पाइप राख

डालमियानगर (रोहतास) (नि.सं.)। सोमवार की शाम डालमियानगर थाना के समीप अचानक आग लगने से नल जल योजना के तहत रखे गए लाखों रुपए के पाइप जलकर पूरी तरह राख हो गए। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल आग कैसे लगी, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि डालमियानगर थाना के पास रोहतास उद्योगपुंज परिसर में कई महीनों से नल जल योजना का पाइप रखा हुआ था। इस योजना के तहत लोगों तक पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने की योजना थी, लेकिन आग की चपेट में आने से सारे पाइप जलकर खाक हो गए। सोमवार की दोपहर अचानक पाइप में आग की तेज लपटें उठने लगीं, जिसे देखकर स्थानीय लोग घबरा गए। आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही देर में चारों ओर धुआं फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना रोहतास उद्योग समूह के प्रशासक और डालमियानगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तुरंत अग्निशमन वाहन को बुलाया गया। कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक लाखों की लागत से रखे गए पाइप जलकर राख हो चुके थे। इस आगजनी की घटना के कारण आसपास के आवासीय इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। लोग घरों से बाहर निकल आए और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। आग की लपटें और उठता काला धुआं दूर-दूर तक देखा गया, जिससे लोगों में भय का माहौल बना रहा। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

सौहार्दपूर्ण माहौल में माना ईद उल फितर का त्योहार, दंडाधिकारी व प्रर्याप्त पुलिस बल की रही तैनाती तथा वरिष्ठ पुलिस जगह जगह गश्त करते दिखे

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

चांद के दीदार के साथ हीं पूरे जिले में ईद उल फितर का पर्व सोमवार को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव, कस्बो आदि जगहों पर स्थित विभिन्न मस्जिदों व ईदगाहो पर भारी संख्या में लोगों ने पहले नमाज अदा की। फिर अकीदतमंदों ने नन्हे मुन्हे बच्चे से लेकर बुजुर्ग, युवा वर्ग के लोगो के बीच एक दूसरे से लिपट कर बधाई बांटी। आपसी सौहार्द एवं प्रेम का प्रतीक कहे जाने वाले इस त्योहार को परम्परागत तरीके से भाईचारे के साथ मनाया गया। मुस्लिम अनुवाईयो ने रविवार की शाम चांद का दीदार करते हीं घर परिवार से लेकर रिश्तेदारों में बधाइयां देनी शुरू कर दी तथा पर्व के अवसर पर एक दूसरे को आमंत्रित भी किया। वहीं पर्व की बधाइयां सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, टिवटर, वास्ट्सप आदि पर भी जमकर दी गई। इस मौके पर मुस्लिम बहुल इलाकों के गलियों व मुहल्लों में काफी रौनक देखने को मिली तथा अन्य समुदायों के लोगों ने भी इस मोहब्बत के पर्व में शरीक होकर बधाई दी। इस बार पर्व में राजनीतिक व सामाजिक वर्ग से जुड़े लोगों का भी एक-दुसरे के घर आना जाना खूब रहा। पूरे दिन लोग सफेद कुर्ता पजामा पहन कर सड़कों पर एक दूसरे को बधाइयां देते दिखे तथा देर शाम तक परिवार के सदस्यों का एक दूसरे के घर आना जाना लगा रहा। इधर शहर की अधिकांश दुकानें पर्व को लेकर बंद रहीं व सड़को पर सन्नाटा पसरा रहा। लेकिन ईद की चहलकदमी से पूरा शहर रौशन रहा। बताते चलें कि ईद पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शहर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जगह जगह दंडाधिकारी व प्रर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रही तथा वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी भी जगह जगह गश्त करते दिखे। सदर एसडीओ आशुतोष रंजन, सदर डीएसपी दिलीप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जनार्दन तिवारी, नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय सहित अन्य पदाधिकारीयों ने शहर के कई स्थानों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया। जबकि पर्व को लेकर शहर की साफ-सफाई का भी विशेष ख्याल रखा गया था।

बिक्रमगंज में ईद का इंतजार कर रहे भारत के मुसलमानों ने ईद उल फितर का नमाज़ सोमवार को ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों मे अदा किये। बिक्रमगंज निवासी व विद्युत विभाग बिक्रमगंज मे कार्यरत मो. आदिल खान ने बताया की इस्लामी कैलेंडर चांद पर आधारित होता है इसलिए ईद-उल-फितर की तारीख हर साल बदलती रहती है। यह त्योहार शव्वाल महीने की पहली तारीख को मनाया जाता है जो रमजान के खत्म होने का ऐलान करता है। ईद की तारीख तय करने का सबसे अहम तरीका है चांद का दीदार। अगर रमजान के 29वें दिन चांद नजर आ जाता है तो अगले दिन ईद होती है, लेकिन अगर चांद नहीं दिखता तो रमजान 30 दिनों का पूरा होता है और उसके बाद ईद मनाई जाती है। चांद के दिखने का समय और स्थिति हर देश में अलग-अलग होती है इसलिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में ईद अलग दिनों में भी हो सकती है। कई इस्लामी देश चांद देखने के लिए आधिकारिक समितियां बनाते हैं, जो वैज्ञानिक और धार्मिक आधार पर निर्णय लेती हैं। ईद के दिन मीठी सेवाईंयों के साथ ही तरह-तरह के व्यंजन बनते हैं। दरअसल रमजान पर रोजे रखने वाले लोग ईद के दिन ही पूरे दिन खाना-पीना शुरू करते हैं। यह त्योहार न केवल इबादत और शुक्राने का दिन है बल्कि भाईचारे, मोहब्बत और खुशियों को बांटने का भी मौका है। पूरे महीने रोजे रखने, इबादत करने और खुदा के करीब जाने के बाद यह दिन अल्लाह की तरफ से एक इनाम के तौर पर आता है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है, नए कपड़े, मिठाइयां और सेवइयों की खुशबू माहौल को और खुशनुमा करती है। मस्जिदों व ईदगाहों में नमाज के बाद लोग गले मिलते हैं, एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देते हैं और जरूरतमंदों की मदद करके इस त्योहार को और पाक बनाते हैं।

डेहरी आन सोन से प्रेम व भाईचारा का त्यौहार ईद काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां इद को लेकर बड़े, बच्चे, बुढ़े सभी ने नए नए कपड़े पहन कर मस्जिद पहुंचे। साथ ही डेहरी शहर क्षेत्र के नजदीकी ईदगाह मस्जिद ईदगाह मोहल्ला, मदनी मस्जिद जक्खी बिगहा, नूरानी मस्जिद तिरपाल कंपनी, गौसिया मस्जिद नील कोठी, मक्का मस्जिद जक्खी बिगहा, सागिरीया मस्जिद नीलकोठी, स्टेशन रोड मस्जिद, न्यू डिलीया मस्जिद, बेलाल मस्जिद मथूरी,कमरनगंज मस्जिद, रहमानिया मस्जिद न्यू सिधौली, मोती मस्जिद अंसारी टोला तारबंगला जामा मस्जिद बारह पत्थर में तमाम रोजेदारों ने जामा मस्जिद व ईदगाह में ईद की नमाज अदा करने के बाद नमाजियों ने एक दूसरे को गले मिल प्रेम व भाईचारे के साथ शांति की कामना करते हुए मुबारकबाद दी।लोगों ने दिन भर एक दूसरे के घर जाकर लजीज व्यंजनों एवं सेवई का लुफ्त उठाया। बच्चों में ईद पर्व को लेकर ख़ासा उत्साह देखा गया। मौके पर एएसपी कोटा किरण कुमार ने ईदगाह मुहल्ला स्थित मस्जिद में नमाज़ अदा करने आए रोजेदारों से मुलाकात की और उन्हें ईद की दिली मुबारकबाद दी। वहीं डेहरी थानाध्यक्ष शिवेन्द्र कुमार ने बारह पत्थर जामा मस्जिद के समीप इद मिलन के दौरान नमाजियों से कहा कि रमज़ान की इबादतों और सब्र के बाद आई यह ईद हमें भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देती है। दुआ है कि यह त्योहार सभी के जीवन में खुशहाली, अमन और बरकत लेकर आए। मौके पर बीडीओ अजीत कुमार सीओ संजय कुमार नगरपरिषद मुख्य पार्षद शशि कुमारी के प्रतिनिधि सह राजद नेता गुड्डू चंद्रवंशी, राजद नगर अध्यक्ष धनंजय यादव, मुन्ना लाल कसेरा, कुंवर सिंह, समाजसेवी अख्तर अंसारी, कुदूश कुरैशी, नसीम अख्तर, पंकज गुप्ता उर्फ गुड्डू, जोखन चंद्रवंशी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

माह-ए-रमजान के इनाम में मिली ईद-उल-फित्रर पर चारों तरफ ईद मुबारक का तराना गूंज उठा। बच्चों से लेकर बड़ों के चेहरों पर खुशियां देखते ही बन रही थी। अहले -सुबह घरों में ईद के नमाज की तैयारियां शुरू हो गईं। बच्चों को मां-बाप ने खूब सजाया-संवारा, मनपसंद लिबास पहनाया। बड़ों ने भी नए कपड़े पहने, इत्र लगाया, सिर पर टोपी सजा हाथ में लिया और खुदा की इबादत करते चल पड़े ईदगाह। जिसे जहां जगह मिली, वहीं खुदा की इबादत करते नमाज शुरू होने के इंतजार में बैठ गए।नगर पंचायत कोचस के ईदगाह में ईद के मौके पर नामाजियों द्वारा नमाज अदा की गयी।इस मौके पर नगर पंचायत कोचस की पूर्व वाइस चेयरमैन रूबी देवी ने सभी नामाजियों को गुलाब की फूल दे कर ईद की मुबारकबाद दी और सभी नगरवासी व देशवासियों के अमन चैन की कामना की। ईद उल फितर को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गये थे। पुलिस बल व पदाधिकारी चप्पे-चप्पे पर तैनात थे।

ईद का पावन पर्व पूरे प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा। एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी गई और प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया गया।

घर में आग लगने से हजारों की संपत्ति जलकर हुआ खाक, पीड़ित ने कराई सनहा दर्ज

निज संवाददाता | कोचस (रोहतास)

घर में अचानक लगी भीषण आग ने देखते ही देखते हजारों की संपत्ति को राख में तब्दील कर दिया, जिससे पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। यह हृदयविदारक घटना कोचस प्रखंड क्षेत्र के पंडितपुरा गांव में रविवार को घटित हुई, जब अर्जुन चौधरी, पिता बिहारी चौधरी, और आशा देवी, पति लव-कुश चौधरी के घर में अचानक आग लग गई। घटना इतनी तेज गति से फैली कि किसी को कुछ समझने या बचाव का मौका तक नहीं मिला। तेज लपटों ने चंद मिनटों में ही पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने जब घर से उठती तेज लपटें और धुआं देखा तो वे मदद के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी और अग्निशमन विभाग को भी इस भयावह स्थिति से अवगत कराया। हालांकि, दमकल के पहुंचने से पहले ही गांववालों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए थे, लेकिन आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। ग्रामीणों ने बाल्टी से पानी डालकर और अन्य संसाधनों की मदद से आग को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन तेज लपटों ने सब कुछ स्वाहा कर दिया। इस अगलगी में अर्जुन चौधरी और आशा देवी के घर में रखा कीमती सामान जैसे अनाज, कपड़े, फर्नीचर, चौकी-खटिया, भूसा, पंखा, नगद दस हजार रुपये समेत अन्य कीमती वस्तुएं जलकर राख हो गईं। आग लगने के कारण पूरा परिवार सदमे में आ गया और उनकी आंखों के सामने उनका सब कुछ खत्म हो गया। पीड़ितों ने बताया कि दोपहर में अचानक घर में धुआं उठता दिखा, लेकिन जब तक वे कुछ समझ पाते, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इस भयावह स्थिति में परिवार के सदस्य किसी तरह अपनी जान बचाकर घर से बाहर निकले, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक उनके पास कुछ भी नहीं बचा था।

चैता गायन का किया गया आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि. सं.)। रविवार को रात्रि में वासंती नवरात्र के पहले दिन नगर पंचायत काराकाट गोड़ारी के बकस बाबा के प्रांगण में चैता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जहां कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि व सहित विभिन्न कलाकारों ने लिया भाग। मुख्य अतिथि -मुन्ना भारती के द्वारा चैता गायन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने इसके महत्व को बतलाते हुए कहा कि चैता एक पारंपरिक बिहारी लोकगीत है, जो चैत्र मास में गाया जाता है। यह गीत विशेष रूप से बिहार और झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में लोकप्रिय है। मुख्य अतिथि एंव सभी कलाकारों को समाजसेवी कुंदन पासवान नगर पंचायत काराकाट गोड़ारी एंव उन्के टीम के द्वारा अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया।

तीन दिवसीय ग्रामीण नाट्य उत्सव का हुआ शानदार समापन

निज संवाददाता | नौबतपुर (पटना)

मंच एवं रंगओला फाउण्डेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ग्रामीण नाट्य उत्सव 2025 के अंतिम दिन नाट्य उत्सव का उद्घाटन वरिष्ठ रंगकर्मी प्रमोद कु० त्रिपाठी (पूर्व उपाध्यक्ष, बिहार संगीत नाटक अकादमी) के कर-कमलों से हुआ। उद्घाटन के उपरांत प्रबोध जोशी लिखित 'पागल' नाटक का मंचन संस्था 'एकजुट' फुलवारी शरीफ द्वारा अमन कुमार के निर्देशन में किया गया. नाट्य परिकल्पना, दृश्य एवं गीत-संगीत, संयोजन बिहार की चर्चित रंग अभिनेत्री अंजली शर्मा का था। पागल नाटक में कलाकारों के संघर्ष और उनके अभिनय के प्रति ईमानदारी को दर्शाया गया है. अपने उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन के बावजूद स्टारकास्ट की श्रेणी में

नहीं होने से कोई निर्देशक जब उन्हें अपनी फिल्म में मौका नहीं देता तो उन्हें दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती है।

हास्य-व्यंग्य से भरपूर इस नाटक में यह दिखाया गया कि कैसे अभिनय की कुशलता के बल पर स्टारकास्ट की मिथ्या को तोड़कर कलाकार फ़िल्म निर्देशक की पहली पसंद बन जाते हैं। नाटक में भाग लेनेवाले कलाकारों में प्रशांत कुमार (पागल विनोद), रोहन राज (शायर), प्रीतम कुमार (मद्रासी), नीरज कुमार सिंह (फ़िल्म डायरेक्टर), दीनानाथ गोस्वामी (कास्ट डायरेक्टर), कुमारी रिया (सहायक निर्देशक) काजल कुमारी (नृत्य) और तनवीर आलम (कैमरामैन) आदि कलाकारों ने अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। 29 मार्च से 31 मार्च तक चलने वाले इस ग्रामीण नाट्य उत्सव 2025 के पहले दिन रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु पटना रंगमंच के युवा रंगकर्मी कुणाल कुमार को मंचओला रंग सम्मान एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु पटना रंगमंच के युवा लोक नर्तक एवं रंगकर्मी कुमार उदय सिंह को मंचओला लोक नर्तक सम्मान से सम्मानित किया गया। उसके उपरांत शशांक कुमार द्वारा लोक नृत्य एवं रंग समूह, पटना एवं लोग बाग, पटना की प्रस्तुति कुमार उदय सिंह लिखित एवं निर्देशित नाटक 'सिक्यूरिटी गार्ड की बहाली' का मंचन हुआ, तो दूसरे दिन रंगओला फाउण्डेशन, अछुआ, पटना के लोक गायक रजनी कान्त, लोक गायिका पूजा कुमारी एवं उनकी टीम द्वारा 'मगही लोकगीतों' की प्रस्तुति हुई।

संक्षिप्त समाचार

नवदुर्गा मंदिर में कलश स्थापना, चैत्र नवरात्र शुरू

आरा| नवदुर्गा मंदिर रमना में रविवार को महंत सुमन बाबा ने कलश स्थापित किया। प्रातःकाल मां नवदुर्गा का शृंगार पूजन हुआ। इसके बाद भक्तों के लिए पट खोल दिए गए। आज के मुख्य यजमान डॉक्टर मनोज कुमार सिंह रहे। दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू हुआ। पाठ के दौरान सुमन बाबा ने बताया कि आज सनातन धर्म का नव वर्ष है। आज से चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है। नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। हर साल की तरह इस बार भी संध्या आरती शाम 6 बजे शुरू हुई। आज की संध्या आरती में संस्थापक सदस्य मधुसूदन वर्मा, पिंकी देवी, सह सचिव कुमार मोहित, उपाध्यक्ष देवराज ओझा और कोषाध्यक्ष संजय राय सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

तनिष्क लूटकांड में 10 लुटेरे किए गए गिरफ्तार

आरा| 10 मार्च 2025 को गोपाली चौक और शीश महल चौक के बीच स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में हुई 10.09 करोड़ की लूट की घटना में भोजपुर पुलिस ,बिहार एसटीएफ और अन्य राज्यों की पुलिस की मदद से राज्य के बाहर से कुल 10 लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार लुटेरों के पास से 432 ग्राम के सोने की बिस्किट ,दो तनिष्क का चैन,रिंग और लुट की घटना में प्रयुक्त पिस्टल को बरामद किया गया है।एसपी राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की इसके पहले बिहार एसटीएफ और भोजपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से करवाई करते हुए लुट घटना में शामिल 5 लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार लुटेरों के पास से दो बैग में भरा करीब दो किलो सोने के आभूषण के साथ गार्ड का लुटा हुआ बंदूक और एक कार को बरामद कर लिया था। शेष लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार राज्य और राज्य से बाहर छापामारी कर रही थी।वही पुलिस ने लुट की घटना में शामिल दो मुख्य आरोपियों के खिलाफ पीडब्ल्यू वारंट जारी किया गया है।

मैट्रिक की परीक्षा में संस्थान के 30 छात्र-छात्राएं सफल

आरा। एसके साइंस क्लासेज के छात्रों ने इस साल भी मैट्रिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान के 30 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। निदेशक श्रवण सर, राहुल सर और गोविंद सर ने बताया कि कई छात्रों ने जिला टॉप 10 में जगह बनाई है। छात्र प्रिंस कुमार ने 475 अंक प्राप्त किए, जिसमें गणित में 99 अंक मिले। आयुष रंजन को 472, निखिल कुमार को 470 अंक मिले, जिसमें विज्ञान में 99 अंक शामिल हैं। आर्यन कुमार ने 467, मनीष कुमार, संयोग कुमार और अंकित कुमार ने 466-466 अंक हासिल किए। आर्या कुमारी को 465, रोहित कुमार को 464, प्रिंस यादव को 459, बेबी कुमारी को 457, जिगर कुमार को 456, मनोज कुमार को 456 अंक मिले, जिसमें गणित में 99 अंक शामिल हैं। अनी कुमार, साहिल कुमार और सागर कुमार को 455-455 अंक प्राप्त हुए। संस्थान के 70 से अधिक छात्रों ने 80 से 90 प्रतिशत के बीच अंक प्राप्त किए हैं। सभी छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता पाई है। एस के साइंस क्लासेज की ओर से सभी छात्रों को बधाई दी।

वर्ष प्रतिपदा पर पूजन, संगोष्ठी और भजन से हुआ स्वागत

आरा| वर्ष प्रतिपदा और वासंतिक नवरात्र के अवसर पर श्रीसनातन शक्तिपीठ संस्थानम् और सनातन-सुरसरि सेवा न्यास ने फ्रेंड्स कॉलोनी कार्यालय में पूजन-अर्चन और संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष आचार्य डॉ. भारतभूषण पाण्डेय ने की। उन्होंने कहा कि वर्ष प्रतिपदा प्रकृति के नवजीवन और नवयौवन का पर्व है। इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। पतझड़ के बाद वसंत आता है। यह नववर्ष वैज्ञानिक और ऊर्जा से भरा होता है। नया अन्न, नई उमंग और नई कार्ययोजना का प्रेरक होता है। वासंतिक नवरात्र में साधना, संयम और तपस्या से आत्मशुद्धि होती है। मुख्य अतिथि भोजपुर जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. बलिराज ठाकुर ने कहा कि भारतीय नववर्ष सभी प्राणियों में उत्साह और उल्लास भरता है। उन्होंने बताया कि संस्थान हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रोपासना कर रहा है। इसमें शास्त्रों का स्वाध्याय, प्रवचन और प्रशिक्षण शामिल है। आज के समय में इसकी सबसे अधिक जरूरत है।पूजन-अर्चन में पंडित मधेश्वर नाथ पाण्डेय और पंडित निलेश कुमार मिश्र ने भाग लिया। शास्त्रीय गायक राकेश कुमार मिश्र ने भैरवी राग में भवानी दयानी पद गाकर संगोष्ठी की शुरुआत की। कार्यक्रम का संचालन सचिव सत्येन्द्र नारायण सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिवदास सिंह ने दिया। इस अवसर पर राधा प्रसाद पाठक, डॉ. सत्यनारायण उपाध्याय, विश्वनाथ दूबे, महेंद्र पांडेय, जनार्दन मिश्र समेत कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

"इंडिया गठबंधन सत्ता में आयी तो 100 प्रतिशत मूल निवास नीति होगी लागू'

आरा। राष्ट्रीय जनता दल, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, भोजपुर का रविवार को जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। नागरी प्रचारिणी, आरा में आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के भोजपुर जिलाध्यक्ष मनु राठौर ने की और संचालन प्रधान महासचिव भिखारी राम ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार साधु, पूर्व मंत्री सुरेंद्र राम व पूर्व विधायक समता देवी ने बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पूर्व विधान पार्षद लालदास राय, पूर्व विधायक विजयेंद्र यादव, भाई दिनेश, अरुण यादव, जिलाध्यक्ष वीरबल यादव, रामबाबू पासवान, जिप सदस्य आरती देवी, जिप उपाध्यक्ष लाल बिहारी सिंह, प्रमुख मुकेश सिंह यादव, राज नारायण उर्फ नेता जी, युवा राजद अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, प्रवक्ता आलोक रंजन, मुखिया लाल मुक्ति पासवान, ललन पासवान, मुखिया संजय चौधरी, प्रेम चंद, प्रताप राम, मेवा लाल राम, गणेश पासवान, रवि रजक, विनय पासवान, दुर्गा पासवान, कृष्ण पासवान, ललन प्रसाद नट, बृजनंदन मुसहर, ललन भोजपुरिया, डॉ सुनील राम, कवि नन्द पासवान, चंदन कुमार, जय प्रकाश राम, अर्जुन रजक, विजेंद्र कुमार, नन्द कुमार राम, सुनील पासवान, दीपक कुमार राम, शत्रुध्न पासवान, धर्मपाल पासवान, सोमरति नट, संजय चौधरी, जिप सदस्य सोनू रजक, रविन्द्र रजक, भीम यादव, रजनीश यादव, सोनू राय समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार साधु ने कहा कि तेजस्वी यादव के 17 महीने की सरकार में बिहार में बढ़ाई गयी 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को एनडीए सरकार द्वारा रोक देने से अनुसूचित जाति व जनजाति, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 16 प्रतिशत आरक्षण का सीधा नुकसान हो रहा है। इससे इन वर्गों के 50 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कभी भी अनुसूचित जातियों के लोगों को बराबरी का हक नहीं देना चाहते। अब समय आ गया है कि इन लोगों से बदला लेने का। उन्होंने इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में मजबूती से तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील की। राज्य के पूर्व मंत्री सुरेंद्र राम ने कहा कि नीतीश कुमार अब थक चुके है। बिहार में लगातार दलित, पिछड़ों पर अत्याचार हो रहे है । उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन सत्ता में आती है तो बिहार में सौ प्रतिशत मूल निवास नीति लागू की जाएगी और सभी को बिहार में ही नौकरी मिलेगी।

कायमनगर-डुमरिया पथ पर बीरमपुर में वर्षों से जलजमाव

आरा| शासन-प्रशासन की लापरवाही और जनता के प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण कोईलवर और बड़हरा प्रखंड के दो दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ने वाला कायमनगर-डुमरिया पथ पर आवागमन मुश्किल हो गया है। इसकी बड़ी वजह बीरमपुर बाजार में इस सड़क का क्षतिग्रस्त होना, सालों भर बहने वाला गंदे पानी का जलजमाव और कीचड़ गंदगी है। बीरमपुर गांव के घरों और नालियों से निकलने वाला गंदा पानी मुख्य सड़क पर सालों भर दूर-दूर तक भरा रहता है। गाड़ी चालकों और पैदल राहगीरों को इसी गंदे जलजमाव और कीचड़ में घुसकर आवागमन करना पड़ता है। कई बार जलजमाव और कीचड़ में बाइक बंद हो जाती है। साइकिल चालक उबड़-खाबड़ सड़क पर गिर जाते हैं। जिससे उनके शरीर, कपड़े और सामान कीचड़ से गंदे हो जाते हैं। इस कारण भाड़े की सवारी गाड़ियां इस सड़क से आवागमन करना करने से परहेज करते हैं। इसके बजाय हुए दूसरे रूट से चलते हैं। लेकिन कुछ गांवों के लोगों को बीरमपुर बाजार होकर जाना ही मजबूरी है।

पुलिस ने 3 दिन में 164 आरोपी को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में फरार अपराधियों की संपत्ति होगी जब्त, एसपी बोले-आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

बक्सर पुलिस ने तीन दिनों तक चले विशेष अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। जहां पुलिस ने इस दौरान 164 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 581 वारंट, मुद्दा संबंधी प्रकरणों का निष्पादन किया है। बता दें कि जिले के चौसा, राजपुर, ब्रह्मपुर और नगर थाना सहित विभिन्न थानों में विशेष टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने 15 से अधिक छापेमारी अभियान चलाए।

पुलिस ने 143 वारंट तामील किए। इनमें कई ऐसे अभियुक्त भी शामिल हैं, जो वर्षों से फरार चल रहे थे। पुलिस ने 56 कुर्की वारंट और 64 अन्य महत्वपूर्ण वारंटों को निष्पादित किया। कुर्की-जब्ती कार्रवाई के तहत फरार अपराधियों की संपत्ति भी जब्त की गई। पुलिस की सख्ती के चलते कई आरोपियों ने आत्मसमर्पण भी किया।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई: बक्सर एसपी शुभम आर्य ने सभी थानाध्यक्षों और उनकी टीमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे अभियान चलते रहेंगे। इससे जिले में कानून-व्यवस्था बनी रहेगी और अपराधियों में कानून का भय बना रहेगा। इस सफल अभियान से जिले में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिली है। साथ ही फरार अभियुक्तों के लिए यह एक कड़ा संदेश है। पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध से जुड़ी जानकारी पुलिस को तुरंत दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। कहा कि आगे भी "बक्सर पुलिस आपके सेवा में सदैव तत्पर" के संदेश को अमल में लाते हुए इसी तरह दृढ़ता से अपराध के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

ईद, छठ व रामनवमी को लेकर बैठक

निज संवाददाता। आरा

ईद, चैती छठ और रामनवमी को लेकर जिला समाहरणालय में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता डीएम तनय सुल्तानिया ने की। मकसद था त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में मनाना और कानून व्यवस्था बनाए रखना। बैठक में शांति समिति के सदस्यों से सुझाव लिए गए। नवादा थाना में भी थानाध्यक्ष विपिन बिहारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सामाजिक कार्यकर्ता अमरेंद्र चौबे और पूर्व वार्ड पार्षद जितेंद्र शुक्ला ने प्रशासन को सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोग मिलकर पर्व मनाएं। ईद को लेकर ईदगाह और मस्जिदों की सफाई, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने की मांग रखी गई। रामनवमी के जुलूस के रूट की सड़कों को दुरुस्त करने और रूट वाले क्षेत्रों में ही बिजली लाइन काटने की बात कही गई। ताकि पूरा शहर अंधेरे में न रहे। चैती छठ को लेकर प्रमुख घाटों की सफाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करने की बात कही गई। चैत नवमी के दिन सुबह 3 बजे से ही मंदिरों में महिलाओं की भीड़ उमड़ती है। रमना मैदान, महाराणा प्रताप, आरा ब्लॉक, आरण्य देवी, शीतला माता मंदिर, बुढ़िया माई मंदिर और शहर के काली मंदिरों पर सुरक्षा के इंतजाम की बात कही गई। पर्वों के दौरान एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अस्पतालों में बेहतर व्यवस्था रखने पर चर्चा हुई। रामनवमी के जुलूस में शामिल सभी झांकियों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बैठक में ओमप्रकाश मुन्ना समेत कई लोग मौजूद रहे।

छठ पर चकाचक होंगे शहर के प्रमुख गंगा घाट

निज संवाददाता। बक्सर

चैती छठ की तैयारी घरों में शुरू हो गई है। बाजार में भी छठ पर्व को लेकर अच्छी खासी रौनक दिखने लगी है। बता दें कि चैती छठ में भी साल दर साल व्रतियों की संख्या बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने छठ पूजा को ले कर सजग है। डीएम ने घाटों का मुआयना कर नगर परिषद के ईओ व संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिया है। शहर के प्रमुख गंगा घाटों पर व्रती और परिजनों की भीड़ होती है। व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए आते हैं। नवरात्र प्रारंभ होते ही घरों में छठ पर्व को ले साफ सफाई कार्य शुरू हो गया है। हालांकि, स्थानीय लोगों की मानें तो रामरेखा घाट पर पंडा जी के द्वारा रखी गई दर्जनों चौकी से व्रती व उनके परिजनों को परेशानी हो सकती है। एक को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा अनुष्ठान सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी विद्याधर मिश्र ने बताया कि आगामी 1 अप्रैल को नहाय-खाय के साथ छठ पूजा का चार दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ हो जाएगा। 2 अप्रैल को करना, 3को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और 4 अप्रैल को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती उपवास तोड़ेंगे।

बक्सर में एडीजी अमित जैन की समीक्षा बैठक

निज संवाददाता। बक्सर

- ईद-रामनवमी को लेकर दिए विशेष निर्देश, अपराध नियंत्रण को लेकर आदेश

बक्सर में एसटी-एससी के एडीजी अमित जैन ने एसपी कार्यालय में पुलिस पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में क्राइम कंट्रोल और लंबित मामलों के निपटारे पर विशेष जोर दिया गया। एडीजी जैन ने सभी लंबित केसों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से काम करना होगा। अपराध नियंत्रण की रणनीति पर एडीजी ने कहा कि नियमित पेट्रोलिंग और जेल से छूटे अपराधियों पर कड़ी निगरानी आवश्यक है। बक्सर राज्य सीमा पर स्थित है, इसलिए अंतर-राज्यीय अपराधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने अपराध होने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई और माल की बरामदगी को प्राथमिकता देने पर बल दिया।

संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती: ईद और रामनवमी के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सीसीटीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। त्योहार से पहले और बाद में लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी। बैठक में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने अपराध नियंत्रण की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

रेल टिकट में छूट बहाल की मांग को ले धरना

निज संवाददाता। आरा

सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बैनर तले रविवार को आरा जंक्शन पर वरिष्ठ नागरिकों ने सामूहिक धरना दिया। धरने में चार राज्यों के प्रमुख स्टेशनों पर एक साथ कार्यक्रम हुआ। धरना के माध्यम से स्टेशन मास्टर एन. के. राय को रेल मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। उन्होंने कहा कि रेलवे टिकट में पहले मिलने वाली छूट अगर फिर से लागू नहीं हुई तो देशभर में आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने रेल मंत्रालय को चेतावनी दी कि वरिष्ठ नागरिकों के साथ सौतेला व्यवहार बंद किया जाए। जदयू के प्रदेश नेता कामेश्वर कुशवाहा, जदयू जिला उपाध्यक्ष भीम सिंह पटेल और भाजपा के वरिष्ठ नेता तारकिशोर ठाकुर ने भी धरने में भाग लिया। सभी ने एक स्वर में केंद्र सरकार से रेलवे टिकट में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट तुरंत बहाल करने की मांग की। मुजफ्फरपुर से आए उत्तरी बिहार के प्रभारी कृष्णा नंदन प्रसाद सिन्हा और अमरदेव चौबे ने कहा कि कोरोना से पहले मिलने वाली छूट अब तक बहाल नहीं हुई है। रेलवे स्टैंडिंग कमेटी दो बार इसकी अनुशंसा कर चुकी है, फिर भी सरकार चुप है। उन्होंने केंद्र सरकार पर वरिष्ठ नागरिकों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। आरा में हुए धरने में राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. दिवाकर पांडे, संरक्षक पूर्व प्राचार्य कमल कुमारी सिंह, हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, वरिष्ठ जेपी सेनानी सुशील तिवारी, उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, हरेंद्र पांडेय, राम अयोध्या प्रसाद, प्रोफेसर अमरेंद्र कुमार, निर्मल कुमार, गुरुनारायण सिंह, अनंत श्रीवास्तव, भोजपुर जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह, संरक्षक राघव प्रसाद सिंह, रामनारायण पांडे, कंचन प्रभा सिंह, प्रोफेसर रेनू मिश्रा, रबींद्र नाथ सिंह, भरत भूषण, योगेन्द्र सिंह, ठाकुर प्रसाद यादव, सेवा प्रसाद, त्रिलोकी सिंह, उदय प्रताप सिंह, अशोक कुमार चौधरी, निर्मल सिंह सकरवार, शिवदास सिंह, महावीर सिंह यादव शामिल हुए।

इंटर परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं का सम्मान, मोमेंटो व मेडल दिए गए

निज संवाददाता। आरा

इंटर वार्षिक परीक्षा 2025 में सफल छात्रों को नववर्ष और चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सम्मानित किया गया। सपना सिनेमा रोड स्टेप बाय स्टेप क्लासेस में सफल छात्रों को मोमेंटो, मेडल और मां अरण्य देवी का तैलचित्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था में अरुणिमा सेठ और धनजी ने 437 अंक प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इनके अलावा आयुष, कल्याणी, दीपेंद्र, अमित, दिलीप, गुलशन, सुमित, आदित्य, करण, विजया, स्नेहा, श्वेता, निशु, कामिनी, सृष्टि, मिस्टी, सरस्वती, पूजा, राशिका, श्रेया, प्रिया, गायत्री, साहित्य, खुशी, रोहित, राहुल, आयुष समेत दर्जनों छात्र सफल हुए।निदेशक और अंग्रेजी शिक्षक दीपक श्रीवास्तव ने छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए मार्गदर्शन दिया। शिक्षक राहुल कुमार रंजन ने छात्रों के प्रयास की सराहना की। आरएनएस एडमिशन एंड सॉल्यूशन के निदेशक अरविंद ने बताया कि इंटर के बाद की पढ़ाई को बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से कैसे आसान बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हजारों कोर्स इस योजना से किए जा सकते हैं। इससे निजी और सरकारी संस्थानों में प्रवेश आसान होगा।

रामभक्ति की कसौटी शिवभक्ति

निज संवाददाता। बक्सर

श्री त्रिदंडी स्वामी सेवा आश्रम ब्रह्मपुर धाम में चैती नवरात्र पर नौ दिवसीय मानस महोत्सव का शुभारंभ ब्रह्मपुरपीठाधीश्वर आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज के सन्निध्य में हुआ। पूजन अर्चन के पश्चात श्रीराम चरित मानस का नवाह्न प्रेम पाठ का शुभारंभ हुआ। प्रथम विश्राम के पश्चात अपराह्न में प्रवचन का शुभारंभ करते हुए आचार्य ने सनातनी वर्ष 2082 की शुभकामनाएं देते हुए जीवमात्र के कल्याण की कामना की और कहा कि कलिकाल में श्रीमानसजी का पाठ परायण सहज सरल साधना है। इसके पाठ से लोक और परलोक दोनों बनता है। पावनक्षेत्र सोनभद्र से पधारे पं.विवेकानंद जी महाराज, फैजाबाद से पधारे आनंद शास्त्री, काशी से पधारे विश्वैशदास जी महाराज ने श्रीराम जी के जन्म के हेतु पर प्रकाश डाला। अन्त मे जीयरस्वामीजीके कृपा पात्र आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज ने कहा श्रीराम जी धर्म के रूप हैं,मर्यादा के स्वरूप हैं,सेवा, संयम,त्याग सनातन की मूर्ति है। इनका जीवन अनुकरणीय है। पाठपरायण अनुसार नाम महिमा, याज्ञवल्क्य भरद्वाज संवाद का जीवन्त वर्णनकरते हुए आचार्य जी ने कहा राम भक्ति की कसौटी है शिवभक्ति । शिवशक्ति पीठम् और गौरी शंकर विवाह महोत्सव आश्रम के भक्त वृन्द सक्रियता के साथ व्यवस्था संभाल रहे है।

स्वर्वेद शोभा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, हुआ सत्संग

आरा| भारतीय नववर्ष के अवसर पर विहंगम योग संत समाज की ओर से आरा शहर में भव्य और दिव्य स्ववेंद शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा की शुरुआत महाराजा हाता से हुई। यह नवादा थाना, बड़ी मठिया, शिवगंज मोड़, जेल रोड, गोपाली चौक, रमना मैदान, पकड़ी चौक, कतीरा मोड़ होते हुए पुनः महाराजा हाता पहुंचकर वृहद सत्संग भंडारा के साथ सम्पन्न हुई। विहंगम योग जिला सचिव विजय पाण्डेय, उप सचिव योगेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार और आरा अनुमंडल संयोजक श्रीकृष्णा प्रसाद के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की उक्ति के अनुसार, आत्मा और परमात्मा का ज्ञान प्राप्त करने वाला ही स्ववेंद कहलाता है। यह सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का सहज और सनातन अनुभव का मार्ग है।

आचार्यों के समर्पण से सुनहरा होगा भविष्य

निज संवाददाता। बक्सर

विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर, बालिका खंड में विद्यालय के वर्षभर के कार्य योजना व सर्वश्रेष्ठ शिक्षा देने के निमित्त तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का संपन्न हो गया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को विद्या भारती के राष्ट्रीय शिक्षण संरचना के अनुरूप बेहतरीन शिक्षण प्रदान करने पर चर्चा हुई। वहीं विज्ञान मॉडल व विभिन्न विषयों के प्रश्नमंच, खेल-कूद आदि में अखिल भारतीय स्तर तक तैयार करने तथा उनके व्यक्तित्व एवं सर्वांगीण विकास के लिए योजना बनाई गई। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर विद्यालय के प्रबंधन समिति के सचिव डॉ हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के सुनहरे भविष्य का निर्माण करना शिक्षकों का परम दायित्व है। इसे पूर्ण समर्पण व कठोर परिश्रम से सफलीभूत बनाना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सूत्रधार विद्या भारती द्वितीय दिवस को विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार ने विद्या भारती को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सूत्रधार बताते हुए अनुभवजन्य, गतिविधि आधारित तथा सह शैक्षिक शिक्षण को अवधारणा के साथ छात्र छात्राओं में संचारित करने की प्रेरणा दी। विद्या भारती संस्थान के अन्य अधिकारी व विशेषज्ञों ने भी कई सत्रों में शिक्षण को रुचिकर, ज्ञानवर्धक तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने के गुर सिखाए । विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया की हमारे आचार्यों का दल भी पूरी ऊर्जा व समर्पण के साथ नए सत्र में हमारी कार्य योजना के अनुरूप अवधारणा के साथ शिक्षण देने के लिए कृत संकल्पित हैं। तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला में समिति के सह सचिव नीलम देवी, पूर्व यातायात प्रभारी अंगद सिंह व भारत विकास परिषद के कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र त्रिपाठी ने भी अपने बहुमूल्य विचारों को साझा किया।

संक्षिप्त समाचार

नवगछिया में बेफिक्र होकर फसल काट पाएंगे किसान, एक्शन में आई पुलिस

भागलपुर। भागलपुर पुलिस जिला नवगछिया के चार थाना क्षेत्रों में अपराधियों के डर से किसान अपने खेत फसल काटने के लिए नहीं जा रहा था। इस मामले में पुलिस एक्शन मूड में आई और दियारा इलाके में जहां अपराधियों के द्वारा तांडव मचाया जाता था, वहां पर जाकर फ्लैग मार्च किया। मालूम हो कि बिहपुर, नदी, खरिक झंडापुर पुलिस के द्वारा सुरक्षित तरीके से फसल कटाई को लेकर नदी थाना क्षेत्र में एरिया डेफिनेशन फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान आम जनों से भी पुलिसकर्मियों ने बातचीत की। किसानों से पुलिस ने कहा कि वो निर्भीक होकर फसल काटे। उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। पुलिस ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने यह भी कहा कि वे क्षेत्र में गश्त बढ़ाएंगे और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य न केवल किसानों को सुरक्षा का एहसास कराना था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि वे बिना किसी डर के अपने खेतों में जा सकें और अपनी फसल काट सकें। पुलिस की इस पहल से किसानों में राहत की भावना देखने को मिली है, और उन्होंने पुलिस के प्रयासों की सराहना की है। अब किसान अपने खेतों में जाकर फसल काटने के लिए अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं। बता दे कि पुलिस का यह कदम क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

भागलपुर में जिंदा जली महिला, जलावन में लगे आग को बुझाने के दौरान हुआ हादसा

भागलपुर। भागलपुर में अगलगी में काबो कुमारी (20) जिंदा जल गई। घटना नवगछिया के इस्माइलपुर की है, जहां काबो जलावन में लगे आग को बुझाने गई थी। इस दौरान वह आग की लपटों से घिर गई। मृतका की पहचान भागलपुर नवगछिया इस्माइलपुर के हटिया के पास के रहने वाले अनिल कुमार की बेटी के रूप में हुई है, काबो शादीशुदा थी उसको एक बच्चा भी था। काबो अपने पिता अनिल कुमार के घर कुछ दिनों के लिए आई हुई थी। घटना रविवार देर रात करीब 2 बजे की है, जहां रात में गांव में आग लगने को लेकर शोर-शराबा शुरू हुआ, तभी काबो अपने घर से निकली। उसने देखा कि उसके जलावन में आग लगी हुई है। काबो ने आग बुझाने की कोशिश की। इसी दौरान वह बुरी तरह झुलस गई । काबो का ससुराल कुर्सेला में है। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

भागलपुर में हथियार के साथ 2 अपराधी फरार

भागलपुर। भागलपुर में अपराधी की साजिश रच रहे 2 अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2 राइफल, 2 कट्टा और 19 कारतूस बरामद हुए हैं। जानकारी पीसी कर कहलगांव अनुमंडल के ला एंड ऑर्डर डीएसपी कल्याण आनंद दी है। भागलपुर कहलगांव अंतर्गत घोघा थाना क्षेत्र के 84 धार दियारा में कर्पूरी मंडल और उनके तीन साथी आपराधिक घटना की साजिश रच रहे थे। सूचना पर घोघा थाना पुलिस को लगी। जिसके बाद जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत को मिली। उन्होंने कहलगांव के लॉ एंड ऑर्डर पीएसपी कल्याण आनंद को एक टीम गठित करने का आदेश जारी किया, वहीं कल्याण आनंद ने एक टीम गठित की और घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पर कुछ लोग आर्म्स के साथ घूम रहे थे। तभी पुलिस ने चारों तरफ से उन लोगों को घेर लिया। कुछ लोग भागने में कामयाब रहे, वहीं दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में संतलाल मंडल और दिनेश मंडल हैं। संतलाल मंडल और दिनेश मंडल से पुलिस पूछताछ कर रही है। अपराधियों ने कि कर्पूरी मंडल के साथ हम लोग 29 मार्च शनिवार को घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। इसी क्रम में पुलिस की छापेमारी पड़ी। कर्पूरी मंडल दो लोगों के साथ फरार हो गया।

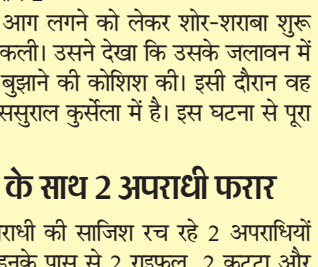

दिहाड़ी मजदूर को आयकर और जीएसटी का नोटिस मिला

कजरैली के मजदूर के खाते में जमा कराए गए थे करीब 16 करोड़

भागलपुर। कहलगांव के चंदन कुमार के पास 19 मार्च को टैक्स की हेराफेरी का नोटिस आया। आयकर विभाग व सेंट्रल सीजीएसटी विभाग की इस नोटिस को पहले वो समझ नहीं पाए। जानकारी के लिए नोटिस को पास के ही एक जानकार को दिखाया। वे अब विभागों के चक्कर लगा रहे हैं। कहलगांव थाने गए लेकिन उनका मामला दर्ज नहीं किया गया है। चंदन ने बताया कि वो दिहाड़ी कर अपना पेट पालते हैं। जबकि नोटिस के अनुसार वो लोहे व स्क्रैप का कारोबार करते हैं। उन्होंने बताया कि पास के ही मुकेश ने उनके पैन कार्ड व आधार कार्ड की फोटोकॉपी ली थी, जिसके कुछ समय बाद से गड़बड़ी गड़बड़ी सामने आई। इसी तरह कजरैली के रहने वाले सुबोध कुमार को भी 16 करोड़ की टैक्स हेराफेरी का नोटिस मिला है। वो भी दिहाड़ी मजदूर है। चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रदीप कुमार झुनझुनवाला ने बताया कि पैन व आधार कार्ड देते समय सावधानी बरतनी चाहिए। सेल्फ अटेस्ट करने से पहले देने का कारण लिख दें। उसके बाद अपने साइन करें। जैसे अगर आप अपना पैन व आधार सिमकार्ड खरीदने के लिए दे रहे हैं तो फोटोकॉपी में लिखें कि ये सिर्फ एक ही सिम खरीदने के लिए है और उसकी तारीख जरूर डालें।

बेटी के जन्म पर पेड़ लगाने की प्रथा की हुई शुरूआत

भागलपुर। जिले के घोघा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर महाकाल सेवा समिति के लोगों ने घर घर पेड़ लगाने की बीड़ा उठाया है। विशेष बात यह है की सोमवार से घोघा के लोगों ने एक अनोखा प्रयास शुरू किया हैश। गांव मे जब भी किसी के घर मे अगर कोई बेटी जन्म लेगी तो उसके घर के लोग उस बेटी के नाम से एक फलदार पेड़ लगाएंगे और इसमें उनकी मदद महाकाल सेवा समिति के लोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस गांव मे विवाह कर आई नई नवेली दुल्हन ने भी इस पेड़ लगाने की प्रथा की तारीफ की है। समिति के अध्यक्ष अशीम कुमार दुबे और उनकी टीम ने आज न केवल थाना परिसर मे पेड़ लगाया, बल्कि ईट भटटा परिसर में भी पेड़ लगाकर लोगों को जागरूक किया। वहीं घोघा बाजार के मुखिया एवं जिला परिषद प्रतिनिधि भी इस काम की न केवल सहराना किया, बल्कि इस प्रथा और इस प्रयास के लिए महाकाल सेवा समिति की तारीफ भी की।

भागलपुर में होमगार्ड कैंडिडेट्स पर पुलिस का लाठीचार्ज, दरोगा ने एक अभ्यर्थी को जड़ा थप्पड़

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ युवा बोले- बहाली में नवगछिया को भी शामिल करें

भागलपुर में सोमवार को होमगार्ड बहाली के अभ्यर्थी को टाउन थाना प्रभारी रवि शंकर ने थप्पड़ जड़ दिया। युवा होमगार्ड बहाली में नवगछिया पुलिस को शामिल नहीं करने के विरोध में युवाओं ने प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान युवाओं ने नवगछिया में जीरोमाइल क्षेत्र को जाम कर दिया। आस-पास गाड़ियों की लाइन लग गई। इस दौरान पुलिस ने युवाओं पर हल्का लाठीचार्ज भी किया। युवा सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते हुए दिखे। वहीं कुछ युवा हाइवा और JCB पर भी सवार दिखे।

हमारे सपनों पर पानी फिर गया, क्या करें बताइए: प्रदर्शन कर रहे सूरज ने कहा, 'होमगार्ड बहाली में नौगछिया पुलिस जिला को शामिल नहीं किया गया है। हजारों की संख्या युवा तैयारी कर रहे थे। उनके सपनों पर पानी फिर गया। क्या भागलपुर जिला के हिस्सा नवगछिया नहीं आता है?' 'अगर आता है तो फिर नवगछिया वासियों के साथ ऐसा क्यों किया गया। हम चाहते हैं कि हमारी भी जिला को पुलिस होमगार्ड बहाली में शामिल किया जाए। ताकि युवाओं का सपना को साकार हो पाए।'

विभाग की सूचना आने के बाद भरा जाएगा फॉर्म: इसके पहले होमगार्ड बहाली में भागलपुर के पुलिस जिला नवगछिया को शामिल नहीं करने के विरोध में युवाओं ने प्रदर्शन किया था। भागलपुर होमगार्ड वाहिनी के वरीय समादेष्टा हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया, 'गृह रक्षा वाहिनी के खुद होमगार्ड के लिए बिहार में 15 हजार पदों के 27 मार्च से अप्लाई किया जा रहा है। लास्ट डेट 16 अप्रैल 2025 तक है।' 'इसमें अरवल, बगहा और नवगछिया के लिए गृह रक्षा वाहिनी और अग्निशमन सेवा बिहार के द्वारा कोई वैकेंसी नहीं दी गई है। इसलिए इन जिलों में रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा रहा है।' 'विभाग द्वारा अरवल, बगहा और नवगछिया के लिए रिक्त निकाले जाने पर इन जिलों के लिए पंजीयन कराया जाएगा।'

स्थानीय युवाओं को मिले रोजगार: हरेंद्र कुमार कहा, 'नवगछिया पुलिस जिला को होमगार्ड बहाली में शामिल नहीं किया गया है। इसके कारण स्थानीय युवाओं में नाराजगी है। पंजीकरण प्रक्रिया में भाग लेने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित तारीख के अंदर आवेदन करना होगा।' वहीं, नवगछिया SDM ऋतुराज प्रताप सिंह ने कहा, ' यहां अभ्यर्थियों द्वारा जाम लगाया गया था, जिसे शांतिपूर्ण तरीके से हैंडल कर लिया गया है।' 'उनकी मांग है कि इस चीज को आगे फॉरवर्ड किया जाए। हमने कहा है कि उनकी जो भी मांग है हम आगे फॉरवर्ड करेंगे। जो आगे दिशा निर्देश होगा, उसके अनुसार ही काम किया जाएगा।' 'एक दो थोड़ा इंसीडेंट हुआ था, उसको हैंडल कर लिया गया है। यहां पर सब क्लियर है। सभी को निर्देशित किया गया है कि आगे से ऐसा कुछ करना हो तो पहले हमसे मिलेंगे। ऐसे जाम करने से समस्या का हल नहीं होगा।'

सरकारी बीएड कॉलेज खोलने का रखा प्रस्ताव

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर विश्वविद्यालय में शनिवार को छठे सीनेट की बैठक हुई। बैठक में बजट पर चर्चा के अलावा छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मुद्दे पर भी बहस हुई। इसके अलावे सरकारी बीएड कॉलेज खोलने, सेंट्रल लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, स्पोर्टस ग्राउंड, समय पर परीक्षा एवं परीक्षाफल, सिलेबस को पूरा करने, शिक्षकों की कमी सहित अन्य शैक्षणिक मुद्दे भी उठे। कॉलेजों को संबद्धता के मुद्दे सीनेट में नहीं उठे, जो जरूरी था। सरकारी बीएड कॉलेज खोलने की मांग हुई। जिसपर विधायक एवं पार्षद ने सहयोग का आश्वासन दिया। वैसे सीनेट की बैठक बजट के इर्द गिर्द ही ज्यादातर घुमती रही। लिहाजा विधायक डॉ. अजय कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, विजय कुमार सम्राट आदि के सुझावों पर इस साल एक और सीनेट आयोजित करने का प्रस्ताव सदन में पास हुआ। दरअसल चर्चा के लिए समय कम पड़ता देख इस साल एक और सीनेट कराने का प्रस्ताव लिया गया। सीनेट में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लंबित पेंशन के मामले भी उठे और सदस्यों ने उसके त्वरित निष्पादन के सुझाव दिए। इसके अलावे अनुकंपा पर आश्रितों की बहाली को भी एक समय सीमा के अंदर पूरा करने पर चर्चा हुई। जिस पर कुलपति ने कॉलेजों में जांच के लिए आवश्यक कागजात भेजे जाने की बात बताई। विधायक डॉ. अजय कुमार सिंह ने सीनेट एवं छात्र संघ चुनाव नहीं कराए जाने को कैंपस में लोकतांत्रिक अधिकार के हनन की बात बताई। उन्होंने वित्त रहित कॉलेजों को जिंदा रखने के लिए उसको मिलने वाले अनुदानों पर विवि प्रशासन को पहल करने का सुझाव दिया। विधान सभा में इस मुद्दे का उठाए जाने की जानकारी दी। शिक्षा मंत्री के जबाब के अनुसार इन कॉलेजों को जल्द अनुदान मिलने की संभावना है।

भागलपुर में बना विश्व का सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट

लाखों दीपकों से श्रीराम की भव्य आरती का वर्ल्ड रिकॉर्ड

♦ 100/60 फीट में बनी कलाकृति

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के लाजपत पार्क मैदान में 100 बाय 60 फीट का मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का विशाल सैंड पोर्ट्रेट आर्ट बनाया गया, जिसे विश्व का सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट माना जा रहा है। यह भव्य कलाकृति रामनवमी के उपलक्ष्य में रविवार को बनाई गई है। 30 मार्च, रविवार की संध्या में इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भव्य आरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भंडारा और स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुई, और पूरे लाजपत पार्क मैदान में "जय श्री राम" के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। इससे पहले, 5 लाख रंग-बिरंगे दीपकों से श्री राम का चित्र उकेर कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया गया था। इस बार भी भारतीय नव वर्ष आयोजन समिति द्वारा 30 और 31 मार्च को लाजपत पार्क मैदान में भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 1 लाख से अधिक दीपकों से आरती की गई।

कलाकारों की मेहनत से बनी ऐतिहासिक कलाकृति: भागलपुर बरारी के प्रसिद्ध कलाकार अनिल कुमार और उनकी टीम ने इस भव्य कलाकृति को बनाने में चार दिनों की कड़ी मेहनत की। उनकी टीम में झिलिक सरकार, शानु कुमार, सागर कुमार, महानंद कुमार और नीतीश कुमार शामिल थे। इस कलाकृति को अर्थ कलर और बालू मिलाकर बनाया गया है, जिससे यह और अधिक आकर्षक दिख रही है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में भारतीय नव वर्ष आयोजन समिति, भागलपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर अरिजीत शाश्वत चौबे, कार्यक्रम मंडल के सदस्य चंदन ठाकुर, गौतम चौबे, नीतेश चौबे, नितिन भूवानका, संरक्षक रामनाथ पासवान, सुधीर चौधरी, देवन पांडे, संजय हरि, चंदन शाह, दिनेश मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सैंड पोर्ट्रेट और दीप आरती बना आकर्षण का केंद्र: 100/60 फीट में बनाई गई इस भव्य कलाकृति को लाखों दीपकों से सजाया गया, जिससे इसका सौंदर्य और अधिक बढ़ गया। शाम होते ही जब शहरवासियों ने अपने घरों से दीपक लाकर मैदान को जगमग कर दिया, तो माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद श्री राम की भव्य आरती की गई, जिसने एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

विश्व में सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट: कलाकार अनिल कुमार ने बताया कि इससे पहले भी भागलपुर में कई वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए हैं, लेकिन इस बार फिर भागलपुर ने सैंड पोर्ट्रेट आर्ट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि यह भागलपुरवासियों के लिए गर्व की बात है कि इस बार 100/60 फीट में बनी श्री राम की यह कलाकृति विश्व में सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट बन गया है।

जिले में धूमधाम से मनाई गई ईद, चप्पे चप्पे पर थी पुलिस की पैनी नजर

निज संवाददाता। भागलपुर

जिले भर में सोमवार को ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। ईद को लेकर जिले के ईदगाहों में लोगों ने नमाज अदा किया और देश की तरक्की, अमन और शांति की दुआ मांगी। नमाज अदा करने के बाद सबों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाइयां दी। छोटे-छोटे बच्चे नए कपड़े और मिठाइयां पाकर काफी खुश दिखे। जिले के सभी मस्जिदों में आज सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए बच्चे, बुजुर्ग ओर नौजवान की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। बरहरपुरा, ततारपुर, शाहजंगी, नाथनगर चंपानगर, सीटीएस मैदान, बरारी, खंजरपुर, शाह मार्केट सहित सभी मस्जिदों में नमाज अदा करने वालों की भीड़ थी। सभी नए-नए कपड़े पहनकर मस्जिद पहुंचे और नमाज अदा किया। ईद के इस त्यौहार में किसी तरह की खलल पैदा ना हो जिसको लेकर जिला प्रशासन काफी मुस्तैद थी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नमाज अदा करने वाले हर जगहों पर पुलिस बल की तैनाती थी। भागलपुर पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से भी सभी जगहों पर पैनी नजर रखी जा रही थी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुल्तानगंज प्रखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों में ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई। इस दौरान मस्जिदों एवं ईदगाह में मजिस्ट्रेट के साथ साथ भारी संख्या में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई थी। दिलगौरी के ईदगाह मैदान में कुछ नमाजी वक्फ संसोधन के विरोध में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा करने पहुंचे थे। कुछ मस्जिदों में फिलस्तीन के लोगों के लिए दुआ मांगी गई। सुल्तानगंज के शहरी एवं देहाती क्षेत्रों में ईद-उल-फितर उत्साह और अकीदत से मनाया गया। सुल्तानगंज के दिलगौरी ईदगाह मैदान में सबसे पहले सुबह के 8 बजे नमाज अदा की गई। जिसके बाद स्टेशन रोड स्थित छोटी मस्जिद में 8 बजकर 30 मिनट पर नमाज अदा की गई। सबसे अंतिम में सुबह के 9 बजे सुल्तानगंज के गंगा घाट स्थित शाही मस्जिद में नमाज अदा कर मुल्क में अमन चैन और इत्तेहाद की दुआ की गई। सुल्तानगंज बीडीओ संजीव कुमार थाना अध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल सभी मस्जिदों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अदा कर सारे गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे से गले मिले और ईद की बधाई दी। फिर लोगों ने एक-दुसरे के घर पहुंचकर पाकवान का लुत्फ उठाया। वहीं सुल्तानगंज विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल, जनसंसद संरक्षक अजीत कुमार, लोजपा रामबिलास के युवा जिलाध्यक्ष मनीष कुमार ने क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों में पहुंचकर मुस्लिम भाईयों को ईद की बधाई दी।

मुंगेर में पुलिस टीम पर पथराव, आरोपी की गिरफ्तारी के विरोध में हंगामा, 4 पुलिसकर्मी घायल, महिलाएं सहित 11 गिरफ्तार

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में पुलिस टीम पर एक बार फिर हमले का मामला सामने आया है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के सोतीपुल पड़िया में शनिवार की रात यह घटना हुई। पुलिस ने आर्म्स एक्ट सहित कई मामले में अभियुक्त देवराज कुमार उर्फ देबू को उसके घर से गिरफ्तार किया। इसकी खबर लगते ही आसपास के लोग भड़क गए और सड़क जाम कर दिया। इस दौरान उन्हें शांत कराने गई पुलिस टीम पर लोगों पथराव किया। इशके बाद आज पुलिस ने पथराव करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गुस्साई भीड़ ने किया पुलिस पर पथराव: आरोपियों की गिरफ्तारी के विरोध में परिजनों और ग्रामीण ने शनिवार देर शाम एनएच-333 को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान परिजनों ने एक आरोपी देवराज को छोड़ने की मांग की। तभी अचानक भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

हमले में 4 पुलिसकर्मी घायल: हमले में महिला पुलिसकर्मी केसरी कुमारी, कंचन कुमारी सहित दो अन्य पुलिसकर्मी विनोद कुमार और नमोद कुमार घायल हो गए। कंचन कुमारी के सिर में चोट आई है। केसरी कुमारी को दांत से काटा गया है। विनोद और नमोद को भी शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। इधर भीड़ के पथराव करने से घटना के दौरान सड़क से गुजरने वाले लगभग आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पथराव की वजह से चालक अपनी वाहन छोड़ जान बचाकर मौके से भाग निकले।

एसपी और डीएसपी ने दिए सख्त आदेश: मामला बिगड़ता देख एसपी सैयद इमरान मसूद और सदर डीएसपी अभिषेक आनंद ने आसपास के थाना प्रभारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं, मुंगेर से दंगा नियंत्रण पुलिस के अलावा क्यूआरटी सहित जिला पुलिस को बुलाकर किसी तरह मामले को शांत कराया गया। एसपी ने मामले की बारीकी से जांच कर पुलिस पर हमला करने वाले अन्य सभी आरोपियों पर जल्द कार्रवाई करने के आदेश दिए।

हमलावर पांच महिलाओं सहित 11 गिरफ्तार: सदर डीएसपी अभिषेक आनंद के अनुसार, रविवार को पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए 5 महिलाओं सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 25 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पथराव करने वाले गिरफ्तार आरोपियों में निखिल कुमार, कुमोद कुमार, पवन कुमार, धनराज कुमार, रितिक राज, सारिका कुमारी, रीना देवी, जूली राज, नीलू कुमारी और निकिता कुमारी शामिल हैं। सभी आरोपी सोतीपुल पड़िया के रहने वाले हैं।

कई मामलों में नामजद अभियुक्त है देवराज: सदर डीएसपी अभिषेक आनंद और थानाध्यक्ष वीरभद्र कुमार सिंह ने बताया कि देवराज कुमार यादव लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे कई मामलों में नामजद अभियुक्त है। देवराज पर कांड संख्या 176/24 बरियारपुर बाजार स्थित सुमन स्वीट्स में जानलेवा हमला और मारपीट, 174/19 में डकैती, 176/19 में लूट की योजना और आर्म्स एक्ट, 27/18 में हथियार से लैस होकर मारपीट और जमालपुर थाना में कांड संख्या 140/18 में लूटपाट का मामला दर्ज है। इसीलिए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर थाना लाया था।

परिजनों ने पथराव को लेकर दी सफाई: वहीं, आरोपी देवराज के परिजन संजय यादव का कहना है कि शनिवार देर शाम दो लोग सादे कपड़ों में आए। बाइक पर बैठाकर देवराज को ले गए। पूछने पर पुलिस ने कुछ नहीं बताया। अनहोनी की आशंका में सड़क जाम किया गया। जाम के दौरान ही पुलिस ने बताया कि देवराज को गिरफ्तार किया गया है। इसी बीच कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस महकमा फिर हुआ शर्मसार, बेगूसराय में दारोगा की गंदी करतूत

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के नावकोठी थाना के दारोगा अरविंद शुक्ला को अप्राकृतिक यौनाचार मामले में गिरफ्तार किया गया है।

दारोगा पर मारपीट मामले में जेल भेजे गए आरोपित के पुत्र ने शिकायत करते हुए प्राथमिकी कराई है। एसपी मनीष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित दारोगा को निलंबित किया है। पीड़ित की मेडिकल जांच करा, दारोगा को गिरफ्तार किया गया है। एसपी के निर्देशानुसार बखरी डीएसपी कुंदन कुमार के नेतृत्व में नावकोठी थानाध्यक्ष के द्वारा पीड़ित व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। आरोपित दारोगा अरविंद शुक्ला से पूछताछ की जा रही है। बीते 23 मार्च को थाना क्षेत्र के एक गांव में भूमि विवाद में मारपीट हुई थी। एक पक्ष द्वारा छत ढलाई का प्रयास और दूसरे पक्ष द्वारा डीसीएलआर कोर्ट में विवाद लंबित रहने को लेकर रोका गया। एक पक्ष की महिला और दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने अलग-अलग प्राथमिकी अंकित कराते हुए छह-छह लोगों को नामजद आरोपित बनाया है। छह दिन पूर्व एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। आरोपित दारोगा पर इसी मामले में आरोपित के पुत्र को मदद के नाम पर थाना से 200 मीटर दूर स्थित अपने डेरा पर बुलाने और अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का आरोप है।

हनुमान जी के वार्षिक जन्मोत्सव पर होगा तीन दिवसीय आयोजन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। श्रीराम हनुमान मंडल की रविवार को अखाड़ा घाट रोड स्थित कार्यालय में हनुमान जी के वार्षिक जन्मोत्सव की तैयारी बैठक हुई। संयोजक आदित्य बंका व सुरेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 52वां वार्षिक जन्मोत्सव 11 से 13 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस दौरान 41 घंटे की अखण्ड ज्योति व भजन का आयोजन होगा। बताया कि 11 अप्रैल को प्रातः 7 बजे मंदिर प्रांगण से ध्वजा शोभा यात्रा निकलेगी। वहीं, शाम 6 बजे उद्घाटन समारोह और रात 8 बजे से भजनों का कार्यक्रम होगा। वहीं, 12 अप्रैल को भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। 13 अप्रैल को कार्यक्रम की पूर्णाहुति होगी।

आयोजन में शहर के विशिष्ट अतिथियों में डॉ. रामगोपाल जैन, डॉ. एके दास, डॉ. शैलेन्द्र कुमार एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर भरतीया, आयोजन के मुख्य यजमान के रूप में मंजू देवी एवं पवन सिंघानिया, हरि प्रसाद अग्रवाल और दीपीका एवं राजेश अग्रवाल सेवा प्रदान करेंगे।

सपा सांसद के बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राणा सांगा को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की कथित टिप्पणी के विरोध में रविवार को शहर में विरोध प्रदर्शन हुआ। श्रीराजपूत करणी सेना और करणी सेना ने सरैयागंज टावर चौक पर पुतला फूंका। साथ ही सपा और सांसद के खिलाफ नारेबाजी की। वे बयान को लेकर क्षत्रिय समाज से माफी मांगने की मांग कर रहे थे।

मौके पर श्रीराजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियांशु सिंह, प्रदेश महामंत्री अमित सिंह नरंगी, प्रदेश सचिव गौरव सिंह नरंगी, प्रदेश प्रवक्ता अनितेश सिंह, अमरनाथ सिंह, सन्नी सिंह, मणि सिंह, राजा सिंह, अमित सिंह, करण सिंह, सौरभ सिंह, आकाश सिंह राजपूत, आदित्य स्वरूप सिंह सहित अन्य थे।

रामनवमी पर सीढ़ी घाट से निकलेगी शोभायात्रा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सरैयागंज स्थित सार्वजनिक हनुमान मंदिर में रविवार को रामनवमी पर शोभायात्रा को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता रविनाथ रजक ने की। कहा कि 6 अप्रैल को सिकंदरपुर स्थित सीढ़ी घाट से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। रामभक्त माथे पर तिलक और हाथों में ध्वजा लेकर शोभायात्रा में शामिल होंगे। शोभायात्रा सिकंदरपुर सीढ़ी घाट से निकलकर बड़ी करबला, कंपनीबाग, सरैयागंज टावर, छाता बाजार, बाबा गरीबनाथ धाम, माखन साह चौक, पुरानी बाजार, हरिसभा चौक, कल्याणी, मोतीझील, संतोषी माता मंदिर होते हुए वापस सिकंदरपुर पहुंचेगी।

क्या बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस? राजद से दूरी के बाद कन्हैया कुमार बनेंगे तेजस्वी की काट

पटना, एजेंसी। बिहार में इस विधानसभा के चुनाव होने हैं। मतदाताओं की कम पूंजी और अन्य प्रमुख दलों की तुलना में कमजोर जनाधार के बावजूद बिहार में कांग्रेस अभी चर्चा में है। चर्चा कई बिंदुओं पर हो रही है, लेकिन सबसे अधिक चर्चा यह कि क्या कांग्रेस अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी यह अनुमान केंद्रीय नेतृत्व के हाल के कुछ निर्णयों के आधार पर लगाया जा रहा है। इसमें राजद के साथ तकरार के पहलुओं की खोज हो रही है।

पहला निर्णय बिहार प्रभारी के पद से मोहन प्रकाश की विदाई और उनकी जगह कृष्णा अल्लावारू की पदस्थापना है। दूसरा- जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाकपा से कांग्रेस में आए नेता कन्हैया कुमार को रोजगार के प्रश्न पर राज्य की पदयात्रा की अनुमति देना है। तीसरा- राज्यसभा के सदस्य डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की जगह विधायक राजेश कुमार को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बिठाना है।

इन तीनों निर्णयों की व्याख्या इस रूप में की जा रही है कि कांग्रेस राजद की छाया से निकल कर अपने पुराने जनाधार को हासिल करना चाह रही है। बताया जा रहा है कि मोहन प्रकाश राजद से मोलभाव के समय आक्रामक नहीं हो सकते थे। कन्हैया विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की काट के रूप में काम करेंगे, क्योंकि रोजगार और सरकारी नौकरी का वादा ही राजद का मुख्य चुनावी मुद्दा है।

डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की पृष्ठभूमि राजद की रही है। इसलिए वह लालू प्रसाद के सामने बैठकर सीटों पर मोलभाव नहीं कर सकते हैं। एक पक्ष निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का भी है। इनके बारे में चर्चा है कि कांग्रेस इन्हें पूर्णिया

लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाना चाहती थी, लेकिन लालू प्रसाद और विशेष कर तेजस्वी यादव की सहमति न मिलने के कारण पप्पू को निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा। उनकी जीत भी हुई। कांग्रेस की नई संरचना में यह भी जोड़ा जा रहा है कि अब पप्पू यादव भी सहयोग करेंगे।

प्रश्न पूछा जा रहा है क्या इन प्रयासों से कांग्रेस मजबूत होने जा रही है व्यावहारिक पक्ष यह है कि 1990 में बिहार की सत्ता से अलग होने के बाद हरेक विधानसभा से पहले कांग्रेस कुछ नया प्रयोग करती रही है। परिणाम यह बता रहा है कि तमाम प्रयासों के बावजूद 2015 को छोड़ दें तो हर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की कुछ सीटें कम ही होती गईं।

कांग्रेस ने राजद से अलग होकर चुनाव लड़ने का भी टोटका आजमाया। वर्ष 2010 में यह फलदायी साबित नहीं हुआ। सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद उसे केवल चार सीटों पर सफलता मिली। अंततः 2015 में वह राजद गठबंधन में शामिल हुई। उसे 27 सीटों पर सफलता मिली। उसे गठबंधन में चुनाव लड़ने के लिए 41 सीटें दी गई थीं। यह 1995 के विधानसभा चुनाव से दो कम था, जब कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में चुनाव लड़ी थी। 2020 में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और 19 पर जीती।

इस पृष्ठभूमि को और बीते पांच वर्षों में राज्य कांग्रेस की जमीनी गतिविधियों को देखें तो कहीं से यह नहीं कहा जा सकता है कि कांग्रेस इतनी मजबूत हो गई है कि वह अकेले चुनाव लड़े और इतनी सीटें जीत जाए, जिससे उसके सहयोग के बिना किसी की सरकार नहीं बनेगी।

यह ऐसा सच है, जिसे सच्चे कांग्रेसी भी स्वीकार कर रहे हैं कि सत्ता से अलग होने के साथ ही वह जनाधार भी गंवाती चली गई और उसे फिर से जोड़ने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किया गया।

बीच में ही यात्रा छोड़कर कन्हैया कुमार गए दिल्ली

अररिया, एजेंसी। अररिया में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने रविवार को बिहार में अपनी पलायन रोको नौकरी दो पद यात्रा स्थगित कर दिया है. यात्रा बीच रास्ते में छोड़कर कन्हैया कुमार दिल्ली के लिए रवाना हो गए. अररिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कन्हैया के सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद के बाद यह फैसला लिया गया. बताया जा रहा है कि कन्हैया को दिल्ली से बुलावा आया था।

कन्हैया कुमार की पदयात्रा में धक्कामुक्की: बताया जाता है कि कन्हैया कुमार की पदयात्रा में उस समय विवाद हो गया जब कुछ लोग उन्हें माला पहनाने और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे थे. एक विधायक के रिश्तेदार की सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई. सुरक्षाकर्मी लोगों को कन्हैया के पास जाने से रोक रहे थे. इस दौरान धक्का-मुक्की हुई और कुछ कार्यकर्ता गिर भी गए. इसके बाद कन्हैया ने बस स्टैंड के पास पद यात्रा रोक दी और दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

राहुल गांधी का आया फोन: यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और कन्हैया कुमार के बाउंसर के बीच झड़प की पुष्टि खुद कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर अनवर बैराग ने की है. उन्होंने कहा कि कन्हैया कुमार शहर में चल रहे पदयात्रा को बीच में छोड़कर इसलिए निकल गए क्योंकि उन्हें राहुल गांधी का फोन आ गया था।

दिल्ली गए कन्हैया कुमार: जिलाध्यक्ष ने कहा कि कन्हैया कुमार को दिल्ली से कॉल आया था. जिसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया. बता दें कि कन्हैया कुमार की यह पदयात्रा बिहार में पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्रित थी, इसकी शुरुआत चंपारण के भितिहरवा से हुई थी।

बिहार के खगड़िया में दर्दनाक हादसा, घर में सो रहे 2 सगे भाई जिंदा जले

खगड़िया, एजेंसी। बिहार के खगड़िया में भीषण अगलगी की घटना सामने आई है. जिले के चौथम थाना क्षेत्र के रोहियार बंगलिया गांव में हृदय विदारक घटना में दो बच्चों की आग में झुलसकर मौत हो गई, जबकि बच्चे को बचाने के प्रयास में पिता भी घायल हुए हैं. घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मचा है।

खाने बनाने के दौरान भड़की चिंगारी: रविवार को रोहियार बंगलिया गांव में अग्निदेव का रौद्र रूप देखने को मिला. जहां खाना बनाने के दौरान लगी भीषण आग ने देखते ही देखते आधा दर्जन घरों को अपनी जद में ले लिया. आग की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि बच्चे को बचाने की कोशिश में पिता भी झुलस गए. इस घटना में करीब आधा दर्जन पालतू जानवर भी जले हैं।

दो सगे भाइयों की मौत, पिता झुलसे

मृतक की पहचान संदीप कुमार (5 वर्ष) और सूरज कुमार (3 वर्ष) बताई जा रही है. वहीं बच्चों को बचाने के प्रयास में पिता संजय सिंह भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती किया गया है. घटना के बाद पूरे गांव में हाहाकार मचा हुआ है. इस अगलगी की घटना में आधा दर्जन बकरी के भी जलने की बात कही जा रही है. आग की चपेट में आने से तीन घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि कुछ घरों को आंशिक क्षति पहुंची है।

अगलगी की घटना बढ़ी

अगलगी की इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आग संजय सिंह और अजय सिंह के घर में लगी थी, जो इतना बिकराल हो गई कि घर में सो रहे दो छोटे मासूम की झुलसकर मौत हो गई. आपको बताएं कि बीते 15 दिनों में कई आगलगी की घटना घटित हुई है।

पटना के गांधी मैदान में ईद की नमाज, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे, दी मुबारकबाद

पटना, एजेंसी। आज मुस्लिम समाज धूमधाम से ईद मना रहा है. पटना के गांधी मैदान में बड़ी तादाद में नमाजियों ने नमाज पढ़ी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी टोपी पहनकर ईद की नमाज में पहुंचे हैं. उन्होंने हाथ उठाकर दुआ मांगी, साथ ही देशवासियों को ईद की मुबारकबाद भी दी।

गांधी मैदान में ईद की नमाजः पटना के गांधी मैदान में सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज पढ़ी. इस दौरान सुरक्षा कड़े बंदोबस्त किए गए हैं. वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वहां पहुंचे और लोगों को ईद की मुबारकबाद दी. उनके साथ मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद थे. सीएम हर साल ईद की नमाज में शरीक होते हैं।

राज्यपाल ने दी मुबारकबादः बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी ईद की मुबारकबाद की. उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा,

ईद-उल-फित्र के अवसर पर समस्त देशवासियों और बिहारवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं. यह त्योहार हमें आत्मसंयम, त्याग और उदारता का संदेश देता है. मेरी कामना है कि ईद-उल-फित्र सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए. आइये इस अवसर पर हम सभ्य, सद्भावनापूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

किशनगंज में प्रशांत किशोर, ईद की नमाज में पहुंचे

जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने किशनगंज में ईद मनाई। इस मौके पर वो नमाजियों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि सीमांचल में ईद के अवसर पर किशनगंज से बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं अमित शाह के दौरे पर कहां कि वो चुनाव को लेकर आए है, हम ईद को लेकर आए हैं।

ईद को लेकर कड़ी सुरक्षा

वहीं, ईद-उल-फितर को लेकर राजधानी पटना में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं. 425 से ज्यादा मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है. हर चौक-चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है. खासकर मस्जिदों के आसपास कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था देखने को मिल रही है।

मसौढ़ी में भी ईद की धूम

मसौढ़ी के गांधी मैदान में भी सामूहिक रूप से ईद की नमाज पढ़ी गई. जहां नमाजियों ने मुल्क की सलामती और अमन चैन की दुआ मांगी. इस मौके पर गांधी मैदान में अनुमंडल पुलिस प्रशासन की टीम मुस्तैद रही. इसके अलावा सबसे पहले तारेगना ईदगाह पर 6:30 बजे नमाज अता की गई. पुरानी बाजार मस्जिद में भी नमाजियों ने नमाज पढ़ी और पूरे अनुमंडल में कुल 37 जगहो पर ईद के मौके पर पुलिस मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी।

अनुपम ने राष्ट्रीय बधिर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में किया कमाल

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के एक छोटे से गांव से आने वाले युवा एथलीट अनुपम कुमार ने केरल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार पदक हासिल किए हैं। चंद्रशेखरन नायर स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में 28 से 31 मार्च 2025 के बीच आयोजित 9वीं राष्ट्रीय बधिर जूनियर एवं सब-जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप और 26वीं राष्ट्रीय बधिर सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अनुपम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर न सिर्फ अपने जिले

बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है।

हरनौत बाजार के नियामतपुर गांव निवासी पप्पू कुमार के पुत्र अनुपम ने 800 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ और 4म400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 4म100 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि अनुपम ने 400 मीटर की दौड़ मात्र 54 सेकंड में पूरी करके एक बेहतरीन समय दर्ज किया।

कोच ने उज्जवल भविष्य की कामना की है

अनुपम के कोच कुंदन कुमार पांडे ने कहा की अनुपम के पास असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और निरंतर कड़ी मेहनत की। यह पदक उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।÷ अनुपम की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों की टीम में शामिल किशोरी जाजोदिया, प्रमोद कुमार, सत्यनाम कबीर, जूनियर कोच रासबिहारी पांडे, रवि कुमार, विनय कुमार, अमित कुमार, गौतम सिंह और प्रकाश कुमार ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण भारत से आए विशेष क्षमता वाले युवा एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें अनुपम का प्रदर्शन सबसे उल्लेखनीय रहा।

नवजात को बेचने वाले पिता समेत 6 गिरफ्तार, 50 हजार में किया था डील

मां की शिकायत पर पुलिस ने पकड़ा

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में एक पिता द्वारा अपने नवजात बच्चे को बेचने का मामला सामने आया है। जहां कार्रवाई करते हुए हाजीपुर नगर थाना पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि महुआ थाना के कन्हौली मानपुरा निवासी राजेश कुमार ने अपने नवजात बच्चे को गोरौल निवासी रमेश कुमार को 50 हजार रुपए में बेच दिया गया था।

राजेश के पहले से ही 4 बच्चे हैं। वहीं रमेश कुमार की एक बेटी है और वह एक बच्चा खरीदना चाहता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब बच्चे की मां गोलू कुमारी ने जोहरी बाजार स्थित न्यू बुद्ध पॉपुलर इमरजेंसी हॉस्पिटल से नवजात की चोरी की शिकायत नगर थाना में दर्ज कराई। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में नवजात के पिता राजेश कुमार, बच्चा खरीदने वाले रमेश कुमार के अलावा लालगंज के अरुण कुमार, पिरापुर के जयप्रकाश कुमार, सारण के जितेंद्र कुमार और नगर

थाना क्षेत्र के अविनाश कुमार शामिल हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सात महीने पुराना मामला– बता दें की सात महीने पहले 10 सितंबर 2024 को में न्यु बुद्ध अपोलो इमरजेन्सी हॉस्पीटल, जौहरी बाजार हाजीपुर में आशा कार्यकर्ता मिनू देवी पत्नि विनय ग्राम पहाड़पुर, थाना महुआ, जिला वैशाली के कहने पर भर्ती हुई जहां उसे एक बेटा पैदा हुआ।

बेटा होने के बाद वहां पर मौजूद डॉक्टर चिन्टू उर्फ आदित्य राज पिता गरीबन सिंह, निवासी ग्राम वैजलपुर, थाना सोनपुर, जिला सारण द्वारा कहा गया कि बच्चे का हालत नाजुक है। उसे बच्चा केयर सेन्टर में रखना है वो बिना मेरी सहमति के अपनी गाड़ी में मेरे उक्त नवजात बच्चे को लेकर कहीं चल गया।

आशा के साथ मिलकर बेचने का लगाया आरोप

बच्चे की मां ने बताया कि बच्चा मांगे जाने पर कहा कि बच्चे को डिस्पोज कर दिए हैं। लेकिन वह और उनके स्वजन दबाव बनाने लगे तो गाली-गलौज करते हुए धमकी देते हुए वहां से भगा दिया। इसके साथ ही महिला के भर्ती और इलाज संबंधी कागजात मांगे जाने पर नहीं दिया गया गया। महिला का कहना था कि बाद में उन्हें पता चला कि उसका बच्चा बिल्कुल स्वस्थ था। उसे आशा कार्यकर्ता मीनू देवी की सहमति से नवजात शिशु को संजीत कुमार रजक, पिता सत्य नारायण रजक, ग्राम मनपुरा, थाना महुआ के हाथों बेच दिया गया है।

जिसमें रंजीत के चचेरे भाई नितेश कुमार उर्फ लालू कुमार, पिता महेश रजक ने बिचौलिया का काम किया है। वह नवजात शिशु रंजीत कुमार रजक के फुफा के पास रखा हुआ है।

महिला ने की थी डीएनए टेस्ट कराने की मांग

महिला ने उसे बरामद करने और सत्यता जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मीनू देवी, डॉ. चिंटू उर्फ आदित्य राज, रंजीत कुमार रजक, नितेश कुमार रजक उर्फ लालू कुमार, रंजू देवी, सतिया देवी आदि ने मिलकर साजिश के तहत नवजात बच्चे की हाजत नाजुक बताकर उसे अपहरण कर कहीं ले गए। उन्होंने रंजीत रजक के हाथों मोटी रकम लेकर बच्चे को बेच दिया है। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल से नवजात चोरी के मामले में उसके पिता सहित आधे दर्जन लोगों को गिरफ्तार करते हुए नवजात को बरामद कर लिया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

रेलवे ट्रैक पर सेल्फी ले रहे बाप-बेटे की ट्रेन की चपेट में आने से हुई मौत

निज संवाददाता | चाईबासा (प सिंहभूम)

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। झारखंड के चक्रधरपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना में बाप-बेटे की रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेते समय ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। यह हादसा चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां और बड़ाबांबो स्टेशन के बीच स्थित कुचाई खमारडीह नाला के पास हुआ। मृतकों की पहचान 48 वर्षीय रुईदास हेम्ब्रम और उनके 5 वर्षीय बेटे माहिर के रूप में हुई है। दोनों चक्रधरपुर के उंचीबीता गांव के निवासी थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रुईदास और माहिर खरसावां के खमारडीह गांव में एक जागरण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। जागरण कार्यक्रम के दौरान वे गांव के पास रेल पटरी पर सेल्फी लेने के लिए बैठ गए थे। यह दोनों उस समय पटरी पर बैठकर अपनी तस्वीरें खींचने में व्यस्त थे, जब साउथ बिहार एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। तेज रफ्तार से आ रही ट्रेन की चपेट में आने से दोनों बाप-बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ट्रेन के गुजरने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शवों को बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। यह घटना न केवल परिवार के लिए एक गहरा शोक का कारण बनी है, बल्कि यह पूरी समाज के लिए भी एक चेतावनी है कि रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेने जैसे खतरनाक कदम से बचना चाहिए। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे रेलवे ट्रैक और अन्य खतरनाक स्थानों पर सेल्फी लेने से बचें, क्योंकि ऐसी लापरवाहियां अक्सर गंभीर हादसों का कारण बनती हैं। वहीं, इस मामले की जांच की जा रही है और पुलिस ने संबंधित विभाग को सचेत किया है कि रेलवे ट्रैक पर इस तरह के खतरनाक कदमों को रोकने के लिए और सुरक्षा उपाय किए जाएं।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

निज संवाददाता | धनबाद

सोमवार को कतरास-फुलारीटांड़ रोड पर भटमुड़ना ढलान के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दुनियालाल सिंह (40) की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में बाइक पर सवार दूसरे व्यक्ति कुंदन सिंह और कार चालक आयुष यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जाम से राजगंज-महुदा नेशनल हाईवे-32 पूरी तरह से बाधित हो गया, जिससे यातायात में भारी परेशानी हुई। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक को जब्त कर लिया। बताया गया कि दुनियालाल सिंह अपने चचेरे भाई प्रदीप सिंह के गृह प्रवेश का कार्ड बांटने जा रहे थे, जो 5 अप्रैल को होने वाला था। वे छातााबाद की तरफ से जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। यह कार आकाशकिनारी के स्वर्गीय मनोज यादव की बताई जा रही है। हादसे में दुनियालाल सिंह की मौत के बाद उनकी दो संतानों का भविष्य अंधेरे में चला गया। मृतक के दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 23 और 20 वर्ष है। इस हादसे के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। कुंदन सिंह का इलाज असर्फी अस्पताल में चल रहा है, जबकि कार चालक आयुष यादव की स्थिति भी गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की और सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की रोकथाम के लिए प्रशासन से उचित कदम उठाने की अपील की है।

गोड्डा में अमन व शांतिपूर्ण माहौल में मनाई गई ईद, सुरक्षा व्यवस्था रही मजबूत

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में ईद-उल-फितर का त्यौहार इस साल भी हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोग इस पर्व को लेकर विशेष उत्साहित थे और नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों में एकत्र हुए। जगह-जगह मस्जिदों के पास और प्रमुख चौक-चौराहों पर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे ताकि लोग इस पवित्र पर्व को बिना किसी परेशानी के उल्लासपूर्ण माहौल में मना सकें। सुरक्षा के मद्देनजर, पूरे शहर में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। खासकर मुख्य बाजार और धार्मिक स्थलों के आस-पास अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी, जिससे कोई भी अप्रिय घटना न हो और त्यौहार की खुशी में किसी तरह की रुकावट ना आए। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग के साथ-साथ स्थानीय पुलिस कर्मियों ने भी दिन-रात चौकस निगरानी रखी। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती और कई महत्वपूर्ण स्थानों पर नियमित रूप से गश्त की जा रही थी। इस मौके पर जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस बल पूरी तरह से सक्रिय रहे, जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि हर किसी को ईद की खुशियाँ मनाने का पूरा मौका मिले और शांति व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन की ओर से यह कहा गया कि ईद का पर्व समरसता और भाईचारे का प्रतीक है, और इसे खुशी के साथ मनाने के लिए सुरक्षा के सभी उपाय किए गए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्था के कारण जिले में अमन-चैन का माहौल बना रहा। लोग एक-दूसरे को गले मिलकर शुभकामनाएं दे रहे थे और इस खुशी के मौके पर मिठाइयों और सेवइयों का आनंद ले रहे थे। लोगों के चेहरे पर मुस्कान और दिलों में उमंगें थीं। लोग एक-दूसरे के घर जाकर ईद की मुबारकबाद दे रहे थे और आपसी प्रेम और भाईचारे की मिसाल पेश कर रहे थे। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस कार्य में जुटे रहे। अनुमंडल पदाधिकारी बैधनाथ उरांव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी, प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक कुमार गौरव, नगर थाना प्रभारी दिनेश कुमार महली, सर्किल इंस्पेक्टर मधुसूदन मोदक, मेजर धर्मेन्द्र राम, कार्यपालक दंडाधिकारी अभय कुमार झा, जिला दंडाधिकारी बबन कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक भोला दास, पुलिस अवर निरीक्षक कृष्णा कुमार साह, पुलिस अवर निरीक्षक रामसूरत यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में जुटे हुए थे। समाप्ति तक, ईद-उल-फितर का त्यौहार गोड्डा जिले में बहुत शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया, जिसमें सुरक्षा की सभी सावधानियों के साथ लोगों ने इस धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व का पूरा आनंद लिया।

गोड्डा की बेटी दीपिका का सीनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन, जिले में खुशी का माहौल

निज संवाददाता | महागामा

प्रखंड क्षेत्र की होनहार बेटी कुमारी दीपिका ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर गोड्डा जिले का नाम रोशन किया है। दीपिका का चयन 53वें सीनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में 31 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित होने जा रही है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में बल्कि पूरे जिले में खुशी का माहौल है। दीपिका की सफलता का सफर आसान नहीं था, लेकिन अपनी लगन और कठिन परिश्रम के दम पर उन्होंने खुद को साबित किया है। कुछ दिन पहले देवघर में आयोजित स्टेट चैंपियनशिप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर उनका चयन झारखंड की टीम में हुआ। उनके खेल कौशल और उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया। दीपिका की इस उपलब्धि पर गोड्डा हैंडबॉल संघ के सचिव जयशंकर सिंह, अध्यक्ष याह्या सिद्दिकी और कोषाध्यक्ष अनंत टेकरीवाल ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने और झारखंड के लिए पदक जीतने का आशीर्वाद दिया।

साथ ही झारखंड हैंडबॉल संघ के सचिव इमरान मसूद खान, कोषाध्यक्ष शमीम अहमद, अनिल कुमार, इम्तियाज अहमद और विशाल कुमार ने भी दीपिका को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीपिका के चयन से उनके परिवार में भी हर्ष का माहौल है। उनकी माता चंचला देवी ने अपनी बेटी की सफलता पर गर्व जताया और कहा कि दीपिका ने हमेशा खेल में रुचि दिखाई और कठिन परिश्रम किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर गोड्डा और झारखंड का नाम रोशन करेंगी। गोड्डा जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, और दीपिका जैसे होनहार खिलाड़ी इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। उनकी सफलता से जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित होंगे। अब पूरा गोड्डा जिले की नजरें दीपिका के प्रदर्शन पर टिकी हैं, और हर कोई यह उम्मीद कर रहा है कि वह इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर झारखंड के लिए पदक जीतकर लौटेंगी।

दुर्घटना में घायल युवक का इलाज के दौरान मौत

दुमका (नि.सं.)। दुमका-मसलिया मुख्य पथ पर जामा थाना अन्तर्गत चुटोनाथ के पास एक अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना शनिवार की शाम में हुई थी। जानकारी के अनुसार मृतक रविकान्त राय चुटोनाथ गाँव के पास का निवासी था। वह चुटोनाथ मंदिर में फुल बिक्री करने का काम करता था। शाम वह अमलाचातर गया था। वापस आने के दौरान चुटोनाथ मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने रविकान्त राय की बाइक में धक्का मारकर भागने के दौरान एक और बाइक में धक्का मार दिया था। उक्त बाइक दो युवक सवार थे,पर दोनों युवक जख्मी हालत में ही उठ कर चल दिए। इस घटना में रविकान्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजनों ने घायल को उठा कर पीजेएमसीएच में भर्ती कराया, पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे बाहर रेफर कर दिया था। पश्चिम बंगाल के दुर्गा पुर इलाज के लिए ले जाने के दौरान उसकी आधे रास्ते में मौत हो गई।

नवरात्रि का दूसरा दिन मां ब्रह्मचारिणी का हुआ पूजन

निज संवाददाता | हरिहरगंज

चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण माहौल के बीच जारी है। नवरात्रि के दूसरे दिन देवी के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की उपासना के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पूरे श्रद्धाभाव से माता के चरणों में शीश नवाया और व्रत-पूजन कर अपने परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। खासकर झंडा चौक के पास स्थित श्री राधा कृष्ण लक्ष्मी नारायण पंचदेव मंदिर में भक्तों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। यहां इन्द्र बाल समिति द्वारा अयोध्या में स्थापित रामलाल जैसी मूर्ति को मंदिर में स्थापित किया गया है, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। भक्त बड़ी श्रद्धा के साथ मूर्ति के दर्शन कर पूजन-अर्चन कर रहे हैं। इस अलौकिक दर्शन से श्रद्धालुओं के मन में विशेष आस्था जागृत हो रही है। मंदिर परिसर में पूरे विधि-विधान के साथ मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की गई। नवदुर्गा के उपासना के लिए मंदिर में कलश स्थापित किया गया, जिससे वातावरण में भक्तिमय ऊर्जा का संचार हो रहा है।

श्री दुर्गा सप्तशती का नवाह पाठ भी भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष भक्त पूरे श्रद्धा भाव से इस पाठ को श्रवण करने के लिए मंदिर में उपस्थित हो रहे हैं। सुबह से ही भक्त मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़े। कई श्रद्धालु व्रत रखकर मंदिर पहुंचे और जल अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा के बाद ही उन्होंने अपना उपवास खोला। मां के चरणों में दीपक जलाने के बाद भक्तों ने जगत कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्रि का यह पर्व आध्यात्मिक उर्जा और पवित्रता से ओत-प्रोत रहा, जिससे वातावरण संगीतमय और भक्तिमय बना हुआ है। पूजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ आया। भक्तों ने भक्ति-भाव से देवी के समक्ष अपनी मनोकामनाएं अर्पित कीं और पारंपरिक विधि से आरती में भाग लिया। पूरे क्षेत्र में भक्ति रस की धारा प्रवाहित हो रही थी। धार्मिक अनुष्ठानों के बीच हर तरफ श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी सौरव पाठक के नेतृत्व में पूरे विधि-विधान से पूजन-अर्चन हुआ। इन्द्र बाल समिति के अध्यक्ष शशांक जायसवाल, सचिव शशांक शेखर, कोषाध्यक्ष प्रीत जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, आदर्श सोनी, हर्ष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित हुए और मां ब्रह्मचारिणी के चरणों में अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट की। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मंदिरों में विशेष साज-सज्जा की गई, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। मंदिरों में गूंजते भजनों और मंत्रोच्चारण से भक्तों की आस्था और अधिक प्रगाढ़ होती दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा-भाव से मां ब्रह्मचारिणी की पूजा कर सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

बच्चा चोर की अफवाह में तीन युवकों की पिटाई, एक

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले के देवडाड़ के सियरकटिया गांव में बच्चा चोर की अफवाह पर ग्रामीणों ने तीन युवकों को बेरहमी से पीट दिया। भीड़ ने न सिर्फ युवकों पर हमला किया बल्कि उनकी चारपहिया वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया, नहीं तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। पुलिस की तत्परता से तीनों युवकों को बचाकर इलाज के लिए पोड़ैयाहाट सीएचसी रेफर किया गया, जहां से उन्हें गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल भेज दिया गया। बिहार के बेगूसराय निवासी विक्रम शर्मा को पहाड़िया समुदाय के लोगों ने बुरी तरह पीटा, जिससे उनकी पीठ और कमर में गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकों के अनुसार, उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई है और ऑपरेशन कर प्लेट लगानी होगी। घायल विक्रम शर्मा ने बताया कि अगर पुलिस समय पर नहीं पहुंचती, तो उनकी जान भी जा सकती थी। उनके अनुसार, 'हर कोई बस मार रहा था, कोई सुनने को तैयार नहीं था।'

इस घटना में पटना के कुंदन कुमार साव और जयप्रकाश उपाध्याय भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। कुंदन कुमार ने बताया कि पुलिस ने उनके बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर लिया है और उनकी कंपनी को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। घायल युवकों ने बताया कि वे हरियाणा की एक कंपनी के लिए काम करते हैं और टेस्टिंग के लिए जीतपुर कोल ब्लॉक जा रहे थे। जीपीएस लोकेशन के आधार पर वे आगे बढ़ रहे थे, लेकिन नेटवर्क न होने की वजह से रास्ता भटककर सियरकटिया पहुंच गए। वहां कोई रास्ता नहीं मिला तो वे लौटने लगे, तभी कुछ ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया। पहले तीन लोगों ने उन पर शक जताया, फिर 50-60 लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और मारपीट शुरू कर दी। उनका कहना है कि वे लगातार समझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोई उनकी बात सुनने को तैयार नहीं था। बच्चा चोर की अफवाह फैलते ही भीड़ ने बेकाबू होकर उन्हें पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए देवडाड़ थाना कांड संख्या 16/25 के तहत 5 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष राहुल कुमार यादव ने बताया कि बच्चा चोरी की अफवाह के कारण यह घटना हुई है। पुलिस ने रविवार को एसडीपीओ के साथ आसपास के गांवों में जागरूकता अभियान चलाया और ग्रामीणों को अफवाहों पर ध्यान न देने की नसीहत दी। पुलिस ने साफ किया कि यदि कोई भी व्यक्ति बिना सबूत किसी पर हमला करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रामगढ़ में भी इसी तरह की अफवाह फैल चुकी थी, जिससे पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह में न आएं और संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है, लेकिन पुलिस हालात पर नजर रख रही है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

उग्र रैयतदारों ने अदानी पावर प्लांट के बाहर किया प्रदर्शन

गोड्डा (नि.सं.)। सदर प्रखंड के मोतिया गांव में स्थित अदानी पावर प्लांट के बाहर सोमवार को जमीनदाताओं एवं स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में वैसे लोग शामिल थे, जिनकी जमीन प्लांट के लिए अधिग्रहित की गई है। वहीं प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्लांट की स्थापना से पूर्व कंपनी ने आश्वासन दिया था कि जिन लोगों की जमीन ली जाएगी, उन्हें अदानी पावर प्लांट में स्थाई नौकरी दी जाएगी। लेकिन अदानी कंपनी में स्थाई नौकरी देने के बदले उन्हें आउटसोर्सिंग कंपनी में नौकरी दी गई। उन्हें 2016 से इनोव प्राइवेट लिमिटेड में अस्थाई नौकरी पर रखा गया था। अब अचानक उन्हें रिद्धि सिद्धि लिमिटेड कंपनी में ट्रांसफर किया जा रहा है। उनका आरोप है कि जमीन के बदले अदानी में स्थाई नौकरी का वादा किया गया था। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब बिगड़ गई, जब सिक्योरिटी गार्ड और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

दो अलग-अलग यौन अपराध में दो गिरफ्तार

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले में दो अलग-अलग यौन अपराध के गंभीर मामले सामने आए हैं, जिनमें पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पहला मामला पांडू थाना क्षेत्र के झरनाखुर्द गांव का है, जहां जंगल में लकड़ी लेने गई 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। जबकि दूसरा मामला कुटमू इलाके से जुड़ा है, जहां शादी का झांसा देकर एक युवती का यौन शोषण किया गया। झरनाखुर्द गांव की रहने वाली 19 वर्षीय युवती अपने रोजमर्रा के काम के लिए जंगल में लकड़ी लेने गई थी। इसी दौरान 33 वर्षीय सोनू सिंह समेत पांच युवकों ने उसे जबरन पकड़ लिया और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने दो आरोपियों को पहचान लिया और परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोनू सिंह को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य चार आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही सभी को पकड़ लिया जाएगा।

पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के कुटमू इलाके में 19 वर्षीय आकाश कुमार पर शादी का झांसा देकर एक युवती के यौन शोषण का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि स्कूल के समय से ही दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। आकाश ने युवती से शादी का वादा किया, लेकिन जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला तो उसने इनकार कर दिया। युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आकाश को गिरफ्तार कर लिया है। पांडू थाना प्रभारी सौरभ कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में तेजी से कार्रवाई की गई है। गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी सोनू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाले आकाश कुमार को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

हरिहरगंज में खुला केनरा बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र

निज संवाददाता | हरिहरगंज

शहरी क्षेत्र के मेन रोड पर अरविंद होटल के सामने केनरा बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन भव्य समारोह के साथ किया गया। शाखा प्रबंधक उमा सिंह ने फीता काटकर इस केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और ग्राहकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इसे बैंकिंग सुविधा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। शाखा प्रबंधक उमा सिंह ने बताया कि इस ग्राहक सेवा केंद्र के खुलने से स्थानीय निवासियों, खासकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेने में अधिक सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं को आसान और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इस केंद्र की शुरुआत की गई है, जिससे ग्राहकों को कम समय में बेहतर बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक राजमोहन उर्फ विवेक कुमार ने जानकारी दी कि इस केंद्र के माध्यम से बैंकिंग लेनदेन के साथ-साथ सभी तरह के ऑनलाइन कार्य भी किए जाएंगे। इसमें नए खाते खोलने की सुविधा, चेक बुक और एटीएम कार्ड जारी करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही, इस केंद्र में पैन कार्ड बनवाने और आधार कार्ड से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं भी दी जाएंगी। इसके जरिए ग्राहक अपने आधार कार्ड से किसी भी बैंक खाते से पैसे की निकासी और जमा कर सकेंगे, जिससे उन्हें बार-बार बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस उद्घाटन समारोह में केनरा बैंक के फील्ड ऑफिसर विकास प्रसाद, अभिषेक कुमार सिन्हा के अलावा संजय कुमार, बृजनंदन कुमार, अंकित कुमार, अजीत कुमार, टूना जायसवाल, दिनेश गुप्ता, जितेंद्र कुमार समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्थानीय जनता के लिए लाभकारी बताया। बैंक अधिकारियों ने कहा कि यह ग्राहक सेवा केंद्र बैंकिंग क्षेत्र में एक अहम कदम है, जिससे हर वर्ग के लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। खासतौर पर वे लोग जो समय की कमी या अन्य कारणों से बैंक की शाखाओं तक नहीं पहुंच पाते, उन्हें इस केंद्र से बड़ी राहत मिलेगी। उद्घाटन के दौरान स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखा गया, जिन्होंने इसे अपने क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा करार दिया। इस सेवा केंद्र के खुलने से हरिहरगंज और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को त्वरित और सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी।

रोजेदारों ने ईद की नमाज अदा कर अमन

बसंतराय (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के ईदगाह गदाल बाग बसंतराय में ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। वहीं सुबह से ही लोग नमाज पढ़ने ईदगाह और मस्जिदों में पहुंचे। मेदनीचक ईदगाह, रुपनी ईदगाह, राहा ईदगाह, कोरियना मस्जिद आदि प्रखंड क्षेत्र के ईदगाह और मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कर प्रदेश में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। ईदगाह गदाल बाग बसंतराय में 9:45 बजे नमाज अदा की गई। ईद की नमाज से पहले मौलाना मुबारक हुसैन कासमी ने तकरीर में नौजवानों से कहा कि करैक्टर और क्वालिटी पैदा करों। नशे से दूरी रखो हलाल कमाई पर ध्यान दो। हलाल और हराम में फर्क करना सीखो। कासमी ने कहा कि अपने रोजमर्रा के खर्चों को कम करो लेकिन बच्चों की अच्छी तालीम पर खास ध्यान दो। नमाज को कभी नहीं छोड़े। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के बताए रास्ते पर चलने की अपील की। कहा कि ईद इनाम का दिन है, एक महीना हमने जो रोज के साथ इबादत की है ईद पर उसी का बदला दिया जाता है।

गांव में आगजनी से तबाही, मजदूर परिवार की पूरी संपत्ति जलकर राख, लाखों का हुआ नुकसान

निज संवाददाता | मेहरमा

मेहरमा थाना क्षेत्र के धमड़ी गांव में बीती रात अचानक लगी आग ने एक परिवार को बेघर कर दिया। इस अग्निकांड में सुरेश पासवान का पूरा घर जलकर राख हो गया, जिससे लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के निर्देश पर सहायक पुलिस अवर निरीक्षक विपीन बिहारी राय अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की विस्तृत जानकारी ली। हालांकि, आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है, लेकिन इस दुर्घटना ने सुरेश पासवान और उनके परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। रात के समय जब गांव के लोग अपने घरों में थे, तभी अचानक सुरेश पासवान के घर से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही पूरा घर जलकर राख में तब्दील हो गया। आग की ऊंची लपटें देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोग बाल्टी में पानी भरकर, बालू डालकर और हरसंभव तरीके से आग बुझाने में जुट गए। लेकिन आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाना आसान नहीं था। घंटों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर नियंत्रण पाया, लेकिन तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इस आगजनी में सुरेश पासवान के घर में रखे सारे सामान जलकर नष्ट हो गए। कपड़े, अनाज, बर्तन, फर्नीचर, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह राख में तब्दील हो गए। बताया जा रहा है कि घर में कुछ नगद रुपये भी रखे हुए थे, जो आग की भेंट चढ़ गए। इस घटना के बाद सुरेश पासवान और उनका परिवार बेघर हो गया है। मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले सुरेश अब पूरी तरह असहाय महसूस कर रहे हैं। उनकी आंखों के सामने उनकी वर्षों की मेहनत से जोड़ी गई संपत्ति जलकर राख हो गई और अब उनके पास रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं बचा। स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना के बाद प्रशासन पर नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीणों का कहना है कि मेहरमा प्रखंड में दमकल वाहन की सुविधा नहीं होने के कारण हर बार आग की घटनाओं में भारी नुकसान झेलना पड़ता है। अगर समय रहते दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचती, तो शायद इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द दमकल वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से जान-माल की रक्षा हो सके। आगजनी की इस घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। लोगों ने खाने-पीने का सामान, कपड़े और अन्य जरूरी चीजें देकर सुरेश पासवान और उनके परिवार को राहत पहुंचाने की कोशिश की।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

न्यायाधीश की टिप्पणी असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करने की अपेक्षा की जाती है। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक नाबालिग के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले में आया फैसला उसी का ताजा उदाहरण है। अदालत ने इस संबंध में फैसला दिया कि संबंधित लड़की के साथ जो किया गया, उसे बलात्कार नहीं कहा जा सकता। उचित ही, स्वत- संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले पर खेद प्रकट करते हुए इसमें संवेदनशीलता की कमी रेखांकित की है और न्यायाधीश की टिप्पणियों को असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण वाला बताया है। यह बात किसी को गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया! यह ठीक है कि कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था। महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील रहा है। इसका बड़ा उदाहरण पिछले वर्ष देखा गया, जब तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने कुछ शब्दों को महिला सम्मान के विरुद्ध मानते हुए उनकी जगह सम्मानजनक शब्द सुझाए थे। कुछ अशोभन कहे जाने वाले शब्द, जो प्राय- महिलाओं से जुड़े मामलों में लंबे समय से अदालतों में प्रयुक्त होते आ रहे थे, उन्हें बदल दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे शब्दों की सूची बना कर देश की सभी अदालतों में प्रसारित किया था। इसके बावजूद अगर इलाहाबाद उच्च

अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

(उमेश चतुर्वेदी)

अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में अमन-चैन हो और बिना खून बहाए ही लोग अपनी शिकायत लोकतांत्रिक ढंग से रख सकें। इसका विरोध शायद ही कोई करेगा। नक्सलवाद का आतंक खत्म हो, इसका स्वागत ही होना चाहिए।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी। साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है। साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया। नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रूपये की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रो में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समूहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओ को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले। दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सलियों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गईं। ड्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू हुई और कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई। शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा' ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, 'सरेंडर' करो या 'गोली' खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना सबसे बड़ी चुनौती

भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को कोई छब्बीस साल बाद बजट पेश करने का मौका मिला है। इसमें उन सभी संकल्पों को धरातल पर उतारने का प्रयास है, जिनकी चर्चा वह चुनाव के दौरान या उससे पहले करती आई है। जनता से किए वादों की कसौटी पर यह बजट कितना साकार होगा, यह भविष्य बताएगा। फिलहाल नई सरकार ने पिछले वर्ष से कहीं अधिक, एक लाख करोड़ रुपए का बजट पेश कर अपना इरादा जता दिया है कि वह आने वाले समय में कैसी दिल्ली बनाना चाहती है। गौरतलब है कि इस बार का बजट परिव्यय 31.5 फीसद अधिक है। मगर सवाल यह है कि इस बढ़ी हुई राशि की व्यवस्था सरकार कहां से और कैसे करेगी। अलबत्ता उसने स्पष्ट कर दिया है कि वह दिल्ली को आत्मनिर्भर बनाने के साथ इसके बुनियादी ढांचे में बदलाव लाएगी। इसके लिए उसने बिजली-पानी और सड़क-सीवर सहित दस क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। वहीं वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तीन सौ करोड़ का आबंटन कर साफ कर दिया है कि उसे नागरिकों की चिंता है। इसी के साथ यमुना सफाई की दिशा में कदम बढ़ाते हुए उसने अपना वादा निभाने की कोशिश की है। वर्षों से भाजपा उठाती रही है मुद्दा दिल्ली सरकार के इस बजट में हर वर्ग को तरजीह देने का प्रयास दिखता है। इस बार पूंजीगत व्यय को दोगुना किया गया है। मगर इस खर्च की पूर्ति कैसी होगी, सरकार ने स्पष्ट नहीं किया है। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा गंभीर मुद्दा रही है। इसके लिए पूरी दिल्ली में पचास हजार सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ बस यात्रा के लिए महिलाओं को कार्ड जारी करने की पहल उचित ही है। इस बजट में सरकार ने कुछ लक्ष्य तय किए हैं। यह एक बड़ा दायित्व है। भाजपा वर्षों से दिल्ली के लिए कई मुद्दे उठाती आई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

(ललित गर्ग)

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया। महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5687

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5686

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

आज का राशिफल

मेष

आज दिन लाभ से भरा होगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और धन में वृद्धि होगी। आपको मान सम्मान प्राप्त होगा और कारोबारी योजनाएं सफल होंगी। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी और आपका बजट भी ठीकठाक रहेगा। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीद करनी चाहिए।

वृष

आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको खुशी महसूस होगी। किसी बहस या विवाद में आपकी जीत हो सकती है। व्यापार के मामले में आपको किसी से सलाह लेनी पड़ सकती है। हर नए काम के कानूनी पहलुओं पर ध्यान दें। धन और सम्मान के मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। सिंह राशि के लोगों को खुशी मिलेगी।

मिथुन

आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको करियर के मामले में लाभ होगा। बढ़ते हुए आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। काफी संघर्ष के बाद आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। सकारणीय दूर की यात्रा भी हो सकती है। छोटे मोटे पार्ट टाईम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा।

कर्क

आज आर्थिक लाभ होगा और उनके सम्मान में वृद्धि होगी। मन में नई ऊर्जा का संचार होगा। ऑफिस में किसी नए काम को लेकर उत्साहित रहेंगे। दिल की बात कहने का यह सही समय है। प्रमोशन या वेतन वृद्धि की बात चल रही है। अपने उत्साह पर नियंत्रण रखें। इसका मतलब है कि मकर राशि के लोगों को आर्थिक रूप से फायदा होगा।

सिंह

आज लाभ होगा। जीवन आराम से बीतेगा। विरोधियों की आलोचना पर ध्यान न दें। अपना काम करते रहें। सफलता जरूर मिलेगी। सामाजिक दायरे में आपका प्रभाव बढ़ेगा। मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। उसकी बात पर यकीन न करें और अपने दिमाग का प्रयोग करके फैसला करें। सफलता मिलेगी। उन्हें विरोधियों की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

कन्या

आज दिन अच्छा है। दिन के पहले भाग में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में लाभ और सम्मान मिलेगा। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी और आपका सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। अनुभव के मामले में लाभ होगा।

तुला

आज करियर में लाभ और आपको अप्रत्याशित उन्नति हासिल होगी। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए अन्यथा आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है। व्यर्थ की मान बढ़ाई से दूर रहें और अपने काम पर फोकस करें। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

आज दिन शुभ है और आपको धन के मामले में लाभ होगा। आपकी आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। आज आपको कई जिम्मेदारियां निभानी होंगी। घर के सभी अधूरे कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। शाम को आप अपने प्रिय के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। व्यापार में जोखिम उठाने से बचें। कन्या राशि के लोगों को आर्थिक रूप से फायदा होगा।

मकर

आज आर्थिक लाभ होगा। आप पुराने कर्ज चुकाने में सफल होंगे। आपको कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपने बजट का ध्यान रखें। फालतू खर्च से बचें। ऐसी चीजें न खरीदें जो फिलहाल आपके काम की न हों। आपके नए विचारों को सराहा जाएगा और उनसे आपको लाभ होगा। तुला राशि के लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। वे अपने पुराने कर्ज चुका सकते हैं।

कुंभ

आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आपका दिन काफी व्यस्त रहेगा। दिन के पहले भाग में आपको कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना होगा। कोई पुराना दोस्त अचानक मिल सकता है। अगर वह उधार मांगे तो पहले अपनी बचत पर विचार करें, फिर फैसला लें। वृश्चिक राशि के लोग आर्थिक रूप से लाभान्वित होंगे। वे व्यस्त रहेंगे और उन्हें किसी दोस्त को उधार देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

धनु

आज दिन आर्थिक लाभ का है। आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। इन मौकों का फायदा उठाएं और अपनी क्षमता दिखाएं। याद रखें, मौके बार-बार नहीं आते। आर्थिक और करियर के मामले में आपको फायदा होगा और आपकी योग्यता साबित होगी। इसका मतलब है कि कर्क राशि के लोगों को आज अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

मीन

आज दिन शुभ रहेगा। ऑफिस में आपको कुछ नए अधिकार मिल सकते हैं। किसी रचनात्मक काम में आपकी रुचि बढ़ेगी। शाम को आप जरूरी सामान की खरीदारी करेंगे। घर के बड़ों से बहस करने से बचें, उनकी राय सुनें। रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे और उन्हें पारिवारिक मामलों में समझदारी से काम लेना होगा।

वर्ग पहेली 5687

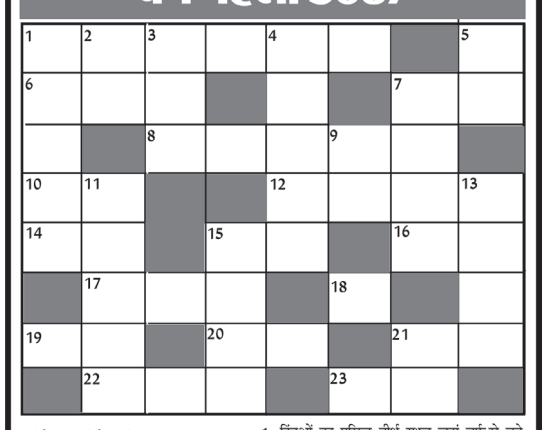

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2001 को इस भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किा (सिर्फ नाम)(6)
6. माला, मोती, अपनी मर्जी का (3)
7. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जिसका मान आठ रत्ती के बराबर होता है (2)
8. जिसके मन में करूणा का भाव हो (5)
10. सर्पराज, पुराणानुसार पाताल मे रहने वाला एक उपदेवता (2)
12. शास्त्रीय संगीत में उपयोग आने वाला सितार की तरह एक वाद्य (4)
14. बाघ की मांद-दीवार में जोड़ाई की पंक्ति (2)
15. बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
16. जो दिन बीत रहा है (2)
17. जनसमूह (3)
18. आग की लपट (1)
19. एक प्रशंसा सूचक शब्द (2)
20. त्रुटि, दोष (2)
21. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली या सेंकी जाए (2)
22. वायु द्वारा उत्पन्न (3)
23. रंग बिरंगा शीशा (2)

(ऊपर से नीचे)

1. हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जहां बर्फ से बने शिवलिंग का दर्शन होता है (5)
2. लगातार घंटे बजने का शब्द (2)
3. ल वर्ण का उद्गार (3)
4. प्राचीनकाल का यमन सरदार (5)
5. उम्मीद (2)
7. घी में तला एक प्रकार का मीठा पकवान (4)
9. दिवस (2)
11. तप वायु (5)
13. ताजमहल के निर्माण के प्रयुक्त होने वाला संगमरमर इस प्रदेश से लाया गया था (4)
15. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हों (4)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)

वर्ग पहेली 5686 का हल

क	म्बो	डि	या		न	क	ब
म		ग	म	न	क	र	ना
ला	द	ना			ली		ना
ने	म		मा	न		प	
ह	क	त	ल	फी		रा	ह
रू	ल	र		स	जा	या	पता
		बू	टा		ज		वा
न	मा	ज		ह	म	वा	र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

हेमंत सोरेन टॉप 50 हस्तियों में शामिल, अरविंद केजरीवाल, जेपी नड्डा समेत कई दिग्गजों को पीछे छोड़ा

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साल 2025 में बड़ी खुशखबरी मिली है. अब वे देश के टॉप 50 हस्तियों में शामिल हो गये हैं. उन्हें 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में जगह दी गयी है. दरअसल अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस ने देश के 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची जारी की है. जिसमें सीएम सोरेन 40वें स्थान पर है. हालांकि बीते वर्ष भी वह 100 शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल थे. इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की पावर लिस्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 93वें स्थान पर थे. इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी सूची में पीएम मोदी को पहले स्थान पर रखा है. दूसरे नंबर पर गृह मंत्री अमित शाह, तीसरे पर विदेश मंत्री एसन जयशंकर, चौथे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत और पांचवें नंबर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हैं. टॉप नाइन में योगी आदित्यनाथ, राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव और राहुल गांधी शामिल हैं. व्यवसायी मुकेश अंबानी को सूची में 10वां और गौतम अदाणी को 11वां स्थान दिया गया है. खास बात ये है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस लिस्ट में बीजेपी के राष्ट्रीय जेपी नड्डा और अरविंद केजरीवाल से आगे हो चुके हैं. हालांकि वे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार से पीछे हैं. स्पोर्ट्स पर्सनालिटी में रोहित शर्मा पहले स्थान हैं. वह इस लिस्ट में 48 वें स्थान पर हैं. दक्षिण भारत के फिल्मस्टार थल्लापति विजय सबसे शक्तिशाली एक्टर्स की सूची में नंबर वन पर है.

हजारीबाग के शहरी क्षेत्र में घुसे एक दर्जन हाथी, रिहायसी इलाकों में बना भय का माहौल

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में हाथियों का आतंक कोई नई बात नहीं है. कई बार हाथी रिहायशी इलाकों में पहुंच जाते हैं. इस बार शहर के बीचो-बीच 10 से अधिक हाथियों का समूह उत्पात मचा रहा है. हाथियों का समूह डेमोटांड़ रांची-हजारीबाग मार्ग स्थित राइस रिसर्च सेंटर के जंगली क्षेत्र में प्रवेश कर गया है. जिसका एक छोर कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण (आत्मा) से मिलता है. अब स्थानीय लोगों को यह भय है की इस क्षेत्र के चारदीवारी के अंदर अगर हाथी प्रवेश कर गया तो वह जनसंख्या बहुल क्षेत्र है, जहां बड़ी घटना भी घट सकती है। हाथियों के झुंड में दो छोटे हाथी है और 8 से अधिक बड़े हाथी बताएं जा रहे हैं. हाथी डेमोटांड़ के रास्ते होते हुए राइस रिसर्च सेंटर के जंगली क्षेत्र में प्रवेश कर गए हैं. यह क्षेत्र में पहले भी हाथी का उत्पात देखने को मिला है. स्थानीय बताते हैं कि शनिवार देर रात को हाथियों का समूह राइस रिसर्च सेंटर के आसपास देखा गया था. उनके आवाज से यह पता चला कि संख्या काफी अधिक है. रात में भय के कारण ग्रामीण घर से बाहर नहीं निकले. सुबह जब घर से बाहर निकले तो पता चला कि 10 से अधिक हाथी क्षेत्र में घुस आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि राइस रिसर्च सेंटर का पिछला हिस्सा प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण (आत्मा) से मिलता है. इसके आसपास दो स्कूल भी है. रविवार होने के कारण विद्यालय बंद है. अगर हाथी चार दिवारी तोड़कर आत्मा के परिसर में प्रवेश कर जाएगा तो भारी फजीहत का सामना करना पड़ेगा. क्योंकि वह जनसंख्या वाला क्षेत्र है. हाथियों ने चार दीवारी तोड़ने का प्रयास भी किया है. क्षेत्र में जब हाथी होने की जानकारी मिली तो सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण हाथी को देखने के लिए पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों ने हाथी होने की सूचना वन विभाग को दे दी. जिसके बाद वन विभाग के कर्मी हाथियों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं. सहायक वन संरक्षक एके परमार का कहना है कि दिन के समय हाथी भगाना संभव नहीं है. देर रात हाथी को भगाने का प्रयास किया जाएगा. उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि हाथी के आसपास नहीं भटके. साथ ही सेल्फी लेने की कोशिश ना करें. वन विभाग कर्मी ने कहा कि अगर हाथी एक बार बिदक गया तो भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. उन्होंने कहा कि शिशु हाथी को अगर किसी ने छेड़ा तो उसका खामियाजा लोगों को ही भुगतना पड़ेगा।

देवघर के लोगों के लिए खुशखबरी,

10 अप्रैल से आईएसबीटी बाघमारा से चलेंगी बसें

देवघर, एजेंसी। देवघर के लोगों को जिला प्रशासन ने बड़ी खुशखबरी दी है। जिला प्रशासन ने तय कर दिया है कि दस अप्रैल से इंटर स्टेट बस टर्मिनल से बसों का परिचालन होगा। उपायुक्त विशाल सागर की अध्यक्षता में शहरी परिवहन व सुचारु यातायात व्यवस्था को लेकर हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडुंग, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी थे।

बैठक में आमजनों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर ये फैसला किया गया कि आगामी 10 अप्रैल से बाघमारा स्तिथ नए आइएसबीटी (बस स्टैंड) में सुचारू रूप से बसों का परिचालन होगा।

इसे सुनिश्चित करने का निर्देश नगर आयुक्त व जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया। आमजनों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।इसको ध्यान में रखकर प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

नया आइएसबीटी (बस स्टैंड) में आमजनों की सुविधा और सुरक्षा के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में लोगों को बड़ी सवारी गाड़ियों के कारण अक्सर ट्रैफिक जाम की समस्या को झेलना पड़ता है।

अब आमजनों को इस समस्या का स्थाई निजात मिल जाएगा। साथ ही 20 एकड़ में फैले इस बस टर्मिनल के निर्माण में लगभग 42 करोड़ खर्च हुए है। देवघर का यह बस टर्मिनल झारखंड के सबसे बड़ा टर्मिनल है, जहां एक साथ 150 बसों का ठहराव होगा।

इसके साथ ही कार, ऑटो, टोटो पार्किंग की भी विशेष सुविधा रहेगी। वाहनों के सर्विसिंग के लिए वर्कशॉप की भी सुविधा है। बस टर्मिनल में आमजनों की सुविधा मुहैया कराने के लिए लिफ्ट,एक्सीलेटर, वेटिंग रूम, शौचालय, स्नानागार, 85 दुकानें और फूड कोर्ट की भी व्यवस्था की गई है।

धनबाद में खुलेगा नया मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने की घोषणा

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को धनबाद में बड़ी घोषणा की है. एक निजी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत करने कोयला नगरी पहुंचे इरफान अंसारी ने धनबाद को मेडिकल हब बनाने की बात कही है. साथ ही पीपीपी मोड एक और मेडिकल कॉलेज खोलने का एलान किया।

निजी अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचे थे इरफान

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को धनबाद के सरायढेला में एक निजी अस्पताल का उद्घाटन किया. इस दौरान मंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर निजी अस्पताल प्रबंधन द्वारा केक काटा गया और और मंत्री इरफान अंसारी को बधाई दी गई।

कार्यक्रम के समापन के बाद स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि धनबाद को मेडिकल हब बनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि धनबाद में 500 बेड का एक अतिरिक्त अस्पताल जल्द ही तैयार किया जाएगा. यह कदम स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने और लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए उठाया जा रहा है।

राज्य में 5 नए मेडिकल कॉलेजों का होगा निर्माण

मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि राज्य सरकार प्रथम चरण में पांच नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण करने जा रही है. इसके लिए पीपीपी मोड पर सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने का अवसर प्रदान कर रही है. इच्छुक लोगों से अपील की गई है कि वे आगे आएं, क्योंकि सरकार उन्हें पूरा सेटअप तैयार करके देगी।

एम्बुलेंस व्यवस्था भी सुदृढ़ की जाएगी

वहीं मरीजों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए राज्य में 300 नई एम्बुलेंस उतारी जाएगी. इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों के लिए 300 बाइक एम्बुलेंस उतारने की भी योजना बनाई गई है. यह कदम दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरा साबित होगा।

10 किलोग्राम का आईईडी बम बरामद, सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को मिली सफलता

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लगातार जारी है. इसको लेकर सुरक्षा बलों और पुलिस को लगातार सफलताएं भी मिल रही हैं. इसी कड़ी में रविवार को छोटानागरा थाना क्षेत्र के जंगलों से आईईडी को सुरक्षा बलों ने बरामद किया है।

पश्चिमी सिंहभूम पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान रविवार को छोटानागरा थानान्तर्गत वनग्राम डिकू पोंगा और हथना बेरा के बीच में जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था. इसी दौरान उनको निशाना बनाने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये 5-5 किलो के दो आईईडी बरामद किया गया. सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से विस्फोट करके विनिष्ट किया गया है. इन इलाकों में संचालित नक्सल विरोधी अभियान आगे भी जारी है।

बता दें कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है. जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा की 203 और 209 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ के विभिन्न बटालियनों की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

हजारीबाग में रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, अधिकारियों ने रूट वेरिफिकेशन कर कई बिंदुओं पर दिए निर्देश

हजारीबाग, एजेंसी। सरहुल और रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट है. त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था का हाल जानने के लिए उपायुक्त नैंसी सहाय, एसपी अरविंद कुमार सिंह और पदाधिकारियों ने रूट वेरिफिकेशन किया.इस दौरान जिले के सभी वरीय पदाधिकारी और थाना प्रभारी शामिल रहे.

रामनवमी जुलूस को लेकर रूट वेरिफिकेशन : जिला प्रशासन ने रामनवमी जुलूस को लेकर रूट वेरिफिकेशन किया.इस दौरान जिले के सभी वरीय पदाधिकारी, थाना प्रभारी समेत भारी संख्या में बल शामिल रहे. रूट वेरिफिकेशन पुलिस कंट्रोल रूम से शुरू हुआ जो इंद्रपुरी चौक, झंडा चौक होते हुए बड़ा अखाड़ा, जादू बाबू चौक, महावीर स्थान होते हुए गोवा टोली चौक तक किया गया. इस दौरान कई अन्य इलाकों में भी पदाधिकारी की गाड़ी दौड़ती नजर आई ।

आपको बता दें कि हजारीबाग में रामनवमी जुलूस लगभग 36 घंटे तक रहता है . 108 अखाड़े की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है. शोभायात्रा के दौरान किसी तरह का विघ्न न हो इसे देखते हुए जिला प्रशासन की टीम सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी का जायजा लेने निकली. इस दौरान अधिकारियों ने झूले हुए बिजली तार, अर्धनिर्मित भवन, सड़क की स्थिति समेत अन्य बिंदुओं की जानकारी ली।

कमियों को दूर करने का प्रयास: उपायुक्त : इस मौके पर हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा यह पहले चरण का वेरिफिकेशन है. जिसमें जिले के सभी अधिकारी उपस्थित हैं. कुछ दिनों के बाद फिर से जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि सड़क पर झूलते हुए बिजली तार, सूखे हुए पेड़, अर्धनिर्मित भवन समेत अन्य बिंदुओं को देखा जा रहा है. जो भी समस्या आ रही है उसे दूर करने का निर्देश दिया जा रहा है।

सड़क किनारे से ईंट और पत्थर हटाने का निर्देश : वहीं इस मौके पर हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि रामनवमी जुलूस मार्ग में पड़ने वाले हर एक बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है. अर्धनिर्मित भवन और सड़क के किनारे से पत्थर और ईंट को हटाने का निर्देश दिया गया है. साथ ही झूलते बिजली तारों को दुरुस्त करने के लिए निर्देश दिया जा रहा है. आने वाले दिनों में फिर से रूट वेरिफिकेशन किया जाएगा, ताकि रामनवमी जुलूस में शामिल लोगों को किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

5 हजार से अधिक सुरक्षा बलों की होगी तैनाती : पिछले दिनों हजारीबाग में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के बाद प्रशासन अलर्ट है. 5000 से अधिक सुरक्षा बलों के उपस्थिति में रामनवमी जुलूस संपन्न कराया जाएगा. पर्व के दौरान स्पेशल ब्रांच के अलावा अन्य एजेंसी अभी से हजारीबाग में सक्रिय हो गई हैं. पूरे जुलूस मार्ग की सीसीटीवी कैमरे के जरिए नजर रखी जाएगी. वहीं निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल भी किया जाएगा।

अनुज कनौजिया एनकाउंटर के बाद चर्चा में 'भूमिहार मेंशन'

भूमिहार, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के माफिया मुख्तार अंसारी गिरोह के शूटर अनुज कनौजिया के एनकाउंटर के बाद 'भूमिहार मेंशन' काफी चर्चा में है. सोशल मीडिया पर लोग भूमिहार मेंशन के मालिक को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं. किसी ने लिखा है कि एनकाउंटर मन में बहुत से सवाल खड़े करता है. यही यूजर आगे लिखता है कि अगर इस लड़के का एनकाउंटर किया जा सकता है, तो बाकी का क्यों नहीं बाकी माफिया को क्यों शरण दी जा रही है एक यूजर लिखता है कि अनुज को सुधरने का मौका दिया जा सकता था. वह मजबूरी में गैंगस्टर बना था, शौक से नहीं. एक यूजर लिखता है, 'भूमिहार समझ गया होगा.'

आईए, आपको बताते हैं कि भूमिहार मेंशन का अनुज कनौजिया के एनकाउंटर से क्या कनेक्शन है. दरअसल, यह वही जगह है, जहां अनुज कनौजिया का एनकाउंटर हुआ. यह जगह पूर्वी सिंहभूम के जिला मुख्यालय जमशेदपुर से सटा इलाका है.

गोविंदपुर में विकसित इस टाउनशिप का नाम अमलतास सिटी है. इसी अमलतास सिटी में मौजूद है भूमिहार मेंशन. भूमिहार मेंशन में अनुज कनौजिया ने अपना ठिकाना बना रखा था.लंबे समय से फरार उत्तर प्रदेश के इस शार्प शूटर के बारे में जमशेदपुर के एक मुखबिर ने सूचना दी कि वह अमतलास सिटी के भूमिहार मेंशन में छिपा है. इसके बाद उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने झारखंड पुलिस से संपर्क किया और भूमिहार मेंशन को घेरकर अनुज कनौजिया को सरेंडर करने के लिए कहा. अनुज ने सरेंडर करने की बजाय ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. बम से भी पुलिस बल पर हमला किया. यूपी एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में अनुज कनौजिया मारा गया.

एनकाउंटर में अनुज कनौजिया के मारे जाने के बाद भूमिहार मेंशन चर्चा में है. भूमिहार मेंशन के असली मालिक के बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आयी है, लेकिन कहा जा रहा है कि इसका मालिक चिंटू सिंह उर्फ शशि शेखर है. चिंटू सिंह जमीन कारोबारी है. बहरहाल, इस मामले में पुलिस ने राहुल सिंह राजपूत को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. भूमिहार मेंशन को पुलिस ने सील कर दिया है.

रेल लाइन डाइवर्ट करने की क्या है योजना सर्वे के बाद मैकेनिज्म की हो रही है समीक्षा

पलामू, एजेंसी। पलामू टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली रेलवे लाइन को डायवर्ट करने की मैकैनिज्म की समीक्षा की जा रही है. सोननगर से पतरातू तक रेलवे की थर्ड लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है. रेलवे के इस फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण कार्य कई जगहों पर अंतिम चरण में है, जबकि कई जगहों पर इसका निर्माण पूरा हो चुका है।

रेलवे की थर्ड लाइन पलामू टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली है, जबकि पहले से ही दो लाइन पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से गुजरती है. रेलवे विकास निगम ने थर्ड लाइन के निर्माण के लिए वन विभाग से अनुमति मांगी थी. लेकिन पलामू टाइगर रिजर्व ने रेलवे की थर्ड लाइन को पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से गुजरने पर आपत्ति जताई थी.जिसके बाद वाइल्ड लाइफ बोर्ड और रेलवे विकास निगम ने मिलकर पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से गुजरने वाली रेलवे लाइन को डायवर्ट करने की योजना तैयार की।रेलवे विकास निगम और पलामू टाइगर रिजर्व ने मिलकर कोर एरिया से गुजरने वाली रेलवे लाइन को

डायवर्ट करने को लेकर सर्वे भी किया है. पलामू टाइगर रिजर्व ने छिपादोहर रेलवे स्टेशन से लाइन डायवर्ट करने को कहा है. डायवर्सन के बाद रेलवे लाइन पलामू टाइगर रिजर्व के बफर एरिया से गुजरेगी और एक जगह चिकन नेक प्वाइंट बनेगा. डायवर्सन के बाद 11 किमी की दूरी 14 किमी हो जाएगी. डायवर्सन के बाद रेलवे लाइन छिपादोहर रेलवे स्टेशन से हेहेगड़ा रेलवे स्टेशन तक जाएगी।

दरअसल, पलामू टाइगर रिजर्व के क्षेत्र में पहली लाइन कब बिछाई गई, इसके बारे में कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है.

अडानी के मुद्दे पर राहुल गांधी के स्टैंड में एक इंच भी चेंज नहीं होगा: के राजू

रांची, एजेंसी। झारखंड कांग्रेस के संगठन सृजन वर्ष 2025 के तहत पांच दिवसीय मंथन कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया. इस मौके पर झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंथन कार्यक्रम में लिए गए निर्णय और कांग्रेस की नीतियों की जानकारी मीडिया के साथ साझा की।

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी के बारे में जो स्टैंड राहुल गांधी ने लिया है, उस स्टैंड में एक इंच भी चेंज नहीं होगा. उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई सेकेंड ओपिनियन नहीं है. हमारे कांग्रेस नेताओं या सहयोगी दलों के नेताओं का भी इस मुद्दे पर कोई दूसरी राय नहीं है. कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के.राजू का यह बयान इस मायने में बेहद खास है क्योंकि शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गौतम अडानी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया था. हेमंत सोरेन और गौतम अडानी की इस मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति में तमाम तरह की बातें होने लगी थी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि मुद्दा यह है कि राहुल गांधी जी किस मुद्दे पर फाइट कर रहे हैं राहुल गांधी अडानी के बिजनेस के बारे में नहीं, बल्कि जो रास्ता उन्होंने चुना पब्लिक प्रॉपर्टी उनके हाथ में देने के लिए गलत प्रोसेस अपनाया गया. उन्होंने मार्केट को इन्फ्लूएंस कर पैसा कमाया

है. इन्हीं बातों पर राहुल गांधी का विरोध है।

मुख्यमंत्री से इन बातों पर हुई चर्चा : आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की जानकारी देते हुए के.राजू ने कहा कि बोर्ड निगम और आयोग के खाली पदों को भरने पर बात हुई है. स्टेट लेवल पर अनुसूचित जाति एडवाइजरी कार्उंसिल के गठन की दिशा में आगे बढ़ने पर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया है।

राज्य में पेसा कानून लागू करवाएगी कांग्रेस : झारखंड के प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि राज्य सरकार पेसा कानून को लागू करने के लिए कृत संकल्पित है. कांग्रेस पार्टी आदिवासी संगठनों और जनता की राय लेकर पेसा कानून लागू करवाएगी. के राजू ने कहा कि मंथन के दौरान अलग-अलग जिलों से विस्थापन, मुआवजा, पुनर्वास की समस्याएं सामने आई हैं. 2013 भूमि अधिग्रहण कानून को लेकर भी सीएम से बात हुई है. के. राजू ने बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य में जल्द विस्थापन आयोग बनाने का भी वादा किया है।

जनमुद्दों पर एक्टिविटी बढ़ाने पर फोकस : बीते पांच दिनों तक पदाधिकारियों के साथ मंथन कार्यक्रम में सकारात्मक संवाद होने की जानकारी देते हुए के. राजू ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का मूल उद्देश्य संगठन में कांग्रेस लीडर को मौका देना है. कांग्रेस पार्टी के लिए कार्यकर्ता बेहद महत्वपूर्ण हैं. इसलिए उनकी समस्या सुनी गई है. आगे किन मुद्दों पर फोकस करना है इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई. के राजू ने कहा कि पार्टी का सृजन तभी होगा जब जनसरोकार के मुद्दे पर हमारी एक्टिविटी बढ़ेगी।

अगले पांच वर्षों की बनाई योजना-के राजू : पांच दिवसीय मंथन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए के. राजू ने कहा कि इन पांच दिनों में कांग्रेस के पदाधिकारियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों की राय ली गई है. सबके निचोड़ से जो बेस्ट निकला उसके आधार पर अगले 05 वर्षों के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई है. के.राजू ने कहा कि पोलिटिकल पार्टी सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए नहीं है, बल्कि जनसरोकार के मुद्दे पर काम करना भी राजनीतिक दलों का काम है।

15 जुलाई तक पुनर्गठित की जाएगी पीसीसी झारखंड : के राजू ने बताया कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी को 15 जुलाई तक पुनर्गठित कर ली जाएगी. इस बार की योजना यह है कि राज्य के जो भी नेता यह समझते हैं कि वह पीसीसी में काम कर सकते हैं , वो अपनी इच्छा प्रकट कर सकते हैं. इसके लिए गूगल फॉर्म भरना होगा।

हर कांग्रेसी के मोबाइल में होगा झारखंड कांग्रेस ऐप : पांच दिवसीय मंथन कार्यक्रम के समापन पर के.राजू ने कहा कि झारखंड कांग्रेस का ऐप हर वर्कर के मोबाइल में होगा. यह प्रक्रिया 15 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी, ताकि इस ऐप पर वर्कर्स को टास्क और परफॉर्मेंस के साथ-साथ ट्रेनिंग दी जा सके।

जनमुद्दों पर भी मुखर रहेगी कांग्रेस-के. राजू : के.राजू ने कहा कि जन मुद्दों पर पार्टी जनता की आवाज बनेगी. संगठन के नेता, सरकार से बात कर उन मुद्दों का समाधान निकालेंगे, जो सरकार के स्तर पर सॉल्व हो सकता है. जहां-जहां कांग्रेस विधायक या सांसद नहीं हैं, वहां भी हमारे कार्यकर्ता अपने सहयोगी दलों के विधायक सांसद के साथ मिलकर सामंजस्य बैठाकर जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे. इससे पूरी उम्मीद है कि आनेवाले दिनों में राज्य में पार्टी का संगठन बेहद मजबूत हो जाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर ने किया कुणाल कामरा का समर्थन, कहा- उनका इरादा गलत नहीं, वो देश प्रेमी

पटना, एजेंसी। इन दिनों कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा किए गए बयान काफी चर्चा मे बने हुए है। इसी बीच जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी उनके समर्थन में उतर आए है। कुणाल कामरा द्वारा पैरोडी के जरिए दिए गए बयानों को लेकर अब प्रशांत किशोर ने भी अपनी बात रखी है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर अब कॉमेडियन कुणाल कामरा का समर्थन किया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संबंध में बनाए गए विवादित वीडियो के बाद कुणाल कामरा चर्चा में आए थे। इसी बीच प्रशांत किशोर ने कहा है कि कुणाल मेरे मित्र है। वो देश प्रेमी है। उन्होंने गलत शब्द का चयन किया हो ये हो सकता है मगर उनकी मंशा गलत नहीं थी। इसी बीच अमित शाह बिहार के दौरे पर भी रहने वाले है। इस दोरे को लेकर प्रशांत किशोर ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मोदी और अमित शाह को बिहार चुनाव होने तक सिर्फ बिहार की याद आती रहेगी। इन्हें बताना चाहिए कि बिहार के विकास के उद्देश्य के लिए केंद्र सरकार क्या काम कर रही है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ टिप्पणी को लेकर आलोचनाओं और जांच का सामना स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा कर रहे है। कुणाल कामरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो डाला था, जिसमें उन्होंने फिल्म के गाने पर पैरोडी गीत बनाया था। इसके जरिए उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की आलोचना की थी।

दंतेवाड़ा बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, महिला नक्सली का मिला शव

दंतेवाड़ा, एजेंसी। नक्सल विरोध अभियान पर निकले जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है. दंतेवाड़ा और बीजापुर के सरहदी क्षेत्र में सुरक्षा बलों के जवानों और नक्सलियों के बीच सुबह 9 बजे से मुठभेड़ जारी है. दंतेवाड़ा बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़ दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे बस्तर क्षेत्र में स्थित दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों की सीमा पर स्थित जंगल में उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी. दोनों ओर से लगातार फायरिंग चल रही है. एसपी राय ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक एक महिला नक्सली का शव मिला है. इसके साथ ही एक इंसास राइफल, गोला बारूद के साथ अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी मिली है. एसपी ने बताया कि नक्सल ऑपरेशन अभी भी जारी है. दोनों ओर से रुक रुककर फायरिंग हो रही है. पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. मुठभेड़ खत्म होने के बाद और जानकारी मिलेगी. बीते 25 मार्च को भी दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर माओवादियों और सुरक्षा बलों के जवानों के बीच मुठभेड़ हुई. मुठभेड़ में जवानों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया जिनमें एक 25 लाख का इनामी नक्सली डीकेएसजेडसीएम सुधीर उर्फ सुधाकर उर्फ मुरली था.

उत्तराखंड में बैन हो शराब, गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक: स्वामी आनंद स्वरूप

हरिद्वार, एजेंसी। चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नव वर्ष की शुरुआत हुई. इसके साथ ही हरिद्वार के शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप हिंदू नव वर्ष के मौके पर तीन संकल्प लेकर नए वर्ष की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा लिए गए इन तीन संकल्प पर लोगों को जोड़ा जाएगा और उत्तराखंड में इन तीन विषयों पर अब कार्य किया जाएगा. स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि आज उत्तराखंड को देव भूमि घोषित करने, हिमालय को देवालय बनाने, भारत को हिंदूराष्ट्र बनाने के तीन संकल्प लिए गए. चूंकि उत्तराखंड एक देवभूमि है. सदियों से लोग जानते हैं कि हिमालय, ऋषियों के रहने, उनके साधना, ध्यान, शोध का स्थान है. एक सुनियोजित तरीके से देवभूमि को दूषित किया गया. यह उत्तराखंड ही नहीं, पूरे संपूर्ण दुनिया में रहने वाले हिंदुओं पर एक तरह का धब्बा है. स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने आगे कहा कि, नवरात्र का जब अनुष्ठान होता है. कलश स्थापना होती है।

हरियाणा भाजपा का बदलने जा रहा पता, अब रोहतक में नहीं रहेगा मुख्यालय

पंचकूला, एजेंसी।
हरियाणा में भाजपा का प्रदेश मुख्यालय बदलने वाला है। अब तक पार्टी का मुख्यालय रोहतक में हुआ करता था, जो भूपिंदर सिंह हुड्डा का भी गढ़ माना जाता है। लेकिन अब बदलाव होने वाला है और पार्टी का राज्य मुख्यालय रोहतक की बजाय पंचकूला ले जाने की तैयारी है। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि पंचकूला चंडीगढ़ के पास है, जहां से विधानसभा चलती है और सरकारी कामकाज भी होता है। ऐसे में सरकार से समन्वय के लिए पंचकूला में पार्टी का मुख्यालय होना सही रहेगा। यह बदलाव 6 अप्रैल से लागू होगा क्योंकि इसी दिन भाजपा का स्थापना दिवस है। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा, हम पार्टी का स्थापना दिवस नए कार्यालय पर मनाएंगे, जो

पंचकूला में होगा। यहीं पर आंबेडकर जयंती के मौके पर होने वाले कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

बड़ौली का कहना है कि रोहतक का पार्टी दफ्तर अब ट्रेनिंग स्कूल में तब्दील होगा। यहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षिण शिविरों का आयोजन होगा। इसके अलावा अन्य गतिविधियों के भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा। भाजपा लंबे समय से पंचकूला में दफ्तर तैयार करा रही थी, जिस पर काम अब हो चुका है। बड़ौली ने कहा कि चंडीगढ़ से सरकार का संचालन होता है। ऐसे में सीएम और अन्य मंत्रियों को पार्टी की मीटिंग के लिए लंबी यात्रा करनी होती थी। अब उससे मुक्ति मिल जाएगी। चंडीगढ़ से सरकार चलेगी तो पड़ोस में ही पंचकूला से पार्टी का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा कार्यालय भी रोहतक में इसलिए रहा क्योंकि ज्यादातर राजनीतिक दलों के दफ्तर यहीं थे। हमारे बड़े नेता और डिप्टी सीएम रहे मंगल सेन भी रोहतक के रहने वाले थे, जो लगातार 7 बार विधायक रहे। उन्होंने कहा कि अब हमने पंचकूला में दफ्तर बनाने का फैसला लिया है। यहां पर बिल्डिंग बनकर तैयार है। नेताओं के लिए कक्ष होंगे और कार्यकर्ताओं के जुटने की भी व्यवस्था की गई है। यदि कोई समारोह आयोजित करना हुआ तो उसके लिए भी 600 सीटिंग वाला ऑडिटोरियम तैयार किया गया है। अब हम पंचकूला में शिफ्ट होंगे।

गाजियाबाद से जुड़ा एक और शहर, हिंडन एयरपोर्ट से भुवनेश्वर के लिए भी उड़ान सेवा शुरू

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से रविवार को भुवनेश्वर की भी उड़ान शुरू हो गई। इसके साथ ही हिंडन 12 शहरों से भी जुड़ गया। पहले दिन 80 फीसदी के करीब यात्रियों ने सफर किया। भुवनेश्वर से पहुंचे यात्रियों ने उड़ान शुरू होने को काफी सहूलियत भरा बताया। पहले दिन उड़ान समय से पहले ही हिंडन एयरपोर्ट पहुंच गई थी।

हिंडन एयरपोर्ट से सुबह 9:20 बजे विमान भुवनेश्वर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान यात्रियों में खासा उत्साह दिखा। भुवनेश्वर जाने वाले यात्रियों में कामकाजी लोगों के साथ धार्मिक यात्रा पर जा रहे श्रद्धालु भी शामिल रहे। 180 सीटर विमान में 80 फीसदी यात्री सवार थे। वापसी की यात्रा दोपहर 12:15 बजे भुवनेश्वर से शुरू हुई। दोपहर 2:30 बजे विमान हिंडन पहुंचना था, लेकिन पहली उड़ान समय से 10 मिनट पहले ही पूरी हो गई और 2:20 बजे हिंडन एयरपोर्ट पर विमान उतर चुका था। हिंडन से मार्च माह में सात शहरों के लिए व्यावसायिक उड़ान शुरू हो चुकी है। यात्रियों ने जताई खुशी : राजनगर निवासी लक्ष्मीधर ने बताया कि जगन्नाथ पुरी दर्शन करने के लिए गया था। वहां एयरपोर्ट जाकर पता लगा कि हिंडन के लिए जाने वाली फ्लाइट भी है। इससे घर वापस जाने में समय और पैसे दोनों की बचत हुई। उत्तराखंड निवासी किरन जोशी का कहना है कि भुवनेश्वर रिश्तेदार के घर गई थीं। दिल्ली उतरने से उत्तराखंड जाने में समय लगता है। यहां से रुपये और घर जाने के लिए समय की बचत हुई। उमेश यादव, डायरेक्टर, हिंडन एयरपोर्ट ने कहा, हिंडन एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बढ़ाने का प्रयास जारी है। इसी के तहत रविवार को भुवनेश्वर की उड़ान भी शुरू की गई। पहले दिन विमान समय से पहुंचा। यात्रियों की सहूलियत के लिए आने वाले दिनों में नए शहरों को जोड़ने के साथ यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी भी की जाएगी।

रील के लिए बीवी ने बीच सड़क पर लगाए ठुमके, ट्रैफिक जाम हुआ तो कांस्टेबल पति सस्पेंड

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ में सैक्टर- 20 के गुरुद्वारा चौक पर सड़क पर रील बनाने के लिए डांस कर ट्रैफिक जाम करने वाली महिला के चंडीगढ़ पुलिस के कांस्टेबल पति अजय कुंडू को पुलिस विभाग ने निलंबित कर दिया है। पहले इस मामले में पुलिस ने सैक्टर-20 पुलिस कालोनी निवासी ज्योति और उसकी भाभी पूजा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। जांच में पाया गया कि सोशल मीडिया पर ज्योति की वीडियो कांस्टेबल अजय कुंडू के सोशल मीडिया आई.डी. से अपलोड की गई थी। निलंबित कांस्टेबल अजय कुंडू की पोस्टिंग सैक्टर-19 थाने में थी। दोनों महिलाएं सेक्टर-32 में हनुमान मंदिर में माथा टेकने गई थीं। तभी ननद पूजा ने भाभी का सड़क पर वीडियो बना लिया। पुलिस ने शिकायत मिलने पर दोनों महिलाओं के खिलाफ ट्रैफिक में बाधा डालने का मामला दर्ज किया और उनसे पूछताछ की। 20 मार्च को सैक्टर-20 में गुरुद्वारा चौक पर एक महिला ज्योति पहुंची और वहां हरियाणवी गाने पर बीच सड़क नाचना शुरू कर दिया।

नोएडा पोर्न कांड : 4 घंटे में शूट होती थी मॉडल्स और लड़कियों की ब्लू फिल्म, कई वेबसाइट पर चलते थे वीडियो

नोएडा, एजेंसी। पोर्न साइट्स को अश्लील वीडियो और कंटेंट उपलब्ध कराने वाले कंपनी के डायरेक्टर उज्जवल किशोर और उसकी पत्नी नीलू श्रीवास्तव की गिरफ्तारी के बाद कई अहम जानकारी सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि नोएडा में एक किराये की कोठी में चल रहे इस अश्लील स्टूडियों में महज 4 घंटे में अश्लील वीडियो तैयार होते थे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बीते दिनों नोएडा के सेक्टर-105 स्थित कोठी पर छापेमारी कर दंपती की गिरफ्तारी को किया था। दोनों के साथ मौजूद तीन महिला मॉडलों के बयान भी टीम ने दर्ज किए थे। इस मामले को लेकर जब स्थानीय लोगों से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि दिन में दो से तीन महिला मॉडल कोठी पर आती थीं और करीब 4 घंटे बाद वापस चली जाती थीं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अश्लील कंटेंट का एक हिस्सा करीब चार घंटे में शूट होता था। ज्यादातर मॉडल सुबह 11 से दोपहर 1 बजे के बीच कोठी पर आती थीं।

दंपती आसपास के लोगों से संबंध नहीं रखते थे, ऐसे में पड़ोसियों ने भी दोनों से दूरी बना ली थी। स्थानीय लोगों को लगता था कि दंपती विदेश में रहने के बाद वापस लौटे हैं तो जो महिलाएं उनसे मिलने आती हैं, वह उनकी जानकार ही होंगी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि किराये पर लिए दो मंजिला घर के ऊपरी हिस्से में दंपती ने स्टूडियो बनाया हुआ था। ऑडिशन के नाम पर महिला मॉडलों को बुलाकर अश्लील कंटेंट बनाने वाले धंधे का नेटवर्क साइप्रस के अलावा यूरोप और अफ्रीका के कई देशों से भी है।

यहीं पर मॉडल की एडल्ट वेबकैम पर वीडियो शूट कराई जाती थी। ईडी की टीम वीडियो से लेकर विदेशी धनराशि के लेनदेन समेत कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

तेज रफ्तार लैंबोर्गिनी कार ने मारी फुटपाथ पर बैठे मजदूरों को टक्कर

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा के सेक्टर 94 पर बड़ा हादसा हो गया है। यहां चरखा गोलचक्कर के पास तेज रफ्तार लैंबोर्गिनी कार चालक ने फुटपाथ पर बैठे दो मजदूरों को टक्कर मार दी है। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। उधर पुलिस पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में और कार को कब्जे में ले लिया है। घायलों के परिजनों की तरफ से अभी तक सेक्टर-126 थाने में शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में लैंबोर्गिनी कार डिवाइडर पर चढ़ी नजर आ रही है। वहीं एक शख्स ड्राइवर से जाकर पूछता है क्या स्टंट दिखा रहे हो? कितने आदमी मरे हैं पता है। इस पर ड्राइवर पूछता है, कोई मर गया है इधर।

पुलिस के मुताबिक सेक्टर 94 स्थित नवनिर्मित एमथ्रीएम प्रोजेक्ट के पास बाहर बने फुटपाथ पर चार श्रमिक बैठकर बात कर रहे थे। इसी दौरान श्मशान घाट की ओर से तेज रफ्तार लाल रंग की लैंबोर्गिनी कार एकाएक आई। कार ने डिवाइडर पर लगे पेड़ से टकराने के बाद अपनी चपेट में दो श्रमिकों को भी ले लिया। एक श्रमिक पास के नाले में गिर गया, जबकि दूसरा श्रमिक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने नाले में गिरे श्रमिक को बाहर निकाला। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने ही नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। कार चालक भागने की फिराक में था पर घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उसे दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल मजदूरों की पहचान झारखंड निवासी रंभू और डीजैन रविदास के रूप में हुई है। दोनों के परिजनों को भी हादसे की जानकारी दे दी गई है। कार राजस्थान के अजमेर का रहने वाला 23 वर्षीय दीपक कुमार चला रहा था। घटना का जो 51 सेकेंड का वीडियो वायरल हुआ है उसमें दिख रहा है कि हादसे के बाद कार डिवाइडर पर चढ़ी हुई है और ड्राइवर अंदर ही बैठा है। गेट खुलवाकर एक व्यक्ति ड्राइवर से कहता है कि उसे जानकारी है कि हादसे में कितने लोग मरे हैं। इसपर ड्राइवर पूछता है, कोई मर गया है इधर।

मणिपुर में छह ड्रग तस्कर और पोस्त की खेती करने वाले चार लोग पकड़े, दो उग्रवादी भी किए गए गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर में सुरक्षा बल लगातार नशा तस्करों और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। पुलिस ने सोमवार को छह ड्रग तस्कर, पोस्त की खेती करने वाले चार लोगों को पकड़ा। इसके साथ ही दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया।

कांगपोकपी जिले में छह ड्रग तस्करों और चार पोस्त की खेती करने वालों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि ड्रग तस्करों की पहचान खैखाओ किपगेन उर्फ जॉन (40), लेटगौमांग टौथांग उर्फ अमोन (33), आबी बराल (28), जितेन खरका (22), एल एच रानीरौ (42) और लिआ चाओ (44) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 174 साबुन के डिब्बों में छिपाया गया ब्राउन शुगर और एक चार

पहिया वाहन भी जब्त किया गया।

वहीं कांगपोकपी जिले के सोंगजांग गांव में अवैध पोस्त की खेती में शामिल होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जांगगौलेन किपगेन (41), लेटगिनलाल किपगेन (41), कामगिनलेन किपगेन (25) और थांगमिनलेन किपगेन (34) के रूप में हुई।

उधर दो जिलों में प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने रविवार को जिरीबाम जिले के निंगसिंगखुल से थोइदम सुरेश सिंह उर्फ लेम्बा (34) नामक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। संगठन के एक अन्य उग्रवादी की पहचान सलाम मालेमंगनबा सिंह उर्फ वांगलेन (23) के रूप में हुई। उसे शनिवार को बिष्णुपुर जिले के उपोकपी से पकड़ा गया। इसके अलावा टेंग्नौपाल जिले में मोलनोम-सेनाम इलाके से आईईडी, हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया गया। आईईडी के अलावा तीन देशी भारी मोर्टार लांचर, दो 7.62 एमएम और 7.65 एमएम देशी पिस्तौलें और मैगजीन, चार एके-47, छह एसएलआर और छह 12 बोर कारतूस और 200 ग्राम बारूद जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि आईईडी को नष्ट कर दिया गया और बचे हुए हिस्से को टेंग्नौपाल पुलिस स्टेशन में जमा करा दिया गया।

केंद्र के खिलाफ साउथ की अलग टीम बना रहे हैं स्टालिन? हिंदी विरोध में बनाया नया प्लान

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन केंद्र सरकार के खिलाफ दक्षिण भारतीय राज्यों को लामबंद करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि इससे पहले दक्षिण एकता की जरूरत पहले कभी नहीं थी। साथ ही उन्होंने एटीएम से रुपये निकालने को लेकर आरबीआई यानी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के फैसले पर भी आपत्ति जाहिर की है। द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम के अध्यक्ष स्टालिन ने तेलुगु और कन्नड़ भाषी लोगों को उगादि की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने एकता की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही कहा कि हमारे अधिकारों एवं पहचान को कमजोर करने के सभी प्रयास को विफल करने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने लिखा, मैं अपने सभी तेलुगु और कन्नड़ भाषी द्रविड़ बहनों और भाइयों को खुशहाल उगादि की शुभकामनाएं देता हूं, क्योंकि आप आशा एवं उत्सव के साथ नए साल का स्वागत कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा, हिंदी थोपे जाने और परिसीमन जैसी बढ़ती भाषाई और राजनीतिक खतरों के मद्देनजर, दक्षिणी एकता की आवश्यकता पहले कभी इतनी ज्यादा नहीं थी। हमें एकजुट होकर अपने अधिकारों एवं पहचान को कमजोर करने के सभी प्रयासों को विफल करना होगा। उन्होंने कहा कि यह उगादि प्रतिरोध एवं एकजुटता की भावना को प्रज्वलित करे जो हमें एकजुट रखे। स्टालिन ने आरबीआई के उस निर्णय का मजबूत विरोध किया।

ग्रेटर नोएडा में 1 अप्रैल से 10 फीसदी महंगा हो जाएगा पानी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। मंगलवार से पानी 10 फीसदी महंगा हो जाएगा। प्राधिकरण ने इससे संबंधित कार्यालय आदेश भी जारी कर दिया है। इसका असर आवासीय और औद्योगिक सहित सभी श्रेणी के आवंटियों पर पड़ेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के आदेश के मुताबिक आवासीय, संस्थागत, औद्योगिक, व्यावसायिक, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, बिल्डर्स एवं आईटी भूखंडों को पानी की आपूर्ति कराए जाने के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 की नई दरें लागू कर दी गई हैं, जो 01 अप्रैल से से प्रभावी मानी जाएंगी। नई दरों में 10 फीसदी की वृद्धि की गई है। प्राधिकरण भूखंड के क्षेत्रफल के हिसाब से पानी का बिल वसूलता है। सबसे कम बिल की बात करें तो 60 वर्गमीटर के भूखंड के आवंटी को इस वित्तीय वर्ष में 2280 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह यह राशि बढ़ती जाएगी।

27 मई 2013 में हुई प्राधिकरण की 95वीं बोर्ड बैठक में पानी के बिल में 10 फीसदी की वृद्धि हर साल किए जाने का निर्णय लिया गया था। उसी निर्णय के तहत हर वित्तीय वर्ष में पानी की दरों में वृद्धि की जा रही है। इस दौरान पानी की दरों में 12 बार वृद्धि हो चुकी है। ऐसे में आवासीय श्रेणी के आवंटियों पर बोझ बढ़ने लगा है। एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य आलोक सिंह का कहना है कि पानी की दरों में हर साल 10 फीसदी की वृद्धि का निर्णय सही नहीं है।

बीड मस्जिद विस्फोट मामले में एटीएस ने आरोपियों से की पूछताछ, टेरर एंगल की पड़ताल

बीड, एजेंसी।
महाराष्ट्र के बीड जिले में गेवराई तहसील के अर्धा मसला गांव में मस्जिद में हुए ब्लास्ट के बाद बीड पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनसे पूछताछ जारी है। घटना के बाद एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की टीम भी मौके पर पहुंची और देर रात तक दोनों आरोपियों से पूछताछ की। एटीएस इस बात की समानांतर जांच कर रही है कि इस घटना में कोई टेरर एंगल शामिल है या यह आरोपियों की महज शरारत थी।

वहीं, आधिकारिक तौर पर यह मामला लोकल क्राइम ब्रांच के पास है, जो इसकी गहन जांच में जुटी हुई है। पुलिस आरोपियों के बैकग्राउंड की छानबीन कर रही है और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक कर रही है।

जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस ब्लास्ट की साजिश में कितने लोग शामिल थे और उनका मकसद क्या था। अधिकारियों ने बताया कि मामले की तह तक जाने के लिए सभी पहलुओं पर बारीकी से काम किया जा रहा है। बीड

जिले में रविवार को एक मस्जिद में हुए धमाके के बाद इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त है। घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बीड पुलिस अधीक्षक नवनीत कावर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि रविवार तड़के करीब पौने तीन बजे मस्जिद में धमाका हुआ था। सूचना मिलते ही 20 मिनट के भीतर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और सुबह साढ़े पांच बजे तक स्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा, ÷दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने मस्जिद के अंदर विस्फोटक उपकरण का इस्तेमाल कर धमाका किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपियों का मुस्लिम समाज के कुछ बच्चों से विवाद हुआ था, जिसके बदले में उन्होंने यह कदम उठाया।÷

कावर ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और स्थानीय क्राइम ब्रांच को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच की निगरानी के लिए एक पुलिस इंस्पेक्टर को विशेष रूप से नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, ÷यह उच्च स्तरीय जांच होगी, जो निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाएगी। दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अफवाहों से बचने और प्रशासन पर भरोसा रखने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कानूनी प्रक्रिया के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बना रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

हसरंगा ने सीएसके के खिलाफ बनाया विशेष रिकॉर्ड, हरभजन-ब्रैड हॉग पहले से लिस्ट में शामिल

35 रन देकर 4 विकेट चटकाए

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के लेग ब्रेक स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 4 विकेट लेकर एक विशेष क्लब में प्रवेश किया और गुवाहाटी की सतह पर 183 रनों का पीछा करने की चेन्नई की कोशिश की कमर तोड़ दी। उन्होंने राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, शिवम दुबे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को आउट करके सीएसके के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार ओवरों की अपनी पूरी गेंदबाजी कोटा समाप्त करते हुए 35 रन देकर 4 विकेट चटकाए और इस लुभावनी लीग में चेन्नई के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर बन गए।

पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह ने 2011 में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बार की चैंपियन के खिलाफ 18 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। ब्रैड हॉग इस क्लब में प्रवेश करने वाले दूसरे खिलाड़ी थे जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 29 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा रॉयल्स के लिए एस20 लॉकंस के लिए स्पिन करते हुए उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 4 से अधिक विकेट चटकाए थे। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने पहले संस्करण में जयपुर में 14 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे।

हसरंगा जहां अपनी व्यक्तिगत और राजस्थान की सफलता का आनंद ले रहे थे, वहीं सीएसके को वास्तविकता का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक मानी जाने वाली चेन्नई ने आईपीएल 2021 के बाद से उन 9 मैचों में से प्रत्येक में हार का सामना किया है जिसमें उन्हें 175 से अधिक के लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने इनमें से सात मुकाबलों में टॉस जीता, जिसमें गुवाहाटी में राजस्थान के खिलाफ उनकी हार भी शामिल है।

राजस्थान के टॉस हारने के बाद नितीश राणा की 36 गेंदों पर 81 रनों की तूफानी पारी ने स्टेडियम में माहौल बनाया और रॉयल्स को 182/9 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में चेन्नई को शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और आवश्यक रन गति को नियंत्रण में रखने में भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। अंततः यह मैच सीएसके की पहुंच से बाहर हो गया और उन्हें छह रन से हार का सामना करना पड़ा।

धोनी के आउट होने पर सीएसके फैन गर्ल हुई वायरल, अदाओं ने अपनी तरफ खींचा सबका ध्यान, वीडियो

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के आउट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें सीएसके की फैन गर्ल के रिएक्शन ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। राजस्थान बनाम चेन्नई के मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। उस वक्त धोनी और रविंद्र जडेजा क्रीज पर मौजूद थे और फैंस को उम्मीद थी कि धोनी एक बार फिर से कमाल दिखाएंगे। लेकिन संदीप शर्मा ने पहली ही गेंद पर धोनी को बाउंड्री के पास कैच आउट करा दिया जिससे मैच राजस्थान के पक्ष में चला गया। धोनी के आउट होने के बाद कैमरे की नजर स्टेडियम में बैठी एक लड़की पर गई, जो बेहद गुस्से में दिखाई दी और हाथ के इशारों से यह साफ जाहिर था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और देखते ही देखते लोग इस लड़की को धोनी फैन गर्ल कहने लगे।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में दीपक पूनिया और उदित को रजत, दिनेश को कांस्य

अम्मान (जोर्डन) , एजेंसी। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में तीसरी बार रजत पदक जीता, जबकि उदित को लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे पूनिया ने बेकजात राखिमोव के खिलाफ 92 किग्रा वर्ग के कड़े मुकाबले में जीत के साथ वापसी की। पूनिया को किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी से कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 12-7 से जीत दर्ज करने में सफल रहे।पूनिया को जापान के ताकाशी इशिगुरो से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद थी, लेकिन भारतीय पहलवान ने उन्हें आसानी से 8-1 से हरा दिया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ईरान के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अमीरहुसैन बी फिरोजपोरबांदपेई ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में चार पदक जीते हैं। वह 2021 में अल्माटी और 2022 में उलानबटोर में फाइनल में हार गए थे, जबकि 2019 और 2020 में कांस्य पदक जीते। उदित ने भी 61 किग्रा में किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजार उलु को 9-6 से हराने के बाद चीन के वानहाओ झोउ को 2-0 से शिकस्त दी। उन्होंने पिछले साल रजत पदक जीता था। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उन्हें दुनिया के नंबर एक पहलवान ताकारा सूडा ने 6-4 से हराया। भारत के मुकुल दहिया ने भी दो जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को दहिया ने बिना अंक गंवाए तकनीकी दक्षता के आधार पर हराने के बाद किर्गिस्तान के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मुहम्मद अब्दुल्लाव को 3-1 से शिकस्त दी।सेमीफाइनल में दहिया को हालांकि ईरान के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अबुलफजल वाई रहमानी फिरौजाई के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त झेलनी पड़ी। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में उन्हें जापान के तत्सुया शिराइ ने 4-2 से हराया। दिनेश भी हेवीवेट 125 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे।

कोनर्स-फेडरर के क्लब में जगह बनाने से चूके जोकोविच, 19 साल के मेन्सिक ने जीता मियामी ओपन का खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। चेक रिपब्लिक के उभरते सितारे जाकुब मेन्सिक ने सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले पुरुष एकल के फाइनल में मेन्सिक ने 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। वहीं, महिला एकल के फाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को हरा दिया और अपना 19वां टूर खिताब जीता।19 साल के मेन्सिक और विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज मेन्सिक ने जोकोविच को हराकर उन्हें 100वें पेशेवर खिताब से दूर कर दिया। 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने इस मैच में अहम मौकों पर कई गलतियां कीं। वहीं, मेन्सिक ने 14 एस के साथ जोकोविच पर ताबड़तोड़ हमले किए। 37 साल के जोकोविच अगर यह फाइनल जीतते तो वह जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के क्लब में शामिल हो जाते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोनर्स ने अपने करियर में 109 पेशेवर खिताब और फेडरर ने 103 पेशेवर खिताब जीते थे। यह दोनों ओपन एरा में 100 या इससे ज्यादा करियर टाइटल्स जीतने वाले खिलाड़ी हैं। दोनों फाइनलिस्ट के बीच 18 साल 102 दिन का अंतर था, जो कि 1976 के बाद किसी भी एटीपी-1000 स्तर के फाइनल या किसी भी टूर स्तर के फाइनल में सबसे बड़ा उम्र का अंतर था। इससे पहले यह रिकॉर्ड आंद्रे अगासी और राफेल नडाल के बीच मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2005 के फाइनल मुकाबले के नाम था। तब अगासी 35 साल और नडाल 19 साल के थे और फाइनल में दोनों के बीच उम्र का अंतर 16 साल 35 दिन का था। मैच में बारिश ने खलल डाला। साढ़े पांच घंटे की देरी से मैच शुरू हुआ। दोनों ही सेट टाइ ब्रेकर में गए, लेकिन मेन्सिक जोकोविच के खिलाफ इसमें बेहतर करने में सफल रहे।

नीतीश राजस्थान के लिए पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज, 21 गेंदों में जड़ा पचासा

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान की शुरुआत इस मैच में झटके के साथ हुई थी। खलील अहमद ने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल (4) को अश्विन के हाथों कैच कराया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए नीतीश राणा आए। उन्होंने संजू सैमसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की और पावरप्ले में राजस्थान का स्कोर 80 रन के करीब पहुंचाया। राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज नीतीश राणा शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने महज 21 गेंदों में करियर का 19वां अर्धशतक जड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजों को परेशान किया। हालांकि, धोनी ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया। बता दें कि, आईपीएल 2025 का 11वां मुकाबला राजस्थान और चेन्नई के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

पावरप्ले में राजस्थान रॉयल्स के लिए सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज

रन	बल्लेबाज	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
66*	जोस बटलर	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली	2018
62*	यशस्वी जायसवाल	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता	2023
58	नीतीश राणा	चेन्नई सुपर किंग्स	गुवाहाटी	2025*
54	जोस बटलर	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद	2023
54	जोस बटलर	गुजरात टाइटंस	मुंबई	2022

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीमें

रन/विकेट	टीम	स्थान	वर्ष
81/1	राजस्थान रॉयल्स	अबू धाबी	2021
80/1	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई	2023
79/1	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई	2025*
78/0	मुंबई इंडियंस	मुंबई	2008

राजस्थान के लिए अपना तीसरा मुकाबला खेलने उतरे बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश ने 36 गेंदों में 81 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके और पांच छक्के लगाए। पावरप्ले में उन्होंने 58 रन बनाए। इसी के साथ वह राजस्थान के लिए पावरप्ले में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामलें में शीर्ष पर जोस बटलर हैं, जिन्होंने 2018 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 66* रन बनाए थे।

धोनी 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते :सीएसके के मुख्य कोच फ्लेमिंग

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे और महेंद्र सिंह धोनी आउट हो गए और उसी वक्त फैंस और टीम की उम्मीदें भी खत्म हो गई। मैच के बाद सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि महान भारतीय विकेटकीपर एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। धोनी ने पहले मैच में केवल दो गेंदों का सामना किया था जिसे चेन्नई ने जीता था, तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार में उन्होंने 16 गेंदों पर 30 रन बनाए थे, लेकिन वे असफल रहे थे। फ्लेमिंग ने कहा, %यह समय की बात है - एमएस इसका आकलन करते हैं। उनके घुटने पहले जैसे नहीं रहे। वे ठीक चल रहे हैं, लेकिन अभी भी उनमें कमजोरी है। वे पूरी ताकत से दौड़ते हुए 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते, इसलिए वे उस दिन यह आकलन करेंगे कि वे हमें क्या दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, अगर खेल संतुलन में है, तो वह थोड़ा पहले चला जाएगा और जब अन्य अवसर सामने आएंगे तो वह अन्य खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। यह संतुलन बनाने के बारे में है। मैंने पिछले साल कहा था कि वह बहुत मूल्यवान है और नेतृत्व के लिहाज से उसे 9 या 10 ओवर के बाद मैदान में उतारना उचित नहीं है - उसने ऐसा कभी नहीं किया। 13/14 के आसपास से वह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन टीम में है।

एथलीट पोते के साथ शुरू हुआ सफर, अब 93 की उम्र में देश के लिए जीतना चाहती हैं गोल्ड

बेंगलूर (एजेंसी)। आपने कई बार सुना होगा कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, खास कर उन लोगों के लिए जिनके पास विजन है और कुछ कर दिखाने का जजबा है। एथलीट पानी देवी पर यह बातें सटीक बैठती हैं जिन्होंने बेंगलुरु में मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दौड़, डिस्कस थ्रो, गोला फेंक में 3 गोल्ड मेडल जीते हैं।

घुटने में चोट और 93 साल की उर्म उन्हें रोकने में बेअसर रही और 100 मीटर रेस 45 सेकंड में पूरी की। अब इंडोनेशिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए चुनी गई हैं। मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन पुरुष-महिलाओं के लिए होती है, जिनकी उम्र 35 साल से अधिक हैं। हालांकि इस प्रतियोगिता में 100 साल की उम्र तक के प्रतियोगी हिस्सा ले सकते हैं। अब उनकी नजर विश्व मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने पर हैं। पानी देवी का सफर दो साल अपने एथलीट पोते जयकिशन गोदारा के साथ ग्राउंड से शुरू हुआ जहां वहां दिव्यांग बच्चों को खेलते देख सोचती हैं कि मैं भी कर सकती हूं। पोते ने दौड़ने के लिए कहा और पानी देवी 400 मीटर का चक्कर लगा दिया। रुचि बढ़ी तो रोज ग्राउंड पर जाना शुरू किया और शॉट पुट और डिस्कस थ्रो सीखा।

तीर्थ यात्रा के बहाने चैंपियनशिप हिस्सा लिया और तीन मैडल जीते - नवंबर 2023 में पानी देवी के पोते ने अलवर में स्टेट मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने समाज के डर से पहले तो मैंने मना कर दिया लेकिन फिर उन्होंने हम तीर्थ यात्रा पर जाने की बात कहकर सफर शुरू कर दिया। मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पहली बार हिस्सा लिया और तीन गोल्ड जीते।

अब इंडोनेशिया की तैयारी -इसके बाद भी किसी को कुछ नहीं बताया और 2024 में पुणे में नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बिना किसी को बताया हिस्सा लिया और वहां भी तीन गोल्ड जीते। इस बार पोते ने फेसबुक पर पोस्ट डाल दी और इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए स्वीडन जाने का मौका मिला, लेकिन अधिक खर्च के कारण नहीं जा पाई। पिछली बार विदेश यात्रा के लिए विधायक, खेल मंत्री तक गुहार लगाई। लेकिन मदद नहीं मिली। इस बार इंडोनेशिया जाना है। वहां भेजने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री, खेल मंत्री से लेकर पीएम को चि?ट्ठी लिखी है।

फिटनेस मंत्र भी समझे - पानी देवी का कहना है कि वह सुबह 4 से 5 बजे के बीच उठ जाती हैं और सुबह से रात तक व्यस्त रहती है। वह अपने सभी काम खुद करती हूं और शाम को युवा एथलीट्स के साथ प्रैक्टिस करती हैं।

मेरी गलती थी, भगवान नहीं हूं... 17 साल बाद भी पछता रहे हरभजन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2008 क्रिकेट के इतिहास में एक ऐतिहासिक टूर्नामेंट था, जिसने इस खेल को नए आयाम दिए. राजस्थान रॉयल्स की चौंकाने वाली जीत, ब्रेंडन मैकुलम की विस्फोटक पारी और युवा भारतीय खिलाड़ियों के उभरने जैसी कई यादगार घटनाएं उस सीजन में देखने को मिलीं. लेकिन इस शानदार सीजन में एक ऐसी घटना भी हुई, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया था. यह घटना थी 'स्लैपगेट विवाद', जिसमें मुंबई इंडियंस के कप्तान हरभजन सिंह ने किंग्स इलेवन पंजाब के तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था. यह घटना 2008 में हुई, जब मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच एक मुकाबला खेला गया. पंजाब ने उस मैच में शानदार प्रदर्शन किया और मुंबई को हरा दिया ।

टीम जर्सी में मलाइका अरोड़ा ने राजस्थान रॉयल्स को किया चीयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच खेला गया। रियान पराग की कप्तानी में राजस्थान ने चेन्नई को मात दी और सीजन में अपना खाता खोला। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई जो कि चर्चा का कारण बन गई। मैच के दौरान टीवी स्क्रीन पर बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइक अरोड़ा नजर आईं।

सिर्फ इतना ही नहीं उनके साथ राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान कुमार संगाकारा बैठे नजर आए। इस तस्वीर के वायरल होते ही लोगों ने दोनों के बीच कनेक्शन जोड़ना शुरू कर दिया। मलाइका अरोड़ा राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में नजर आई। संगाकारा भी जर्सी में ही बैठे थे। लोगों ने यह अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों डेट कर रहे हैं। मलाइका अरोड़ा इस समय सिंगल हैं और उन्होंने अपनी डेटिंग लाइफ पर हाल फिलहाल में कोई अपडेट नहीं दिया है। ऐसे में लोगों ने यही दावा किया कि दोनों डेट कर रहे हैं। हालांकि इसकी संभावना काफी कम है। इसका बड़ा कारण है कुमार संगाकारा। श्रीलंका का यह दिग्गज खिलाड़ी शादीशुदा है। उन्होंने येहुली से शादी की है जिससे उनके बच्चे भी है। वह एक बेटी और एक बेटे के पिता हैं। दोनों के तलाक या अलग होने की कोई जानकारी मौजूद नहीं है। संगाकारा के बच्चे और पत्नी अब भी कई मौकों पर साथ नजर आए हैं। ऐसे में मलाइका के साथ उनके रिश्ते की संभावना कम है।

यह हो सकता है कनेक्शन

मलाइका अरोड़ा और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक ऐसा कनेक्शन है जो कि एक्ट्रेस के वहां मौजूद होने का कारण हो सकता है। राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन हैं। केरल के रहने वाले संजू दक्षिण भारत में काफी लोकप्रिय हैं और उनकी काफी फैन फोलोइंग भी हैं।

नीतीश राणा के आक्रामक अंदाज के मुरीद हुए केन विलियमसन

बेलिग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने नीतीश राणा की तारीफ में खूब कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने राणा की 36 गेंद में 81 रन की पारी को 'शीर्ष स्तर की बेहतरीन पारी' कहा और चेन्नई सुपरकिंग्स पर 6 रन की जीत का श्रेय राजस्थान रॉयल्स की फील्डिंगो भी दिया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नीतीश ने आक्रामक पारी खेली जिससे रॉयल्स ने नौ विकेट पर 182 रन बनाए और फिर सुपरकिंग्स को छह विकेट पर 176 रन पर रोककर सत्र की पहली जीत दर्ज की।

वानिंदु हसरंगा के चार विकेट और कार्यवाहक कप्तान रियान पराग का शिवम दुबे का एक हाथ से शानदार कैच लपकने सहित टीम के बेहतरीन क्षेत्ररक्षण ने जीत में अहम भूमिका निभाई। सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के लिए खेल चुके विलियमसन ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'नीतीश स्पिन के खिलाफ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत तेज गेंदबाजी के खिलाफ की, गति का अच्छा इस्तेमाल किया।' उन्होंने कहा, 'शायद बाएं हाथ, दाएं हाथ के संयोजन के कारण वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। यह शीर्ष स्तर की एक बेहतरीन पारी थी। विलियमसन ने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के पास कई अन्य प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, लेकिन आज नीतीश मैच विजेता थे। इस तरह के मैच में जहां ऐसी विकेट पर गलती की गुंजाइश काफी कम थी वहां मेरा मानना ??है कि राजस्थान रॉयल्स के क्षेत्ररक्षण ने उन्हें जीत दिलाई।' सुपरकिंग्स को जब 12 गेंद पर 39 रन चाहिए थे तब महेंद्र सिंह धोनी (16) ने शॉर्ट थर्ड मैन पर एक चौका और तुषार देशपांडे की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर लंबा छक्का लगाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। धोनी की जबरदस्त फैन फॉलोविंग पर बात करते हुए विलियमसन ने कहा, 'सुपरकिंग्स विरोधी के मैदान पर खेल रहे थे, फिर भी अधिकतर दर्शक पीले रंग की पोशाक में थे, यह अविश्वसनीय था। हमने इसे पहले भी कई बार देखा है।'

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज़ बाइट्स

नेता के आवास से साइकिल चुराने वाला गिरफ्तार

पटना (एसवीवी. सं.)। एसके पुरी पुलिस ने रविवार की रात दुजरा में साइकिल चोरी के आरोपित चंदन कुमार को गिरफ्तार किया है। थानेदार प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपित ने तीन मार्च को एक नेता के आवास से साइकिल चोरी की थी। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से आरोपित की पहचान हुई। इसके बाद दुजरा स्थित घर से उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानेदार ने बताया कि पूछताछ में उसने साइकिल चोरी की बात स्वीकार की है। इससे पहले भी वह साइकिल चोरी के आरोप में जेल गया था।

ग्राम कचहरी सचिवों की भर्ती की शुरुआत पटना जिले से होगी

पटना (नि. सं.)। ग्राम कचहरी सचिव के 1583 रिक्त पदों पर नियोजन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पटना जिले में ग्राम कचहरी सचिव के रिक्त 65 पदों पर नियोजन के लिए मेधा सूची में पहले स्थान पर रहने वाले अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 4 अप्रैल को होगी। अन्य जिलों के चयनित अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग चरणबद्ध तरीके से होगी। इसके लिए तिथि बाद में तय होगी। इसकी सूचना विभागीय सोशल मीडिया और अभ्यर्थियों के मोबाइल पर दी जाएगी। पटना के बाद अन्य जिलों में चयनित अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सहज और बेहतर तरीके से हो, इसलिए इस प्रक्रिया को समझने के लिए सभी जिलों के जिला पंचायत पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत पदाधिकारी और प्रोग्रामर्स को बुलाया गया है। पंचायती राज विभाग ने पटना के जिला पंचायत राज पदाधिकारी से कहा है कि पटना जिले की 65 ग्राम पंचायतों के चयनित ग्राम कचहरी सचिव और ग्राम कचहरी सरपंच को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का निर्देश दें। काउंसिलिंग के समय अभ्यर्थियों को सत्यापन पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, ऑनलाइन आवेदन की प्रति, अंकपत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र आदि के साथ अनिवार्य रूप से आना होगा। चयनित अभ्यर्थी सत्यापन पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र का प्रारूप तथा ऑनलाइन आवेदन फॉर्म विभाग की वेबसाइट ps.bihar.gov.in पर डाउनलोड कर सकते हैं। पंचायती राज विभाग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि नियोजन और काउंसिलिंग संबंधी सही सूचना विभागीय सोशल मीडिया से दी जा रही है, इसलिए अभ्यर्थी किसी भ्रामक अफवाहों पर ध्यान नहीं दें।

मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना ने हजारों भिक्षुओं को सम्मानपूर्ण दी नई जिंदगी

पटना (नि. सं.)। बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की ओर से चलाई जा रही मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना ने हजारों भिक्षुओं को सम्मानपूर्ण नई जिंदगी दी है। इस योजना की वजह से नौ हजार 226 भिक्षुओं को भिक्षावृत्ति के अभिशाप से निजात मिली है। वहीं, इनमें से 1873 भिक्षुओं को रोजगार दिलाया जा चुका है। कभी भिक्षावृत्ति कर जीवनयापन करने वाले ये भिक्षु अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो चुके हैं। इस योजना के तहत सरकार भिक्षुओं को न सिर्फ इस अभिशाप से मुक्ति दिला रही है बल्कि उन्हें स्वरोजगार से भी जोड़ने का काम कर रही है। बुजुर्ग एवं अशक्त भिक्षुओं के लिए भिक्षुक पुनर्वास गृह की भी व्यवस्था की गई है। समाज कल्याण विभाग की ओर से चलाए जा रहे पुरुष और महिला सेवा कुटीर में भिक्षुकों को लाकर उनकी काउंसिलिंग और रोजगार से जोड़ने का काम किया जाता है।

बिहार में जल-जीवन-हरियाली अभियान से बढ़ रहा हरित आवरण

पटना (नि. सं.)। बिहार सरकार जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 517.28 करोड़ रुपये की राशि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को मिली है, जिससे प्राकृतिक वनों के विकास, मृदा एवं भूमि संरक्षण, वृक्षारोपण और इको-पर्यटन को गति दी जा रही है। बिहार का वर्तमान हरित आवरण 15 प्रतिशत है, जिसे चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) के तहत 17 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 20 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

- एक को बचाने में दूसरे बच्चे की गई जान
- मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नेहुटी गांव में हुई घटना

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नेहुटी गांव में तालाब में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों में प्रमोद प्रसाद गुप्ता के 7 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार और विनोद प्रसाद गुप्ता के 5 वर्षीय पुत्र राजकुमार शामिल हैं। सोमवार को दोनों बच्चे गांव की पानी टंकी के पास स्थित पोखर के किनारे खेल रहे थे। जानकारी के अनुसार, खेलते समय अचानक प्रिंस का पैर फिसल गया और वह पोखर में गिर गया। पानी अधिक होने के कारण वह डूबने लगा और चीखने लगा। अपने भाई को बचाने के लिए राजकुमार ने भी पोखर में छलांग लगा दी, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने बच्चों की खोजबीन शुरू की। खोज के दौरान पोखर में प्रिंस का शव तैरता हुआ दिखा। ग्रामीणों ने पोखर में छलांग लगाकर राजकुमार के शव को भी ढूंढ निकाला। परिजन तुरंत दोनों को सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों में कोहराम मच गया। नगर थाना पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। जानकारी के अनुसार, प्रिंस और राजकुमार दोनों अपने तीन-तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिला पार्षद अनिल यादव, पंचायत समिति प्रतिनिधि दिलीप प्रसाद गुप्ता, पूर्व वार्ड पार्षद विजय मेहता, नौगढ़ मुखिया पंकज यादव सहित अन्य लोग सदर अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी। जिला पार्षद अनिल यादव ने कहा कि मृतक परिवार बेहद गरीब है और उन्होंने प्रशासन से आपदा राहत के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि पोखर में डूबने से दो मासूमों की मौत हुई है। फिलहाल नगर थाना पुलिस द्वारा दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चैती छठ मेले की तैयारियों का डीएम ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जिले के देव प्रखंड में आयोजित चैती छठ मेला को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने मेले के स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने देव सूर्यकुंड एवं रूद्र कुंड छठ घाट की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, ड्रॉप गेट और बैरिकेडिंग की स्थिति का जायजा लिया। इसके अलावा, देव मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के ठहरने की सुविधा, पार्किंग व्यवस्था और मंदिर के आसपास की व्यवस्थाओं की भी गहन समीक्षा की गई।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ महापर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए आवासन, यातायात और पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को सख्ती से लागू करने को कहा गया। देव सूर्य मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग और मार्गों की साफ-सफाई पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं ताकि मेले के दौरान कोई अव्यवस्था न हो। चैती छठ मेला में हर साल हजारों श्रद्धालु सूर्य उपासना के लिए पहुंचते हैं, जिसके चलते प्रशासन हरसंभव सुविधा देने के प्रयास में जुटा है।

संस्थान के माध्यम से दिव्या ने लाया 95% अंक

ओबरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। ओबरा प्रखंड के दिव्या कुमारी ने मैट्रिक परीक्षा में 476 अंक यानी 95 प्रतिशत अंक लाकर जिले का नाम रोशन किया है। उसे आदर्श कोचिंग सेंटर कारा से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संस्थान के निदेशक धनंजय कुमार ,प्राचार्य रोहित कुमार, प्रबंध निदेशक अखिलेश कुमार आदि ने उसके घर पहुंचकर उसकी माता सविता देवी एवं पिता उगान प्रसाद गुप्ता से मिलकर बधाई दी। संस्थान के निदेशक, प्रबंध निदेशक, एवं प्राचार्य ने उक्त छात्रा को पढ़ाई से संबंधित सामग्री व मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य के कामना की। बताया जाता है कि आदर्श कोचिंग सेंटर ने पिछले बार 400 से अधिक अंक लाने वालों छात्रों की संख्या 13 थी जो बढ़कर इस बार 18 हो गई है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में कोचिंग काफी चर्चा में है । संस्थान के इस उपलब्धि पर संस्थान में पढ़ रहे सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है।

बिहार में अप्रैल में पड़ेगी भयंकर गर्मी

निज संवाददाता | पटना

मौसम के तेवर तल्ख होने लगे हैं। गर्मी से लोगों का हाल अभी से बेहाल हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल में भयंकर गर्मी पड़ने के आसार हैं, क्योंकि अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। इस कारण लू चलने वाले दिनों की संख्या भी सामान्य से तीन-चार दिन अधिक होगी। इस दौरान बारिश सामान्य से कम होगी। ठंडरस्टॉर्म की गतिविधियां नहीं बनने से भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल में प्रदेश का सामान्य अधिकतम तापमान 37 से 40 और सामान्य न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच है। वहीं लू चलने की सामान्य दिनों की संख्या 6-7 है, लेकिन प्रदेश का पारा सामान्य से चार-पांच डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की उम्मीद है। प्रदेशवासियों को इस माह 6 से 19 अप्रैल के बीच भीषण गर्मी का अहसास होगा। हालांकि अप्रैल के प्रथम सप्ताह और आखिरी सप्ताह में लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलने की उम्मीद है। बता दें कि मार्च में ही प्रदेश का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था, लेकिन लगातार पश्चिमी विक्षोभ आने के कारण प्रदेश में लू जैसे हालात नहीं बने। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण बिहार और उत्तर-पश्चिम बिहार के जिलों में अधिक गर्मी होने के आसार हैं। हालांकि उत्तर बिहार के लोगों को भी गर्मी का अहसास होगा, लेकिन दक्षिण बिहार के मुकाबले कम होगा। वहीं दक्षिण बिहार का न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के कारण गर्म रात भी होने के आसार हैं। मौसम विभाग के आंकड़ा के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान अप्रैल में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। 2022 के अप्रैल में डेहरी का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जबकि पिछले 5 वर्षों के दौरान अप्रैल में पटना का अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस 2021 में रिकॉर्ड किया गया था। वहीं पिछले वर्ष अप्रैल में सामान्य से 96 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी, जबकि 10 दिनों तक प्रदेश लू की चपेट में रहा था।

पटना में तेज रफ्तार थार ने युवक को 40 मीटर तक घसीटा, सिर और पैर में लगी गंभीर चोटें

निज संवाददाता | पटना

पटना के पॉश इलाके एएन पथ गली में तेज रफ्तार थार ने कार सवार युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवकों ने थार सवार को कुछ कहा तो उसने गाड़ी बैक कर के उसके ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान थार सवार ने युवक को गाड़ी की बोनट पर 40 मीटर तक घसीटा। इसमें उसकी पीठ और हाथ की चमड़ी उधड़ गई। युवक के सिर और पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। उसके पैर की हड्डियां भी टूट गईं। वहीं, युवक के साथ गाड़ी में मौजूद 3 दोस्तों ने जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचाई। मामला 26 मार्च की रात का है। 5 दिन बाद पुलिस ने सोमवार को इस मामले में केस दर्ज किया है।

बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान थार ने युवक को कुछ दूर घसीटा था, इसमें उसके शरीर की चमड़ी निकल गई।

बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान थार ने युवक को कुछ दूर घसीटा था, इसमें उसके शरीर की चमड़ी निकल गई। घटना के वक्त कार में मनीष सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने बताया, 'हम दोस्तों के साथ बोरिंग रोड चौराहे से अपनी कार से एजी कॉलोनी की ओर जा रहे थे। एएन पथ पर सामने से तेज रफ्तार थार गाड़ी आ रही थी। थार की स्पीड देखकर हमने अपनी गाड़ी की रफ्तार कम कर दी। उसने मेरी गाड़ी में सटाकर थार रोकी। लाइट दिखाने लगा। हाथ से इशारा करने लगा। हम लोग कार से बाहर निकले। पूछा- ऐसे गाड़ी क्यों चला रहे हो। 2 कदम आगे बढ़कर थार के बोनट पर हाथ रखा और कहा- आओ बाहर बात करते हैं। ऐसे गाड़ी क्यों चला रहे हो, किसी की भी जान जा सकती है। इसके बाद उसने अपनी गाड़ी की हेड लाइट ऑफ की।

राजद नेताओं ने ईद पर एक-दूसरे को दी बधाई

पटना(नि.स.)। राजद नेताओं ने ईद पर एक-दूसरे के घरों पर जाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दीकी के सरकारी आवास पर पार्टी के वर्तमान, पूर्व विधायक एवं अन्य नेता पहुंचे और ईद की बधाई दी। वहीं, प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद के फुलवारीशरीफ स्थित आवास पर फुलवारीनगर परिषद के चेयरमैन आफताब आलम, पूर्व विधायक उदय मांझी समेत अन्य नेता पहुंचे। उन्होंने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी और समाज में अमन-चैन की दुआ मांगी। वहीं, पटनासिटी में प्रदेश राजद के महासचिव विनोद यादव ने ईद पर अरशद हुसैन, महताब अहमद के घरों पर जाकर मुबारकबाद दी।

जल संकट वाले इलाकों में लगेंगे प्राथमिकता के आधार पर चापाकल

निज संवाददाता | पटना

गर्मी में जल संकट से निबटने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने नए चापाकल लगाने का निर्णय लिया है। गंभीर जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर चापाकल लगाए जाएंगे। पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1520 नए चापाकल लगाने की अग्रिम स्वीकृति दी जा चुकी है। इससे संबंधित निविदा प्रक्रिया को शीघ्र निष्पादित कर उन क्षेत्रों में चापाकल लगाए जाएंगे, जहां जल संकट की स्थिति अधिक गंभीर होती है। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि इस वर्ष किसी भी जल संकटग्रस्त क्षेत्र में टैंकर से जलापूर्ति की आवश्यकता न पड़े। चापाकलों की स्थापना से स्थायी समाधान मिलेगा और लोगों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही विभाग ने हर जिले में चापाकल मरम्मत अभियान की भी शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत चलंत वाहन दस्ता स्वयं प्रखंडों एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर-जाकर अक्रियाशील चापाकलों की मरम्मत कर रहे हैं । राज्यभर में अभियान के तहत 1 लाख 20 हजार 749 चापाकलों की मरम्मत की योजना बनाई गई है, जिससे पहले से स्थापित पेयजल संसाधनों को सुदृढ़ किया जा रहा है। सभी मरम्मत कार्यों की रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड की जा रही है, जिसमें जियो टैग, फोटोग्राफ एवं सामाजिक प्रमाणीकरण भी शामिल है। जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों के सहयोग से जल संकट वाले क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है। समय रहते स्वच्छ जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बिहार में चीनी मिलों की दुर्दशा के लिए राजद-कांग्रेस ने शासन को ठहराया जिम्मेदार : मंगल

निज संवाददाता | पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राजद-कांग्रेस शासन (1985-2005) के दौरान उत्तर बिहार में चीनी मिलों की हालत बद से बदतर हो गई, जिसके कारण आधा दर्जन से अधिक मिलें बंद हो गईं। उन्होंने कहा कि उत्तर बिहार, जिसे कभी 'चीनी का कटोरा' कहा जाता था, आज अपनी खोई हुई पहचान को वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह बयान उन्होंने सोमवार को जारी अपने आधिकारिक वक्तव्य में दिया। मंत्री ने कहा कि एक समय उत्तर बिहार में 16 चीनी मिलें कार्यरत थीं, लेकिन लालू-राबड़ी शासन के दौरान उनमें से 7 मिलें बंद हो गईं। इसका सीधा असर किसानों और श्रमिकों पर पड़ा। रोजगार के अवसर खत्म हो गए और लाखों किसानों को गन्ना उत्पादन छोड़ना पड़ा। उद्योग जगत के लिए यह बड़ा झटका था, क्योंकि गन्ना उत्पादन बिहार की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पश्चिम चंपारण जिले में नरकटियागंज, लौरिया, मझौलिया, चनपटिया, बगहा और रामनगर में कुल छह चीनी मिलें थीं, लेकिन चनपटिया चीनी मिल 1994 से बंद है। इसी तरह, मधुबनी जिले की लोहट चीनी मिल 1996 में बंद हो गई और अब तक दोबारा चालू नहीं हो पाई। मुजफ्फरपुर जिले की मोतीपुर चीनी मिल में 1997 से पेराई ठप है। समस्तीपुर जिले के मुख्यालय स्थित चीनी मिल में 1985 से ताला बंद है। 1993 में सकरी और एक साल बाद 1994 में रैयाम में तालाबंदी हो गई। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि यह किसका कार्यकाल था और इन चीनी मिलों को दोबारा चालू करने के लिए तब कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया। मंगल पांडेय ने कहा कि जंगलराज के भय और दहशत ने मिलरों व अन्य उद्योगपतियों को बिहार छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। इसके कारण न सिर्फ चीनी मिलें ठप हो गईं, बल्कि अन्य उद्योग भी चौपट हो गए। उद्योगपतियों और निवेशकों ने डर के कारण बिहार से पलायन कर लिया, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास पूरी तरह ठप पड़ गया। मंत्री ने कहा कि अब जब राजद और कांग्रेस बेरोजगारी, उद्योग और किसानों की बात कर रही हैं, तो उन्हें अपने ही शासनकाल को देखना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चीनी मिलें बंद हो रही थीं, तब किसकी सरकार थी और उन मिलों को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए थे।

पहली कक्षा में बच्चों का नामांकन अभियान आज से

- प्रभात फेरी और साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा।
- माइक से लगातार सूचना प्रसारित कर लोगों को नामांकन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

निज संवाददाता | पटना

राज्य के साढ़े पांच से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों का सरकारी विद्यालयों की पहली कक्षा में नामांकन अभियान मंगलवार से शुरू होगा। अभियान 15 अप्रैल तक चलेगा। आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जीविका दीदी संयुक्त रूप से इस अभियान को सफल बनाएंगे। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है। अभियान का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रभात फेरी, साइकिल रैली के आयोजन के साथ ही गांवों-टोलों में घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। माईक से भी इसकी सूचना लगातार लोगों को दी जाएगी। अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि वह अपने बच्चे का अनिवार्य रूप से विद्यालय में नामांकन कराएं। आंगनबाड़ी सेविका द्वारा छह वर्ष के बच्चों की सूची नजदीक के विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दी जाएगी। विभाग ने यह भी साफ किया है कि जिन बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र अथवा आधार कार्ड नहीं होगा, उनका भी नामांकन कराया जाएगा।

जमीनी विवाद में गोलीबारी मामले में तीन गिरफ्तार

निज संवाददाता | पटना

पटना के पालीगंज थाना क्षेत्र के बुधु बीघा गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में अशोक यादव, राम लखन यादव और विनोद कुमार शामिल हैं। तीनों बुद्धू बीघा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने एक आरोपी के घर से एक देसी हथियार और दो गोली के खोखे बरामद किए हैं। पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि विवाद में कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि बरामद हथियार काफी पुराना है। यह हथियार पहले नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता था। पालीगंज इलाका पूर्व में नक्सली क्षेत्र रहा है। पुलिस अवैध हथियारों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले में कई अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है।

हॉकी इंडिया और बीएसएसए में हुआ एमओयू साइन

18 साल बाद आयोजन, 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में होगा टूर्नामेंट

निज संवाददाता | पटना

हॉकी में बिहार एक नया इतिहास रचने की तैयारी में है। राजगीर खेल परिसर में हॉकी के एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड पर एशियन मेन्स हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन की तैयारी है। सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू साइन हुआ। इस मौके पर हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ दिलीप तिर्की, सेक्रेटरी भोला नाथ सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण, भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस बार हीरो एशिया कप की मेजबानी बिहार कर रहा है। यह तीसरी बार भारत में आयोजित हो रही है। पहली बार 1989 में नई दिल्ली में, दूसरी बार 2007 में चेन्नई में और अब इसके 18 साल बाद यह तीसरी बार आयोजित हो रही है और वो भी बिहार में जो कि गर्व की बात है। इस चैंपियनशिप में जो विनर होंगे वह वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगे। इस टूर्नामेंट के लिए राजगीर में टेंपरेरी गैलरी बनाई जाएगी जिसमें 20000 दर्शन एक साथ बैठकर मैच देख सकेंगे। हॉकी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन वाले दिन से इसकी शुरुआत हो रही है। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक यह टूर्नामेंट राजगीर में आयोजित होगा। इसमें 8 टीम भाग ले रही है, जिसमें भारत, साउथ कोरिया, पाकिस्तान, जापान, मलेशिया, चीन सहित अन्य टीमें हैं। साउथ कोरिया 5 बार यह टाइटल अपने नाम कर चुका है। वहीं, इंडिया और पाकिस्तान तीन बार यह खिताब जीत चुका है। यह सभी तैयारी इसलिए है कि आने वाले समय में बिहार के हॉकी खिलाड़ी हिंदुस्तान टीम में नजर आए। मैंने हिंदुस्तान की हॉकी को सुधार दिया है अब बिहार की हॉकी को सुधारूंगा, बस वक्त का इंतजार कीजिए।

छठ, रामनवमी को लेकर पटना में रूट निर्धारित

निज संवाददाता | पटना

पटना में चैती छठ और रामनवमी को लेकर विशेष तैयारी है। बड़े पैमाने पर जुलूस और झांकियां निकलती हैं। सोमवार को इसे लेकर रूट भी तय कर दिया गया है। संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में पूर्व की घटना को मापदंड बनाते हुए प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। 1 से 4 अप्रैल तक छठ महापर्व को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारी पूरी कर ली है। घाटों पर मजिस्ट्रेट के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गोताखोर की तैनाती की है। मेडिकल टीम के साथ एंबुलेंस और आवश्यक दवा भी उपलब्ध होगी। आम लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर 24*7 जिला नियंत्रण कक्ष (0612-2219810/2219234), डायल-112 और जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (0612-2210118) पर सूचना दी जा सकती है। गया, नालन्दा, दरभंगा, समस्तीपुर, नवादा, मुंगेर खगड़िया और रोहतास, सिवान विशेष रूप से संवेदनशील हैं। यहां पर काफी अधिक संख्या में बल प्रतिनियुक्त की गई है। इस बार जिलों को 50 कंपनी बीएसएपी दी गई हैं। इस बार सीपीएमएफ से 12 कंपनियां मिली है, हर बार 6 मिलती रही हैं। इसमें दो रैपिड एक्शन फोर्स, दो सीआरपीएफ और 6 शास्त्र सीमा बल के हैं। 3500 पीटीसी, 3400 होमगार्ड जवानों को अलग से विधि व्यवस्था में लगाया गया है। बल समुचित है। निकलने वाले जुलूस की वीडियोग्राफी होगी। जिले में डीएम और एसपी अपने स्तर से कराएंगे।

मधुबनी से पीएम मोदी देश को देंगे हजारों करोड़ की सौगात

- , बिहार में मनेगा राष्ट्रीय पंचायत दिवस 2025

निज संवाददाता | पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर बिहार दौरे पर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद पीएम अब तक तीन बार बिहार आ चुके हैं। बिहार भाजपा के नेताओं के अनुसार पीएम का हर महीने एक बार बिहार दौरा हो सकता है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 24 अप्रैल को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए पीएम का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल को देश में राष्ट्रीय पंचायत दिवस का आयोजन किया जाता है। इस बार यह आयोजन बिहार में हो रहा है। पीएम इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह में पूरे बिहार के पंचायती राज प्रतिनिधि भाग लेंगे। उस दिन पीएम पंचायती राज से संबंधित हजारों करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। उसी दिन पीएम पटना में हवाई अड्डा के नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण और बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास भी कर सकते हैं। पीएम के दौरे को लेकर सरकार के सभी विभागों की ओर से उद्घाटन व शिलान्यास किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूची बनाई जा रही है। सोमवार को केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने मधुबनी में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मधुबनी के जिला परिसदन सभागार में हुई इस बैठक में बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा सहित एनडीए के प्रमुख नेता व प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की भागलपुर में सभा हुई थी जिसमें उन्होंने लाखों किसानों से संवाद किया था। पीएम मोदी ने बिहार की धरती से पूरे देश के किसानों को बड़ी सौगात दी। पीएम मोदी ने लाखों किसानों को किसान निधि सम्मान का पैसा सीधे उनके अकाउंट में ट्रांसफर किया। पीएम मोदी ने भागलपुर से देश के 9.80 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के रूप में कुल 22 हजार करोड़ हस्तांतरित किया। इसमें बिहार के 76 लाख किसान शामिल हैं। बिहार के किसानों के खाते में 1600 करोड़ रुपये भेजे गए। इससे पहले 15 नवम्बर 2024 को जमुई जिले के बल्लोपुर गांव में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पीएम मोदी ने शिरकत की।

पटना के थिनर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

पटना(नि.सं.)। पटना के थिनर फैक्ट्री में भीषण आग लगी है। घटना 7 बजे के आसपास की है। अगलगी में कई कर्मियों के झुलसने की सूचना आ रही है। हादसा बाढ़ अनुमंडल स्थित गुलाबबाग में हुआ है। आग इतनी तेजी से फैली कि कई कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। फैक्ट्री में काम कर रहे कुछ मजदूरों के जलने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्ट लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। घायलों की संख्या और उनकी स्थिति के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं है।

अमन शांति के लिए अदा की गयी ईद-उल फितर की नमाज, एक-दूसरे से गले मिलकर दी ईद की बधाई

निज संवाददाता | पटना

बिहार में आज ईद का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। मस्जिदों में नमाज अदा करने के बाद लोग एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई देते दिखे। मोतिहारी के केसरिया प्रखंड के विभिन्न ईदगाह में सोमवार को नमाज अदा की गयी, जिसमें नगर पंचायत स्थित इर्दगाह में 8:30 बजे ईद-उल-फितर की नमाज पढ़ी गयी। इस अवसर पर कौमी एकता फ्रंट के अध्यक्ष वसील अहमद खान ने नमाजियों को संबोधित करते हुए, आपसी भाईचारा कायम करने और हिंदुस्तान में अमन व शांति की दुआ मांगी। नमाज केसरिया मदरसा के मोदरिश कारी सिराजुद्दीन सेराजी ने पढ़ाई । इस अवसर पर केसरिया पुलिस मुनीर आलम, मौलाना अनिसुर रहमान, मौलाना नेमतुल्ला जामई, कारी अब्दुल गनी, हाजी मास्टर हबीब, अशरफ आलम, मो. इम्तियाज, नसरुद्दीन मुखिया, मो. सलीम, मो. समसूदीन, मो. जमील अख्तर, मास्टर मो. रहीमुद्दीन , साहिल पठान। वहीं प्रखंड के बथना, बैरिया, ताजपुर, गाछी कुशहर, मठिया, पदुमन छपरा समेत कई ईदगाह में नमाज अदा की गयी।

कैमूर जिले के कुदरा प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को लोगों ने धूमधाम से ईद मनायी। इस अवसर पर बच्चे, बूढ़े व वयस्क सभी ने नये वस्त्र पहनकर एक दूसरे को सेवइयां खिलाकर ईद त्योहार पर भाईचारा बनाये रखने का संदेश दिया। ईद के मौके पर लोगों ने लजीज व्यंजनों का भी खूब लुत्फ उठाया। घरों में बने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से घर आ रहे मेहमानों का स्वागत कर लोगों से गले मिलकर ईद की बधाई और मुबारकबाद देते रहे। ईद का त्योहार ग्रामीण इलाके से लेकर शहर तक धूमधाम से मनाया गया।